- शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी तेजी निफ्टी सेंसेक्स ऊपर चढ़े - 10

- युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट - 10

- टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव - 11

- पत्नी के सीधे सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार यादव का करियरा- 12

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.19

सूर्यास्त 06.22

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 08:25 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2083

बुधवार, 18 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 112, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और टॉप कमांडर सुलेमानी मारे गए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने किया दावा, खामेनेई के मारे जाने के बाद लारीजानी ने संभाली थी कमान

चीन की बड़ी पहल

- ईरान, लेबनान व पड़ोसी देशों को इमरजेंसी मानवीय मदद की घोषणा
- इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों पर किए हमले

यरूशलम/दुबई/बीजिंग, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात में ड्रोन के ईधन के टैंक से टकराने के बाद उठता धुएं का गुबार। इनसेट में मारे गए लारीजानी व सुलेमान।

इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने रात भर किए गए हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बल बासिज के प्रमुख गुलामरजा सुलेमानी को मार गिराया है। इस बल को ईरान में प्रदर्शनों को दबाने के लिए एक अहम बल माना जाता है। बहरहाल, ईरान ने अभी तक सुलेमानी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इजराइली सेना ने कहा, बासिज बल ईरानी आतंकी शासन की सशस्त्र व्यवस्था का हिस्सा है। उसने कहा, ईरान में आंतरिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान, खासकर हाल के समय में जब प्रदर्शन तेज हुए तो सुलेमानी के नेतृत्व में बासिज बलों ने दमन की मुख्य कार्रवाई की, जिसमें भीषण हिंसा, व्यापक गिरफ्तारियां और असैन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग शामिल था। इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों में हमले किए। इजराइली ने दावा किया है कि हमले में बसीज फोर्स के 300 सैनिकों की मारे गए हैं। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि पहले अमेरिका और इजराइल से हिसाब लिया जाएगा, उसके बाद ही शांति की बात की जाएगी। वहीं, चीन ने भीषण संघर्ष के बीच मानवीय संकट को कम करने के लिए ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध ने ईरान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के नागरिकों के लिए असहनीय मानवीय आपदा पैदा कर दी है।

ट्रंप बोले-नाटो देश जंग में साथ नहीं देना चाहते, हम उनकी रक्षा करते हैं, वे मदद नहीं कर रहे, अब किसी की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि नाटो और अधिकतर अन्य सहयोगी देशों ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा में मदद करने के उनके आह्वान को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता ध्वस्त हो चुकी है और उन्हें अब नाटो देशों या किसी अन्य से सहायता की आवश्यकता नहीं है। पिछले सप्ताह ट्रंप ने यूरोपीय देशों और अन्य देशों से मदद का आह्वान किया था ताकि अहम समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ट्रंप ने कहा, मुझे उनके इस फैसले पर हैरानी नहीं है, क्योंकि मैं हमेशा नाटो को एकतरफा व्यवस्था मानता रहा हूं। हम हर साल इन देशों की सुरक्षा पर सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं। हम उनकी रक्षा करते हैं, लेकिन जरूरत के समय वे हमारे लिए कुछ नहीं करते। ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया ने भी मदद के उनके आह्वान को ठुकरा दिया है।

शीर्ष अमेरिकी अधिकारी केंट का इस्तीफा, कहा- मेरा दिल ईरान युद्ध का समर्थन करने की गवाही नहीं देता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र के निदेशक जो केंट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उनका दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि वह ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध का समर्थन करें। केंट ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान से हमारे देश को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, और यह स्पष्ट है कि हमने इस युद्ध की शुरुआत इजराइल तथा उसकी शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव के कारण की। गत जुलाई में 44 के मुकाबले 52 मतों से केंट को उनके पद पर नियुक्त किया गया था।

एचपीसीएल हत्याकांड : आरोपी की 11 दुकानों पर गरजे बुलडोजर

सैंजनी गांव स्थित दुकानों को ध्वस्त करते बुलडोजर।

- प्रशासन की देखरेख में की गई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई, ड्राइवर सहित दो और गिरफ्तार
- 52 और दुकानें निशाने पर, साजिश में शामिल ड्राइवर सहित दो और गिरफ्तार

संवाददाता, दातागंज/म्याऊं/ बदायूं

अमृत विचार : एचपीसीएल प्लांट में सरेआम दो अफसरों की हत्या के आरोपी अजय प्रताप सिंह और उसके परिवार की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। मंगलवार को प्रशासनिक टीमों ने हत्यारोपी की सैंजनी गांव स्थित 11 दुकानें व मकान पुलिस-पीएसी की सुरक्षा के बीच जमींदोज करा दीं। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गईं 52 और दुकानें भी खाली करा दी गई हैं, जिन पर कभी भी बुलडोजर गरज सकता है।

वहीं, पुलिस ने प्लांट के गैस किट ऑपरेटर मुनेन्द्र विक्रम सिंह व गाड़ी ड्राइवर धर्मेन्द्र यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह दोनों भी हमलावर अजय प्रताप सिंह के साथ गोलीकांड की साजिश में शामिल पाए गए हैं। बदायूं में थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव सैंजनी में स्थित प्लांट में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम के उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता व सहायक प्रबंधक हर्षित मिश्रा की हत्या को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। डीएम अवनीश और नवागत एसएसपी अंकिता शर्मा की निगरानी में पुलिस और प्रशासनिक टीमें सख्ती से आगे की कार्रवाई में जुटी नजर आ रही हैं। जांच में आरोपी अजय की 11 दुकानें सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के दायरे में पाई गई थीं। (संबंधित पेज-3)

प्लांट के दो कर्मचारी षड्यंत्र में शामिल

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जांच में प्लांट के दो और कर्मचारी षड्यंत्र में शामिल निकले। प्लांट की बुलेरो गाड़ी चलाने वाला कांसपुर, दातागंज निवासी धर्मेन्द्र यादव और गैस किट ऑपरेटर ग्राम बिहारीपुर अजब निवासी मुनेंद्र विक्रम सिंह ने खूनी कृत्य में हमलावर अजय का पूरा साथ दिया था। ड्राइवर ने वारदात कर भागने के लिए गाड़ी अजय सिंह को दी थी। ऑपरेटर मुनेन्द्र ने स्टाफ बताकर सुरक्षाकर्मियों से प्लांट का गेट खुलवाया था। पुलिस ने इन दोनों पर भी कानूनी शिकंजा कस दिया है। हमलावर को कारतूस उपलब्ध कराने के मामले में भी कुछ लोग जांच के दायरे में हैं। उधर, गोलीकांड में मारे गए सहायक प्रबंधक हर्षित मिश्रा के परिवार को पीलीभीत प्रशासन ने सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस देने का भी भरोसा दिया है।

ब्रीफ न्यूज

एयर इंडिया के बोइंग 777-300 ईआर विमान ने 6 साल बाद भरी उड़ान

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पुराने बोइंग 777-300ईआर विमान ने छह साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद फिर से उड़ान भरना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने मंगलवार को बताया कि विमान वीटी-एएलएल को फिर से उड़ान के लायक बनाने के लिए 3,000 से अधिक नए प्रमुख पुर्जे लगाए गए और 4,000 से ज्यादा मरम्मत कार्य पूरे किए गए। ये सभी काम एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) के नागपुर स्थित मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) केंद्र में हुए। एयरलाइन ने कहा कि यह विमान फरवरी, 2020 में कई तकनीकी खामियों और पुराने हो चुके पुर्जों के कारण सेवा से हटा दिया गया था।

अफगानिस्तान में अस्पताल पर हमले की भारत ने की निंदा

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है।

सास-साले का हत्यारोपी 18 घंटे बाद मुठभेड़ में ढेर

एनकाउंटर घटना स्थल का निरीक्षण करते एसएसपी अनुराग आर्य व अन्य अधिकारी।

- पुलिस घेराबंदी पर आरोपी ने कर दी फायरिंग, दो सिपाही घायल, अस्पताल में भर्ती
- पंचायत में सास-साले की चाकू से गोदकर हत्या करके पत्नी को कर दिया था घायल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भरी पंचायत में सास और साले की चाकू से गोदकर हत्या करने और पत्नी को चाकू मारकर घायल करने के आरोपी को पुलिस ने वारदात के 18 घंटे में ही मंगलवार की सुबह मुठभेड़ में ढेर कर दिया। आरोपी की तरफ से की गई फायरिंग में दो सिपाही घायल हो गए। घायल सिपाहियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के पास से पिस्टल और हत्या में प्रयुक्त किया गया चाकू भी बरामद किया गया है।

अफसर (फाइल)

इज्जत नगर थाना क्षेत्र के गांव रहपुरा चौधरी में सोमवार को पारिवारिक विवाद को निपटाने के लिए चल रही पंचायत के दौरान एंबुलेंस चालक अफसर खां ने सोमवार को सास आसमां, साले आदिल और पत्नी सायमा पर चाकू से हमला कर दिया। इससे आसमां और आदिल की मौत हो गई थी, जबकि सायमा निजी अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। एसएसपी के निर्देश पर आरोपी को तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगी हुई थी। पुलिस ने मंगलवार को सुबह करीब 5: 45 बजे इज्जत नगर इलाके में सहारा मैदान में आरोपी की घेराबंदी की। इस पर आरोपी अफसर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लगी, उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। आरोपी से एक पिस्टल और हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर दस खोखे बरामद हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि आरोपी ने पुलिस टीम पर भारी फायरिंग की है। मुठभेड़ में गोली लगने से दो सिपाही अनुराग तिवारी और रूपेंद्र कुमार भी घायल हुए हैं। घायल सिपाहियों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सास और साले के हत्यारोपी से मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एसएसपी अनुराग आर्य समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल की जांच-पड़ताल की।

धार्मिक यात्रा में श्रद्धा सर्वोपरि, पर्यटन बाद में : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैलाश मानसरोवर तीर्थ के दर्शनार्थियों को लखनऊ में वित्तीय सहायता राशि के वितरण कार्यक्रम में श्रद्धालु को चेक देते मुख्यमंत्री योगी।

- कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 लोगों को दिए एक-एक लाख रुपये
- योगी बोले- धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ चुनौती के साथ अवसर भी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तीर्थ यात्राएं केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा सर्वोपरि होनी चाहिए, जबकि पर्यटन और मनोरंजन बाद में आते हैं। उन्होंने सचेत किया कि यदि यह संतुलन बना रहे तो तीर्थ स्थलों की पवित्रता और मर्यादा सुरक्षित रह सकती है और आने वाली पीढ़ियां भी इन मूल्यों से जुड़ी रहेंगी।

वे मंगलवार को लोकभवन में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि वितरित करने बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में तीर्थ यात्रा व्यक्ति को संस्कार, अनुशासन और सामाजिक एकता का बोध कराती है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय राजनीतिक विविधता के बावजूद भारत सांस्कृतिक रूप से एक था और आज भी उसी भावना को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। वर्ष 2017-18 में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां यात्रियों को यात्रा से पूर्व आवश्यक सुविधाएं मिलती हैं।

सीएम ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश के विभिन्न धर्मस्थलों पर 164 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिनमें से 66 करोड़ प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे। काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख स्थलों पर बढ़ती भीड़ जहां व्यवस्थाओं के लिए चुनौती है, वहीं यह पर्यटन, रोजगार व आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का अवसर भी प्रदान करती है। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत कर रही है। अयोध्या, काशी, प्रयागराज, चित्रकूट, विंध्याचल और नैमिषारण्य जैसे तीर्थस्थलों पर बीते वर्षों में व्यापक विकास कार्य हुए हैं।

24 घंटे के अंदर मिलेगा पीएनजी का कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

- पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नए आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है।

उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ़ गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीएनजी की नई पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है।

दूसरा एलपीजी टैंकर भारत पहुंचा 22 अन्य को लाने के प्रयास जारी

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाला दूसरा एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने के बाद मंगलवार तड़के स्वदेश पहुंच गया। युद्ध क्षेत्र में फंसे अन्य 22 भारतीय जहाजों को सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी टैंकर नंदा देवी, मंगलवार तड़के लगभग 2:30 बजे गुजरात के कांडला बंदरगाह पर पहुंचा। सोमवार को पहला जहाज, शिवालिक गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पर पहुंचा था।

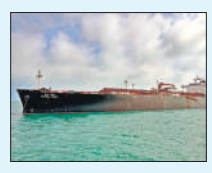

लोकसभा के आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- सदन ने कहा- सुचारू संचालन के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी

लोकसभा ने मंगलवार को उन आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जिन्हें संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया था। इसके साथ ही, सदन में इस बात पर जोर दिया गया कि सदन के सुचारू रूप से संचालन के लिए सदस्यों के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी है।

सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने आसन से निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सदस्यों के आचरण पर खेद भी जताया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। कांग्रेस नेता सुरेश ने आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन खत्म करने का आग्रह करते हुए कहा, हम आसन के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं। सत्तापक्ष की तरह हमें भी बराबर का मौका मिलना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, सारे सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की मर्यादा का पालन करते हुए सदन को चलाएं। सत्तापक्ष के लोग संकल्प लें तभी सदन सुचारू तरीके से चलेगा। उनका यह भी कहना था कि सदन के सुचारू संचालन के लिए 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को अपना आचरण सुधारना होगा। इस पर निशिकांत दुबे ने आपत्ति जताई और कहा कि मैंने जीवन में कभी लोकतंत्र और संसद की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, देश में एक संदेश जाना चाहिए कि हम एक-दूसरे का सम्मान करते हुए सदन चला रहे हैं और हम सब देश की सेवा के लिए यहां आए हैं। जनता दल (यू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि ताली दोनों हाथ से बजती है तथा ऐसे में विपक्ष को भी लोकतांत्रिक परंपरा का पालन करना चाहिए।

ऐतिहासिक फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ की आयु सीमा खत्म की

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने पर भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के उस प्रावधान को रद्द कर दिया, जो केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को ही मातृत्व लाभ देने की अनुमति देता था। अदालत ने इस प्रतिबंध को मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करार दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

पीठ ने माना कि बच्चा तीन महीने से कम का हो या अधिक का, गोद लेने वाली मां की भूमिका और जिम्मेदारियां एक समान होती हैं। गोद लिए गए बच्चे की जरूरतें जैविक बच्चे से अलग नहीं होतीं। न्यायालय ने कहा कि केवल बच्चे की उम्र के आधार पर माताओं के बीच भेदभाव करना कृत्रिम है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश में कानूनी रूप से गोद लेने की प्रक्रिया पूरी होने तक बच्चा अक्सर तीन महीने की उम्र पार कर चुका होता है। ऐसे में पुराना नियम अधिकतर माताओं को इस लाभ से वंचित कर रहा था। न्यायालय के इस फैसले का परिणाम यह होगा कि बच्चा गोद लेने वाली सभी माताएं और कमीशनिंग मदर्स (सरोगेसी के मामले में) बच्चे के सुपुर्दगी की तारीख से 12 सप्ताह के मातृत्व लाभ की हकदार होंगी। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे की उम्र अब मातृत्व लाभ के लिए बाधा नहीं बनेगी। न्यायालय ने माना कि गोद लेने के बाद बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक तालमेल बिठाने के लिए शुरुआती समय और सरकारी सहायता अनिवार्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पितृत्व अवकाश पर भी विचार करने का दिया सुझाव

उच्चतम न्यायालय ने इस फैसले के साथ एक कदम आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने पर विचार करने का सुझाव दिया। न्यायालय ने कहा कि देखभाल की जिम्मेदारी केवल माता की नहीं होती, इसलिए पिता के लिए भी अवकाश का प्रावधान होना चाहिए जो बच्चे और माता-पिता दोनों की जरूरतों के अनुरूप हो। यह फैसला 'मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961' और बाद में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' में शामिल हुए पुराने प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,18 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

निजीकरण व स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना आज

अमृत विचार, लखनऊ : अभी तक बिजली निजीकरण और स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठन ही आंदोलन कर रहे थे। अब ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के साथ आंदोलन करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा में भी उतर आया है। 18 मार्च बुधवार को इंजीनियर्स फैडरेशन के साथ संयुक्त किसान मोर्चा प्रदेश भर के सभी तहसीलों के एसडीएम कार्यालयों पर धरना प्रर्दशन करेगा।

आम, परवल समेत 13 नई प्रजाति अधिसूचित

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार ने प्रदेश में विज्ञानियों द्वारा विकसित की गईं आम, अमरूद, बेल, परवल, हल्दी समेत 11 प्रजाति अधिसूचित की हैं। तेलीबाग स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में मंगलवार को अध्यक्ष/अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने अध्यक्षता में राज्य बीज उप समिति की 14वीं बैठक हुई।

19 को बागपत में बेटियों का सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : नवरात्र के पहले दिन बागपत में बेटियों के सम्मान और सशक्तीकरण का अनूठा आयोजन 'नन्ही कली' कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। 19 मार्च को आयोजित इस कार्यक्रम में छह बार की विश्व चैंपियन बॉक्सर मैरी कॉम बेटियों को सम्मानित करेंगी। इस पहल की खासियत है कि 'नन्ही कली' गुड़िया गांव की महिलाओं द्वारा रिसाइकिल प्लास्टिक और कपड़ों के टुकड़ों से तैयार की जा रही है।

300 मिलियन डॉलर से सुधारी जाएगी प्रदेश की वायु गुणवत्ता

विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में हुआ करार

- 3.9 मिलियन घरों को मिलेगी स्वच्छ कुकिंग सुविधा
- 700 से अधिक ईंट भट्ठों का किया जाएगा आधुनिकीकरण
- किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोग्राम को करीब 299.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 300 मिलियन डॉलर) की वित्तीय सहायता मिलेगी।

परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एकीकृत समाधान लागू कर वायु प्रदूषण कम करने पर केंद्रित इस कार्यक्रम से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि आसपास के राज्यों को भी लाभ मिलेगा। एमओयू पर प्रदेश की ओर से स्वच्छ वायु प्रबंधन प्राधिकरण की सीईओ बी. चंद्रकला, भारत सरकार की ओर से आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और विश्व बैंक की ओर से कार्यवाहक कंट्री डायरेक्टर पॉल प्रोसी ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से विकास का आकलन केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ नागरिकों से भी होगा। विश्व बैंक के अनुसार, इस पहल से परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र में लगभग 150 मिलियन डॉलर की निजी पूंजी आकर्षित होगी। साथ ही इलेक्ट्रिक बसों व तीन पहिया वाहनों में निवेश, उद्योगों में उत्सर्जन निगरानी और स्वच्छ तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के तहत 3.9 मिलियन घरों को स्वच्छ कुकिंग सुविधा, 700 से अधिक ईंट भट्ठों का आधुनिकीकरण और किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 10 वर्ष की अवधि वाला यह कार्यक्रम इंडो-गंगा क्षेत्र के व्यापक वायु गुणवत्ता सुधार प्रयासों का हिस्सा है।

ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगेंगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में निवेश की रफ्तार तेज, तीन कंपनियों को भूमि आवंटन
- 3400 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का रास्ता साफ, 5700 से ज्यादा रोजगार सृजन

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक निवेश को गति देने की दिशा में योगी सरकार को एक और बड़ी सफलता मिली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में तीन प्रमुख कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जो यहां ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाएंगी। इन परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आएगा और 5,700 से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इन्वेस्ट यूपी की संस्तुति पर हुए इस आवंटन को प्रदेश में बेहतर होती निवेश नीति और उद्योग अनुकूल माहौल का परिणाम माना जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र को एक बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है। सबसे बड़ा निवेश एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। कंपनी को सेक्टर-10 में 154 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहां ट्रैक्टर और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट निर्माण इकाई स्थापित होगी। इस परियोजना में करीब 2,029 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 4,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं, सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 100 एकड़ भूमि दी गई है। कंपनी यहां ट्रैक्टर निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिसमें 1,219.81 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट से करीब 1,200 रोजगार सृजित होंगे और प्रदेश कृषि मशीनरी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। तीसरी कंपनी सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 30,000 वर्गमीटर भूमि आवंटित की गई है। यहां ड्राई फ्रूट प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट स्थापित होगी, जिसमें 225.16 करोड़ रुपये का निवेश और 569 रोजगार सृजित होंगे।

सरकार की सिंगल विंडो प्रणाली, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग अनुकूल नीतियों के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इन परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन को भी नई गति मिलेगी।

पंचायत चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग से जवाब-तलब

विधि संवाददाता,प्रयागराज , अमृत विचार:इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव को टालने के मामले में उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा कि पंचायत चुनाव समय-सीमा के भीतर क्यों नहीं करवाए जा रहे हैं? इसके साथ ही चुनाव की तैयारी से संबंधित वस्तुस्थिति भी स्पष्ट करने का निर्देश दिया। उपरोक्त जवाब-तलब न्यायमूर्ति अतुल श्रीधर और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने इम्तियाज हुसैन की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए किया।

याचिका में जिला पंचायत का कार्यकाल समाप्त होने से पहले पंचायत चुनाव की पूरी प्रक्रिया के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्यक्रम कोर्ट के सामने प्रस्तुत करने की मांग की गई थी। याची ने कोर्ट को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 243ई के अनुसार पंचायत का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तारीख से अधिकतम 5 वर्ष तक का ही होता है, इसलिए समय पर पंचायत चुनाव कराना जरूरी है। इस पर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तर्क दिया गया कि यूपी पंचायत राज अधिनियम, 1947 की धारा 12- बीबी के अनुसार प्रधान के सामान्य चुनाव या उपचुनाव की तिथि तय करने की अधिसूचना जारी करना राज्य सरकार का दायित्व है। यह अधिसूचना राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से जारी की जाती है। सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने आयोग से पूछा कि 19 फरवरी 2026 की मौजूदा अधिसूचना के हिसाब से क्या वह पंचायत चुनाव कराने की स्थिति में है।

'पंडित' पर आपत्तिजनक प्रश्न से नाराज भगवाधारी ने किया आत्मदाह का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: विधानसभा मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड मुख्यालय के बाहर भगवाधारी गो-सेवक दीपक शर्मा ने आत्मदाह का प्रयास किया। खुद पर पेट्रोल उड़ेल पाता, उससे पहले पुलिसकर्मियों ने दौड़कर उसे पकड़ लिया। हुसैनगंज पुलिस भगवाधारी को लेकर कोतवाली पहुंची। पूछताछ में बताया कि दरोगा भर्ती के पेपर में अवसर के साथ बदल जाने वाले प्रश्न में विकल्प में पंडित दिए जाने से नाराज है। इंस्पेक्टर हजरतगंज को इस संबंध में प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस को सूचना दे दी है।

एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि दीपक शर्मा मूल रूप से बुलंदशहर के ब्लॉक दानपुर गांव के रहने वाले हैं। दीपक करीब 11 बजे बोतल में पेट्रोल लेकर पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के पास पहुंचे थे। पुलिस पहले से वहां सक्रिय थी। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता, दीपक भर्ती बोर्ड के मेन गेट से अंदर घुसते ही बोतल निकाल ली। इससे पहले कि वह ज्वलनशील पदार्थ डाल पाता हुसैनगंज शिवमंगल सिंह व अन्य पुलिस कर्मियों ने पकड़ लिया। पुलिस दीपक को लेकर कोतवाली पहुंची। दीपक ने पूछताछ में बताया कि इन दिनों लगातार ब्राह्मणों को प्रताड़ित किया जा रहा है। ब्राह्मणों को टारगेट कर उनपर आपत्तिजनक कमेंट किए जा रहे हैं। दरोगा भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में शनिवार को पंडित शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया। लोगों में इससे बहुत आक्रोश है। अबतक प्रश्नपत्र बनाने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ दिनों से बाह्मण देश छोड़ो, ब्राह्मण को देश मे रहने नहीं देंगे। इस तरह के कमेंट और नारेबाजी लोगों के द्वारा किया जा रहा है।

इस संबंध में कार्रवाई मांग करते हुए दो दिन पूर्व हजरतगंज कोतवाली में ज्ञापन भी दिया था। इसके बाद भी करवाई नहीं हुई। एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी बुलंदशहर पुलिस को दे दी गई है। बुलंदशहर पुलिस के आने पर दीपक शर्मा को उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा।

दरोगा भर्ती परीक्षा

गोसेवक दीपक शर्मा।

- पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर पुलिस ने पेट्रोल डालने से पहले पकड़ लिया

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी बीसलपुर, पीलीभीत

पत्रांक : 2082/आंकिक/गौवंश-भरण पोषण/भूसा क्रय/निविदा/2025-26 दिनांक : 16.03.2026

निविदा सूचना

जिलाधिकारी पीलीभीत के कार्यालय आदेश संख्या-1885/गौशाला/2025-2026 दिनांक 24.02.2026 के क्रम में गौ-आश्रय स्थलों में गोवंश संरक्षित है। उक्त संरक्षित गौवंशों के समुचित भरण-पोषण हेतु गौ-आश्रय स्थलों में भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की निरंतर एवं पर्याप्त उपलब्धता हेतु टेण्डर को निर्धारित समयावधि में निष्पादित किये जाने के निर्देश दिये गये है। शासनादेशों में निहित टेण्डर के प्राविधानों के साथ-साथ निम्न शर्तो का भी अनुपालन किया जाये।

उक्त निर्देशों के क्रम में विकास खण्ड बीसलपुर की ग्राम पंचायतों में संचालित 09 स्थायी/अस्थायी गौशालायें संचालित है। गोवंश आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशों को भरण पोषण हेतु वर्ष 2026-27 के लिए भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की दर निर्धारित किये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा फार्म की बिक्री दिनांक 30.03.2026 की सायं 5:00 बजे तक शासकीय कार्य दिवसों में विकास खण्ड कार्यालय से की जायेगी, जोकि दिनांक 31.03.2026 को विकास खण्ड कार्यालय में खोली जायेगी, जिसमें न्यूनतम दर की निविदा स्वीकार की जायेगी। विकास खण्ड में संचालित गौशालाओं का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	गौवंश आश्रय स्थल का नाम	संरक्षित पशुओं की संख्या	प्रतिमाह आवश्यक भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की मात्रा (कुन्टल में)
1.	बिहारीपुर कुमिरखा	65	मांग के अनुसार
2.	उगनपुर मरौरी	75	मांग के अनुसार
3.	इमलिया मरौरी	40	मांग के अनुसार
4.	कितनापुर	99	मांग के अनुसार
5.	राजूपुर कुण्डरी	189	मांग के अनुसार
6.	नगीपुर अखौला	65	मांग के अनुसार
7.	सायर	126	मांग के अनुसार
8.	शहबाजपुर (रढैता)	118	मांग के अनुसार
9.	खनका उचसिया	137	मांग के अनुसार

भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार क्रय की शर्तें निम्न प्रकार है:-

1. शासनादेश संख्या-2145/37-2-2024-5(53)/2018-टीसी-3 दिनांक 22.10.2024 के माध्यम से गौ-आश्रय स्थलों में संरक्षित गौवंशो हेतु रू. 50/- गौवंश प्रतिदिन निर्धारित की गई है। उक्त धनराशि से गौवंश को संतुलित मात्रा में भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार उपलब्ध कराया जाना है।
2. शासनादेश सं.-2275/37-2-2023-5(53)/2018-टी.सी.-3 दिनांक 20.09.2023 के प्रस्तर-4 के क्रम में प्रत्येक गोवंश को निर्धारित रू. 50/- की सीमान्तर्गत 03 किलो भूसा (रू. 7-8 प्रति किलो), 5 किलो हरा चारा (रू. 02.50-03.00 प्रति कि.), 500 ग्राम पशु आहार (रू. 21-22 प्रति कि.) आहार में दिया जा सकता है अथवा हरे चारे की अनुपलब्धता होने पर 03 कि. साइलेस (रू. 8.00 प्रति कि.) 05 किलो भूसा (रू. 7-8 प्रति कि.), 500 ग्राम पशु आहार (रू. 21-22 प्रति कि.) आहार में दिया जा सकता है।
3. प्रमुख सचिव महोदय, उ.प्र. शासन के पत्र संख्या शासनादेश सं.-1807-सैंतीस-2-2025-5-(53)/2018 टी.सी.-6 दिनांक 11.11.2025, शासनादेश सं.-1844-सैंतीस-2-2025-5-(53)/2018 टी.सी.-3 दिनांक 14.11.2025 एवं निदेशक प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ.प्र. लखनऊ कार्यालय के पत्रांक 4341/सा.-2/588/2025,26 दिनांक 20 जनवरी 2026 के द्वारा निर्देशों के अनुक्रम में विकास खण्ड बीसलपुर की निम्नवत शर्तो के अधीन भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार क्रय की दरों के निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 16.03.2026 से दिनांक 30.03.2026 तक उपलब्ध रहेगी।
1. भूसा, साइलेस हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार क्रय प्राप्त/अनुभव दरों से न्यूनतम दर पर गौशालायें भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार क्रय हेतु स्वतंत्र होगी।
2. निविदादाता की फर्म का जी.एस.टी. आयकर एवं पेन कार्ड/आधार कार्ड संलग्न करना अनिवार्य है साथ ही निविदा में 2 वर्ष का आयकर विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदादाता की फर्म के नाम कम से कम 10,00,000.00 (दस लाख रूपये) का हैसियत प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा में प्रतिभाग करने वाले आवेदक जिलाधिकारी/सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।
5. निविदादाता को राजकीय विभाग/निगम में गौवंश में खाद्यान्न आपूर्ति का कार्य आदेश एवं 1 वर्ष का कुशलतापूर्वक न्यूनतम 5000 कुन्टल भूसा आपूर्ति का प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
6. सेवा प्रदाता द्वारा ई.एम.डी./एफ.डी.आर. के रूप में 25000.00 रू. का बैंक ड्राफ्ट खण्ड विकास अधिकारी बीसलपुर पीलीभीत के पक्ष में बनवाकर जमा किया जाना होगा। सेवा प्रदाता फर्म द्वारा जमानत की धनराशि तथा शासकीय नियमों के अनुसार देय होगी। भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की आपूर्ति हेतु सम्भावित अनुमानित मात्रा दर्शायी गयी है जो घट बढ सकती है।
7. प्रत्येक माह के लिये सम्भावित आवश्यक भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की मात्रा आपूर्ति पूर्वामाह की 25 तारीख तक प्रत्येक दशा में करनी होगी।
8. सेवा प्रदाता फर्म की दरें एफ.ओ.आर. विकास खण्ड बीसलपुर की गौशालाओं तक (गोदाम के अन्दर तक पहुंचाने की होनी चाहिए) एवं और गौशालाओं के खुलने की स्थिति में भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की मात्रा बढाई जा सकती है।
9. सेवा प्रदाता फर्म द्वारा भूसा साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की आपूर्ति 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक मान्य होगी। सेवा प्रदाता का कार्य संतोषजनक होने पर निर्धारित तिथि तक आपूर्ति मान्य होगी।
10. सेवा प्रदाता फर्मो के माध्यम से प्राप्त हुई न्यूनतम दरों पर क्रय समिति के द्वारा विचार करने के उपरान्त न्यूनतम दरें स्वीकृत होंगी। निविदा खोलने के बाद दरों का निगोशिएशन आवश्यकता पड़ने पर किया जा सकता है।
11. गौवंश आश्रय स्थलों (स्थाई/अस्थाई/वृहद, गौवंश आश्रय स्थलों) में संरक्षित गौवंश की उदर पूर्ति हेतु उच्च/उच्चतम कोटि का गेहूँ का भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार की आपूर्ति स्थलों डिपो पर धर्मकांटे की तौल पर देना होगा।
12. सेवा प्रदाता के पास वित्तीय वर्ष के अन्त तक भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार आपूर्ति हेतु पर्याप्त भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार का स्टाक होना चाहिए। गौवंशीय पशुओं के भरण-पोषण हेतु पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता वर्ष पर्यन्त बनी रहनी चाहिए।
13. क्रय समिति को यह अधिकार होगा कि बिना कारण बताये एक अथवा समस्त निविदायें निरस्त कर दें। किसी भी वाद हेतु न्याय क्षेत्र जनपद-पीलीभीत होगा।
14. सेवा प्रदाता फर्म को 100- रू. के स्टाम्प पर ब्लैक लिस्ट सूची में न होने के शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।
15. अनुबन्ध पत्र पर होने वाला समस्त व्यय सेवा प्रदाता द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा।
16. सेवा प्रदाता को नियमों/शर्तो का पालन करना अनिवार्य होगा।
17. चूंकि गौशालाएं ग्राम पंचायतों द्वारा संचालित की जा रही है तथा ग्राम पंचायतों के मांग के क्रम में ही मांग के अनुसार की आपूर्ति की जायेगी, तथा क्रय किये गये भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार का भुगतान भी ग्राम पंचायतें ही करेगी। किसी भी दशा में भुगतान हेतु खण्ड विकास अधिकारी, बीसलपुर एवं पशु चिकित्साधिकारी, बीसलपुर पीलीभीत उत्तरदायी नहीं होंगे। इस सम्बन्ध में कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। उपरोक्त प्रक्रिया केवल भूसा, साइलेस, हरा चारा तथा संतुलित पशु आहार दरों के निर्धारण हेतु की जा रही है।

पशु चिकित्साधिकारी
बीसलपुर, पीलीभीत

खण्ड विकास अधिकारी
बीसलपुर, पीलीभीत

हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग, वैक्सीनेशन अनिवार्य

लखनऊ, अमृत विचार: हज यात्रा 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सऊदी अरब सरकार के हज मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार सभी हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन अनिवार्य कर दिया गया है। एस.पी. तिवारी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के 16 मार्च 2026 के सर्कुलर के तहत यह निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें एनआरआई हज यात्री भी शामिल हैं।

निर्देशों के अनुसार, हज यात्रियों को अपनी मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस प्रमाणन 18 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से कराना होगा। वहीं वैक्सीनेशन यात्रा से 10 दिन पूर्व तक कराया जा सकता है।

सपा-कांग्रेस के महापुरुषों में दम नहीं इसीलिए मना रहे कांशीराम जयंती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मायावती बोलीं, बसपा को खत्म करने की रची जा रही साजिश

अमृत विचार: बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक बार फिर सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले से ही सपा-कांग्रेस द्वारा बसपा को खत्म करने की साजिश की जाती रही है।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी के विधान सभा चुनाव नजदीक आते ही दलित विरोधी पार्टियां एकाएक सक्रिय हो गई हैं। दलित वोटों के स्वार्थ में अब यह बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती

सोची-समझी साजिश के तहत मना रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की जब केन्द्र में सरकार थी, तब उन्हें भारत रत्न की उपाधि नहीं दी, लेकिन अब दूसरी सरकार से देने की मांग कर रहे हैं। इससे अधिक हास्यास्पद क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने जिस बसपा की नींव रखी, उसकी एकमात्र उत्तराधिकारी वह खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके जिंदा रहते हुए कोई उनकी पार्टी को हिला नहीं सकता। ऐसा लगता है कि सपा और कांग्रेस के महापुरुषों में कोई जान नहीं रही है। अब ये हमारे महापुरुषों को भुनाने में लगे हैं। हैरत की बात तो यह है कि कांशीराम के सम्मान में किए गए विकास कार्यों के नाम भी सपा सरकार ने बदल दिए। उन्होंने सपा-कांग्रेस में शामिल अनुसूचित जाति के नेताओं से कहा कि वह कांशीराम द्वारा लिखी चमचा युग के नाम पर लिखी किताब पढ़ लें।

प्रोजेक्ट अलंकार में अब जरूरत के अनुसार ही मिलेगी धनराशि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनाई जाएगी समिति

अमृत विचार: राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में मरम्मत और रखरखाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रदेश सरकार ने 'प्रोजेक्ट अलंकार' की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब स्कूलों को पहले की तरह तय भारांक (वेटेज) के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत विद्यालय अब पहले से निर्धारित 35 मानकों के अलावा अपनी अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों को भी प्रस्ताव में शामिल कर सकेंगे। वर्तमान में प्रदेश के 1167 राजकीय माध्यमिक विद्यालय इस योजना से जुड़े हुए हैं। शासनादेश के अनुसार वर्ष 2021 और 2023 में जारी पुराने आदेशों में प्रक्रिया जटिल होने के कारण समय पर प्रस्ताव नहीं मिल पाते थे, जिससे धन आवंटन में देरी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए अब पुराने आदेशों को निरस्त करते हुए नई सरल व्यवस्था लागू की गई है।

नई प्रक्रिया के तहत किसी भी विद्यालय में मरम्मत की जरूरत का चिन्हांकन सबसे पहले प्रधानाचार्य या प्रधानाध्यापक करेंगे। इसके बाद प्रस्ताव जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को भेजा जाएगा। डीआईओएस निर्माण एजेंसी से लागत का एस्टीमेट तैयार कराकर प्रस्ताव को जिला स्तर की समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तावों को स्वीकृति देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की जाएगी।

इसमें मुख्य विकास अधिकारी उपाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता तकनीकी सदस्य और डीआईओएस सदस्य सचिव होंगे। समिति से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), प्रयागराज को भेजा जाएगा।

लघु सिंचाई विभाग में 402 पदों पर पीईटी पास को मौका

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश के लघु सिंचाई विभाग में 402 सहायक बोरिंग तकनीशियन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू होगी और अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा कराई जाने वाली इस भर्ती में चयन प्रक्रिया पीईटी-2025 के स्कोर के आधार पर होगी। पीईटी में शून्य या नकारात्मक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र नहीं होंगे। आवेदन शुल्क जमा करने और फॉर्म सबमिट करने की अंतिम तिथि 5 मई निर्धारित की गई है।

नई वित्तीय नीति

योगी सरकार ने तय किया है हर रुपये का उद्देश्य व पारदर्शिता

जनता के काम में सीधे खर्च हो रहा टैक्स का धन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गो कल्याण, सड़क, खेती और विरासत को मिल रहा सीधा लाभ

अमृत विचार: योगी सरकार ने सार्वजनिक वित्त प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए टैक्स व्यवस्था को सीधे जनहित से जोड़ने का नया मॉडल लागू किया है। इस नीति के तहत अब राजस्व केवल संग्रह का माध्यम नहीं, बल्कि एक तय उद्देश्य के साथ खर्च किया जा रहा है। यानी जनता से जो पैसा आता है, वह किस क्षेत्र में खर्च हो रहा है, यह पूरी तरह स्पष्ट किया जा रहा है।

सरकार की इस पहल से आम नागरिक अब आसानी से समझ सकता है कि उसका दिया गया टैक्स किस काम में उपयोग हो रहा है। यह पारदर्शिता न केवल भरोसा बढ़ा रही है, बल्कि विकास योजनाओं को भी अधिक प्रभावी बना रही है। राज्य सरकार का मानना है कि स्पष्ट नीति और लक्ष्य आधारित खर्च से समाज, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत तीनों को एक साथ मजबूती दी जा सकती है।

इस मॉडल का एक प्रमुख उदाहरण गो कल्याण सेस है। आबकारी राजस्व पर लगाए गए 0.5 प्रतिशत के इस सेस से राज्य को सैकड़ों करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं, जिन्हें सीधे निराश्रित गोवंश की देखभाल में खर्च किया जा रहा है। प्रदेश के गोवंश आश्रय स्थलों में पशुओं के लिए भोजन, आवास और उपचार की सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इससे किसानों को भी राहत मिल रही है। सरकार ने "जिस सेक्टर से राजस्व, उसी सेक्टर में निवेश" की नीति को भी लागू किया है। इसके तहत स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाले राजस्व को धार्मिक और पर्यटन परियोजनाओं, खनन से प्राप्त आय को सिंचाई व जल प्रबंधन, एक्सप्रेसवे टोल को ग्रामीण सड़कों और कनेक्टिविटी तथा मंडी शुल्क को किसानों की योजनाओं में लगाया जा रहा है। इससे विकास का लाभ सीधे संबंधित क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। नई वित्तीय नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है। अब टैक्स का उपयोग अस्पष्ट नहीं है, बल्कि स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति आई है। प्रदेश सरकार 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए सड़क, सिंचाई, लॉजिस्टिक्स, उद्योग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में पूंजीगत निवेश लगातार बढ़ाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

इन क्षेत्रों को मिला लाभ

- गोवंश संरक्षण और आश्रय स्थल
- ग्रामीण सड़क और कनेक्टिविटी
- सिंचाई व जल प्रबंधन
- धार्मिक व पर्यटन विकास
- किसान कल्याण और फसल सुरक्षा

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने दी बहुगुणा को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को लोकप्रिय राजनेता, कुशल प्रशासक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। योगी ने कहा कि बहुगुणा जी ने सामाजिक जन-जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए। योगी मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे।

देहरादून-पिथौरागढ़ को आरसीएस उड़ान जल्द

देहरादून, अमृत विचार : हवाई क्षेत्र में उत्तराखंड के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर बताया है कि देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच आरसीएस उड़ान सेवा जल्द शुरु हो सकती हैं। मुख्यमंत्री धामी ने बीते दिनों केंद्रीय मंत्री को देहरादून से पिथौरागढ़ के बीच उड़ान सेवाएं मजबूत करने के लिए पत्र लिखा था।

सितारगंज जेल में कैदी की संदिग्ध हालात में मौत

सितारगंज,अमृत विचार : सेंट्रल जेल सितारगंज में करीब छह माह से सजा काट रहे सोनीपत (हरियाणा) निवासी आनंद सिंह (50) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने मौत के कारणों पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, आनंद को 11 सितंबर 2025 को एनडीपीएस एक्ट में चार साल की सजा सुनाई गई थी। आनंद को सोमवार दोपहर लो ब्लड प्रेशर व एसिडिटी की शिकायत पर जेल में फार्मासिस्ट अंकुर ने प्राथमिक उपचार दिया था। हालत बिगड़ने पर उप जिला अस्पताल सितारगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चोरी का आरोपी हिरासत से फरार

झांसी, एजेंसी : झांसी जिला मुख्यालय के शहर कोतवाली क्षेत्र में एक मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए चोरी के दो आरोपियों में से एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने आरोपियों की अभिरक्षा में तैनात दो सिपाहियों को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार सोमवार की सुबह कोतवाली पुलिस ने शहर क्षेत्र में हुई चोरियों के संबंध में एक मुठभेड़ के दौरान नगरिया कुआं के पास से बिजौली, ग्वालियर निवासी दीपक उर्फ संजय जाटव (31) एवं हरदौल इलाका दतिया निवासी नदीम (19) को गिरफ्तार किया। आरोपी नदीम पुलिसकर्मियों को चकमा देकर एक ऑटो से फरार हो गया।

20 हजार की रिश्वत में सीडीपीओ निलंबित

श्रावस्ती,एजेंसी : जिले में कथित तौर पर आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति के बदले 20 हजार रूपये रिश्वत मांगने के आरोप में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) को निलंबित कर दिया गया है। श्रावस्ती के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) शाहिद अहमद ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सिरसिया क्षेत्र के सीडीपीओ मुकेश कुमार द्वारा सहायिका की नियुक्ति में रिश्वत लिए जाने की शिकायत प्रथम दृष्टता सही पाई गई जिसके आधार पर उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

प्लांट में भेदिए... ऑपरेटर-ड्राइवर ने मरवा दिए अफसर

बर्चस्व स्थापित करने को रचा खूनी षड्यंत्र, धर्मेन्द्र ने हमलावर को दी थी भागने को गाड़ी, मुनेन्द्र ने स्टाफ बताकर खुलवाया था गेट

कार्यालय संवाददाता

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी का साथ देने के दोनों आरोपी। ● अमृत विचार

- प्लांट का बुलेरो ड्राइवर व गैस किट ऑपरेटर पकड़े गए
- पुलिस जांच में बेनकाब हुई शातिर दबंगों की खूनी साजिश

अमृत विचार : हिन्दुस्तान पेट्रोलियम प्लांट में उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक प्रबंधक हर्षित मिश्रा हत्याकांड को अंजाम अकेले हमलावर अजय प्रताप सिंह ने नहीं दिया था। संयत्र के अंदर दो ऐसे 'विभीषण' छिपे निकले हैं, जिन्होंने खून-खराबा करने में उसका पूरा साथ निभाया था। खूनी तिकड़ी ने पहले बाहर बैठकर षड्यंत्र का पूरा ताना-बाना बुना। प्लांट के बुलेरो ड्राइवर धर्मेन्द्र यादव ने अजय को प्लांट में दाखिल होने के लिए गाड़ी दी थी और प्लांट के गैस किट ऑपरेटर मुनेन्द्र विक्रम सिंह ने स्टाफ बताकर गेट खुलवाया था। बाकी का काम सनकी हमलावर अजय सिंह ने खुद पूरा कियाथा। पूरे प्रदेश को हिला देने वाले सनसनीखेज गोलीकांड में शामिल मुनेन्द्र-धर्मेन्द्र भी सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं।

पुलिस के अनुसार, प्लांट का पूर्व कर्मचारी सैंजनी निवासी अजय प्रताप सिंह और उसके साथी दातागंज क्षेत्र के गांव कांसपुर निवासी धर्मेंद्र यादव पुत्र रामचंद्र यादव और गांव बिहारीपुर अजब निवासी मुनेंद्र विक्रम सिंह पुत्र बृज किशोर जानते थे कि गोलीकांड के बाद बाहर निकलना आसान नहीं होगा, इसके लिए उन्होंने सेफ प्लान बनाकर वारदात की थी। अंदर दाखिल होने और हत्याकांड कर बाहर निकलने के लिए प्लांट के कर्मचारियों को ले जाने वाली गाड़ी का ही इस्तेमाल किया गया। हमेशा की तरह गाड़ी धर्मेन्द्र यादव चलाकर आया था। मुनेन्द्र भी साथ था। दोनों ने हमलावर अजय सिंह को गाड़ी में पीछे छिपा रखा था।

प्लांट के गेट पर पहुंचने के बाद ऑपरेटर मुनेन्द्र नीचे उतर गया और स्टाफ बताकर सुरक्षाकर्मियों से गेट खुलवाया था। वह गेट के बाहर ही रह गया, जबकि धर्मेन्द्र गाड़ी में अजय सिंह को लेकर गाड़ी से अंदर चला गया। बुलेरो की चाबी ड्राइवर ने उसमें ही लगी छोड़ दी और खुद वहां से हट गया। इसके बाद अजय उतरा और दोनों अफसरों की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर गाड़ी से भाग निकला।

तब तक मुनेंद्र विक्रम सिंह गेट के पास खड़े होकर हालात की निगरानी करता रहा। प्लांट में डबल मर्डर के बाद अजय गाड़ी लेकर सीधे थाने गया था और पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था। गिरफ्तारी के बाद मुनेन्द्र विक्रम सिंह और धर्मेन्द्र यादव ने पुलिस को बताया कि है कि वह तीनों दोस्त गहरे थे और प्लांट पर पूरी तरह से अपना वर्चस्व जमाना चाहते थे।

डीजीएम सुधीर गुप्ता और एएम हर्षित मिश्रा उनके रास्ते में सबसे बड़ा अवरोध बन रहे थे, इसलिए रास्ते से हटा दिया। घटना से समय पहले तीनों की फोन पर बात भी हुई थी। जांच में इसके प्रमाण भी पुलिस के हाथ लग गए हैं। सटीक सूचना पर इंस्पेक्टर मूसाझाग वीरेन्द्र तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गंगा एक्सप्रेस वे से बिनावर जाने वाले सर्विस मार्ग पर दोनों को दबोच लिया।

अवैध दुकानों से मोटा किराया लेता था अजय : प्रशासन ने आरोपी और उसके परिवार के लोगों की अवैध रूप से सैंजनी-हजरतपुर-म्याऊं मार्ग पर बनाए गए भवन चिह्नित कर कार्रवाई शुरू की है, तो हड़कंप मचा है। आरोपी व उसके परिवार के लोगों ने फर्जी कागजों के जरिए सरकारी जमीन पर कब्जा करके दुकानें बनवा ली थीं। दुकानों का मोटा किराया वे लोग लेते आ रहे थे। सुबह एसडीएम दातागंज धर्मेंद्र कुमार दो जेसीबी और पुलिस-पीएसी के साथ गांव सैंजनी पहुंचे तो वहां भीड़ जुट गई। पुलिस ने पहल आवागमन रुकवाया। कहीं बैरिकेडिंग की गई तो कहीं अधिकारियों की गाड़ियों से रास्ता रोका गया। इसके बाद ऑपरेशन 11 चलाकर अवैध दुकानें व मकान मिट्टी में मिला दिए गए। बताया गया है कि आगे हमलावर के परिवार की 52 और दुकानों पर भी ऐसी कार्रवाई देखने को मिल सकती है। फिलहाल प्रशासन ने सरकारी बंजर जमीन पर कब्जा कर बनाई गईं बाकी की दुकानें भी खाली कराकर सील कर दी हैं।

परिवार बोला, सीबीआई जांच से ही खुलेंगे राज

बदायूं, अमृत विचार : दोहरे हत्याकांड में मृत हर्षित मिश्रा के परिजनों ने डीएम अवनीश राय और एसएसपी अंकिता शर्मा से मुलाकात की। अधिकारियों से तकरीबन डेढ़ घंटे तक बात की और बाहर आ गए। मृतक हर्षित की मां रीना मिश्रा के आंसू नहीं रुक रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डीएम और एसएसपी पर भरोसा जताया। कहा कि उन्हें योगी जी पूरा भरोसा है लेकिन एसआईटी नहीं सीबीआई जांच होनी चाहिए। डीएम और एसएसपी से बात करके सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा के पिता सुशील मिश्रा ने बताया कि जवान बेटे को खोने का बहुत दुख है। अधिकारियों से मिलकर न्याय मांगा है। एसआईटी जांच हो रही है। योगी जी का यह सम्मान स्वीकार है लेकिन इससे संतुष्ट नहीं हैं। हत्याकांड की सीबीआई जांच होनी चाहिए। दोषी अधिकारियों को फांसी की सजा मिले। हत्याकांड में खाकी और पॉलिटिकल कमी रही है। खाकी चाहती तो हत्या से बचा जा सकता था। सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार ने 15 दिन पहले इंटरनल रिपोर्ट दी थी। कहा था कि मामले में कार्रवाई करें। वर्ना कुछ भी हो सकता है। फिर भी बेटे की हत्या हो गई। अगर मालूम होता कि बेटे की हत्या हो जाएगी तो उसे बदायूं कभी नहीं भेजते।

हमलावर के घर में हो रही थी बिजली चोरी : हमलावर अजय सिंह के घर पर चोरी से बिजली उपयोग का खुलासा भी जांच में हुआ है। बताया गया है कि कि आरोपी और उसके परिवार का साम्राज्य आधे गांव में फैला है। उसके घर में बिजली का अवैध कनेक्शन भी मिला है। जिसे लेकर रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी है।

हाईकोर्ट के अधिकांश फैसले अब हिंदी में भी उपलब्ध होंगे

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के स्थापना दिवस के अवसर पर न्यायिक कार्यवाही को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 17 मार्च 2026 से अदालतों द्वारा दिए जाने वाले सभी नॉन-एएफआर अंतिम निर्णयों एवं आदेशों का हिंदी अनुवाद शुरू करने का निर्णय लिया है।

यह अनुवाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर डिजिटल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वादकारियों, अधिवक्ताओं तथा आम नागरिकों को निर्णयों को समझने में सुविधा होगी। यह पहल 17 मार्च को न्यायालय के स्थापना दिवस (1866) के ऐतिहासिक अवसर से जोड़ते हुए की गई है। कोर्ट ने इस दिन को एक महत्वपूर्ण संस्थागत मील का पत्थर बताते हुए इसी तिथि से अनुवाद परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया है। 17 मार्च 2026 से इलाहाबाद स्थित प्रधान पीठ तथा लखनऊ खंडपीठ के सभी न्यायालय द्वारा दिए जाने वाले तीन या उससे अधिक वाले नॉन-एएफआर अंतिम निर्णय एवं आदेशों का हिंदी में अनुवाद कराया जाएगा। अब तक केवल एएफआर का ही अनुवाद उपलब्ध कराया जाता था। नई व्यवस्था के तहत एएफआर निर्णय के साथ-साथ उन मामलों में भी हिंदी अनुवाद उपलब्ध कराया जाएगा, जिनमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से संबंधित मामलों में निर्णय किए गए हों।

ऊर्जा निगम का जेई 80 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया

देहरादून, अमृत विचार: विजिलेंस देहरादून सेक्टर की टीम ने मंगलवार को ऊर्जा विभाग के अवर अभियंता को 80 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

विजिलेंस देहरादून के अधिकारियों ने बताया कि, एक व्यक्ति ने विजिलेंस कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी थी कि पथरी बाग उप बिजली घर पर तैनात जेई अतुल कुमार उसकी पत्नी के नाम पर देहराखास में खरीदे गए 11 फ्लैटों के अपार्टमेंट में बिजली कनेक्शन जारी करने और लोड बढ़ाने की एवज में 80 हजार रुपए की अवैध मांग कर रहा है।

शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया पुष्टि होने के बाद ट्रैप टीम का गठन किया गया। मंगलवार को टीम ने आरोपी जेई को शिकायतकर्ता से 80 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

मुख्यमंत्री ने उतारी मां विंध्यवासिनी की आरती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को विंध्यवासिनी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

अमृत विचार : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन, आरती उतारी और मां को लाल चुनरी अर्पित कर मंदिर की परिक्रमा की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री बच्चों के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत कर पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों को मोबाइल का सीमित उपयोग करने की सलाह दी और चॉकलेट वितरित की।

चैत्र नवरात्र से पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवरात्र और रामनवमी के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निरीक्षण कर वहां लगे स्टाल भी देखे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रत्नाकर मिश्र, विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी विवि का किया निरीक्षण : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने 31 मई तक निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विवि परिसर में मौलिश्री का पौधा भी लगाया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सड़कों के निर्माण और पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि यहां ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ रोजगार से भी जोड़ें। उन्होंने विशेष रूप से मीरजापुर, सोनभद्र और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करने पर जोर दिया। साथ ही तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय क्षेत्र के युवाओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसे उच्च गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रमाशंकर पटेल, प्रमुख सचिव महेंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद में बैंक प्रबंधक की हत्या केआरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद ,एजेंसी: गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर पुलिस थाना क्षेत्र में छुट्टी और वेतन संबंधी मुद्दों से नाराज एक बैंक के सुरक्षा गार्ड ने अपने साथी के साथ मिलकर प्रबंधक के केबिन में घुसकर कथित तौर पर उनकी गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि पंजाब एंड सिंध बैंक की लोनी शाखा के 34 वर्षीय प्रबंधक को सोमवार को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सुरक्षा गार्ड रविंद्र हुड्डा (50) और उसके साथी शिशुपाल (57) को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुरक्षा गार्ड अपने साथी के साथ बैंक प्रबंधक के केबिन में घुसा और उन पर गोली चला दी। घायल बैंक प्रबंधक की दिल्ली के अस्पताल में मौत हो गई।

दरोगा 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

संवाददाता स्वार(रामपुर)। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने मंगलवार को स्वार कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। देर शाम दरोगा को निलंबित कर दिया गया।

अजीमनगर थाना क्षेत्र के सीगनखेड़ा गांव निवासी यशपाल का अपनी दूसरी पत्नी के साथ विवाद चल रहा है। दूसरी पत्नी ने कुछ दिन पूर्व स्वार कोतवाली में तहरीर दी थी जिसकी जांच उप निरीक्षक ओमकार नाथ कर रहे थे। कुछ दिन पूर्व उप निरीक्षक ने सफाई कर्मी को बुलाया और मामले के निस्तारण के लिए 10 हजार रुपए मांगे। सफाई कर्मी ने एक हजार रुपए देकर शेष पैसे बाद में देने की बात कही। शुक्रवार को उसने एंटी करप्शन ब्यूरो मुरादाबाद में शिकायत की। मंगलवार को एंटी करप्शन की इंस्पेक्टर राखी के नेतृत्व में टीम स्वार कोतवाली पहुंची। यशपाल ने दरोगा को फोन कर मिलने की बात कही। दरोगा ने उसे मिशन शक्ति केंद्र में बुलाया। यशपाल ने जैसे ही दरोगा को 10 हजार रुपये दिए वैसे ही टीम ने दबोच लिया।

- देर शाम आरोपी दरोगा को निलंबित किया गया

दरोगा के हाथ धुलवाए, तो पानी का रंग गुलाबी हो गया। टीम आरोपी को लेकर अजीमनगर थाने आ गई और मुकदमा दर्ज कराया। आरोपी उपनिरीक्षक मूल निवासी हरदोई का है, वर्तमान में आशुतोष सिटी इज्जतनगर बरेली रहता है।

सारा अली खान हलफनामा देंगी तो कराएंगे दर्शन

देहरादून, अमृत विचार: बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिर परिसरों में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी देने वाली बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान या अन्य कोई गैर हिंदू अगर सनातन के प्रति अपनी आस्था के बारे में हलफनामा देता है तो उसे मंदिरों में दर्शन कराए जाएंगे।

द्विवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, सनातन धर्म के प्रति आस्था रखने वाले सभी सनातनी हैं और अगर वे इस बारे में हलफनामा देते हैं तो उन सबका बदरीनाथ और केदारनाथ में स्वागत है।

करोड़ों के गबन में अब डीआईओएस कार्यालय का वरिष्ठ सहायक निलंबित

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- नियम विरुद्ध तरीके से बाबूगिरी कर रहे चपरासी द्वारा गोलमाल करने का मामला

अमृत विचार : डीआईओएस कार्यालय में एक करोड़ से अधिक सरकारी धनराशि के गबन के मुख्य आरोपी चपरासी इल्हाम उर्रहमान शम्सी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। मगर, शासन स्तर तक मामला पहुंचने के बाद अब इस मामले में दूसरी कार्रवाई हुई है। कई दिन चली टालमटोल के बाद आखिरकार अब डीआईओएस दफ्तर के वरिष्ठ सहायक विमल कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है।

बता दें कि बीसलपुर के जनता इंटर कॉलेज में चपरासी इल्हाम उर्रहमान शम्सी को सात साल से अधिक समय से जिम्मेदारों ने संरक्षण देकर नियम विरुद्ध तरीके से बाबूगिरी कराई जाती रही। उसके खिलाफ होने वाली शिकायतों को दबाने पर जोर दिया जाता रहा। मगर, जब इल्हाम की पत्नी अर्शी खातून के खाते में डीआईओएस कार्यालय से जुड़ी एक करोड़ से अधिक रकम ट्रांसफर होने की बात बैंक के अधिकारियों की पकड़ में आई और खाता फ्रीज कर सूचना डीएम को भेजी गई तो पूरे गोलमाल से पर्दा उठने में देर नहीं लगी। हालांकि जांच को कई दिन तक दबाए रखा गया था। इल्हाम को निलंबित किया गया। इसके बाद उसके व पत्नी के खिलाफ 14 फरवरी को एफआईआर दर्ज करा दी गई। आरोपी अर्शी खातून को पुलिस जेल भेज चुकी है लेकिन अभी तक इल्हाम हत्थे नहीं चढ़ा है। बताते हैं कि जांच के दौरान तीन दर्जन खाते और संदिग्ध नजर में आए, जिनको फ्रीज कर दिया गया। फर्जी शिक्षकों के नाम पर करोड़ों का गोलमाल लंबे समय से चल रहा था। डीएम की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर शासन से जांच कमेटी भी गठित हो चुकी है। इधर, डीआईओएस कार्यालय के वरिष्ठ सहायक विमल कुमार वर्मा की भी शासकीय कार्यों में लापरवाही सामने आई थी और शासन ने दस मार्च को ही उस पर अनुशासित कार्रवाई करने के आदेश कर दिए थे। मगर, सात दिन तक जिला स्तर पर इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया।

फिलहाल अब विमल कुमार को निलंबित कर दिया गया है। बताते हैं कि सरकारी धनराशि का गोलमाल करने में विमल की आईडी का ही इस्तेमाल किया गया था।

धोखे से पानी की जगह शराब में पी लिया केमिकल, दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- उझानी के गांव में जन्मदिन की पार्टी के दौरान हुआ हादसा

अमृत विचार। कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव बराइमय खेड़ा में जन्मदिन की पार्टी के दौरान तीन लोगों ने धोखे से पानी की जगह शराब में केमिकल मिलाकर मिला लिया। पीते ही तीनों की हालत बिगड़ गई।

मेडिकल कॉलेज ले जाते समय एक की रास्ते में मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीसरे व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि गांव के जुगेन्द्र की बेटी का आज जन्मदिन था और पार्टी रखी गई थी। जुगेन्द्र का भाई कामेश व उसके दोस्त यशपाल के साथ ग्राम अन्नी निवासी दामोद बैठकर शराब पी रहे थे। वहीं पास में केमिकल की पारदर्शी बोतल रखी थी।

पानी के धोखे से शराब में केमिकल मिलकार पीने से अनहोनी हो गई। हादसे में दामोदर और कामेश की जान चली गई, जबकि यशपाल की हालत नाजुक बनी हुई है। दो लोगों की मौत से परिवार में कोहराम मचा है। सूचना पर पुलिस पहुंच गई लेकिन समाचार लिखे जाने तक परिजन पोस्टमार्टम से इंकार कर रहे थे।

आईएसआईएस से जुड़े छात्र के दोस्तों और रिश्तेदारों से की जा रही पूछताछ

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- कई जिलों में खंगाले जा रहे आरोपी छात्र के संपर्क
- एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने विस्तृत किया जांच का दायरा

अमृत विचार: आतंकवादी संगठन आईएसआईएस से जुड़े बीडीएस छात्र की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। सोमवार को मुरादाबाद स्थित उसकी यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार किए गए छात्र हारिश अली से पूछताछ के बाद अब एटीएस उसकी गतिविधियों, संपर्कों और संभावित नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

एटीएस की टीम फिलहाल मुरादाबाद में ही डेरा डाले है और आरोपी के नजदीकी दोस्तों,रिश्तेदारों व परिचितों से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी को आरोपी के मोबाइल फोन और लैपटॉप से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इन डिवाइसों से प्राप्त डाटा के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया संपर्कों की जांच की जा रही है। आरोपी छात्र ने अपने संपर्क में कुछ अन्य युवाओं को भी जोड़ा था। एटीएस अब इन युवाओं की पहचान कर उनकी गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। इसी कड़ी में विद्यालय परिसर में उसके साथ रहने वाले साथियों और करीबी मित्रों से भी गहन पूछताछ की गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी की विचारधारा और गतिविधियों से कौन-कौन प्रभावित था। जांच का दायरा अब मुरादाबाद तक सीमित नहीं रहा है। एटीएस की टीमें रामपुर और संभल जिलों में भी सक्रिय हो गई हैं, जहां आरोपी के संभावित संबंधों और संपर्कों की जानकारी जुटाई जा रही है। इन जिलों में भी उसके परिचितों और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जाएगी।

एटीएस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद विद्यालय परिसर और आसपास के इलाकों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियां भी एटीएस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही हैं। एटीएस द्वारा की जा रही इस व्यापक जांच से आने वाले दिनों में और अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

अब अंडों पर उपयोग करने की आखिरी तारीख अंकित होगी

लखनऊ, एजेसी

प्रदेश सरकार ने एक अप्रैल से अंडों पर उसके उपयोग की आखिरी तारीख (एक्सपायरी) दर्ज करने का निर्णय लिया है और दवाओं के पत्तों की तरह अंडों पर भी यह प्रयोग होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, एक अप्रैल से अंडा उत्पादकों के लिए एक्सपायरी डेट का उल्लेख करना अनिवार्य कर दिया गया है। मंगलवार को राज्य सरकार के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मुकेश मेश्राम ने बताया कि अंडा उत्पादकों को हर अंडे पर उत्पादन की तारीख और एक्सपायरी की तारीख की मुहर लगानी होगी।

उन्होंने यह भी बताया कि लगभग 30 डिग्री सेल्सियस के सामान्य तापमान पर रखे गए अंडों का इस्तेमाल, अंडे दिए जाने की तारीख से दो सप्ताह के अंदर कर लेना चाहिए; और जब अंडों को दो डिग्री सेल्सियस से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच के रेफ्रिजरेशन तापमान पर रखा जाता है, तो उनका इस्तेमाल अंडे दिए जाने की तारीख से पांच सप्ताह के अंदर किया जा सकता है। सीतापुर जिले में एक पॉल्ट्री फार्म के मालिक बालेश्वर वर्मा ने बताया कि यह फ़ैसला हाल ही में एपीसी (कृषि उत्पादन आयुक्त) दीपक कुमार की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया था।

अपहरण की साजिश नाकाम पांच गिरफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार: मैनाठेर थाना पुलिस और एसओजी ने अपहरण की साजिश रचने के दौरान ही के पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से अवैध हथियार, कार व अन्य सामान बरामद किए गए हैं। 16 मार्च की देर रात पुलिस ने चेकिंग के दौरान फरीदपुर अंडरपास के पास घेराबंदी कर बदमाशों को पकड़ा। मैनाठेर पुलिस को किसी व्यक्ति के अपहरण करने की सूचना मिली। जिसके बाद मैनाठेर पुलिस व एसओजी टीम ने बताए गए स्थान उमरी-सब्जीपुर रोड स्थित कब्रिस्तान की घेराबंदी कर ली।

कुछ ही दूरी पर पुलिस को एक सफेद रंग की कार खड़ी दिखाई पड़ी जिसमें कुछ व्यक्ति बैठे थे। पुलिस को देखकर वह भागने का प्रयास करने लगे। जिस पर टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 18 मार्च 2026

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

बरेली का एकमात्र PET CT

पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त

Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com

रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

भट्ठे में जेसीबी से कुचल कर किशोर की मौत

घटना के बाद आरोपी चालक हुआ फरार, तलाश जारी

संवाददाता,नवाबगंज।

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर रहे परिवार के 13 वर्षीय बच्चे की जेसीबी मशीन से कुचलकर मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया।

मृतक आलम

मसीत वली नगर गांव के निवासी रफीक फाजिलपुर गांव स्थित रमेश चन्द्र के ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं और परिवार सहित वहीं रहते हैं। मृतक की मां फरजाना का आरोप है कि उनके बेटे आलम (13) को एक व्यक्ति बहला-फुसलाकर काम के लिए भट्ठे पर ले गया था। मंगलवार को भट्ठे पर काम के दौरान जेसीबी मशीन चला रहे चालक ने आलम को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक जेसीबी मशीन छोड़कर फरार हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। घटना स्थल पर पहुंचकर सीओ नीलेश मिश्र और कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने जांच पड़ताल की, कोतवाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा ।

घटनास्थल पर रोते बिलखते परिजन और भीड़ ● अमृत विचार

आठ बहनों का इकलौता भाई था

मृतक आलम अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी आठ बहनें हैं। वह चार बहनों से बड़ा और चार से छोटा था। पिता रफीक अहमद ने बताया चार बेटी पैदा होने के बाद बहुत मन्नतों के बाद यह लड़का पैदा हुआ था सब बहनों का दुलारा लड़का था, बेटे की मौत के बाद मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आसपास के लोग सभी को सांत्वना देते रहे।

विवाद में चली गोली निर्दोष किसान को लगी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : नगर के लाइन पार क्षेत्र में मंगलवार देर शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब खेत से लौट रहे एक किसान पर जानलेवा हमला कर तमंचे से गोली मार दी गई। गोली लगते ही किसान खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और पुलिस को सूचना दी।

घायल की पहचान भरतपुर मोहल्ला रोशन गौंटिया निवासी विशाल(35) पुत्र नन्हें लाल के रूप में हुई है, विशाल देर शाम अपने खेत से सरसों की फसल की खंदाई कर और अरबी की फसल में पानी लगाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में शराब भट्टी के सामने मोरपाल यादव ने उस पर तमंचे से फायर कर दिया। गोली विशाल की जांघ को चीरते हुए पार निकल गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे खतरे से बाहर बताया। घायल ने बताया कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं है। उसने आशंका जताई कि मोरपाल के बेटे विकास का किसी अन्य व्यक्ति से विवाद हो रहा था और वह बीच में आ गया, जिससे उसे गोली लग गई। सीओ संदीप कुमार ने बताया कि घायल की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी के बेटे की तलाश में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि आरोपी विकास मौके से फरार है। तलाश की जा रही है।

हादसे कीसूचना पर अस्पताल में मौजूद भीड़। ● अमृत विचार

गन्ना भुगतान और गैस संकट पर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार : गन्ना भुगतान, आवारा सांडों से फसल नुकसान और गैस संकट समेत कई मुद्दों को लेकर सपाइयों ने मंगलवार को प्रदर्शन व नारेबाजी कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। । राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में 15 सूत्री मांग को शीघ्र पूरा करने कीमांग की गई है।

इससे पहले कैंप कार्यालय में हुए बैठक में पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार ने कहा कि यदि बदलाव लाना हैतो कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मैदान में उतरना होगा। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष अनिल गंगवार, सेथल चेयरमैन कंबर एजाज़ शानू, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरोत्तम दास गंगवार उर्फ मुन्ना, पूर्व ब्लॉक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार, तेजपाल गंगवार समेत कई नेताओं ने आरोप लगाया कि गन्ना किसानों का करोड़ों रुपये का भुगतान अब तक लंबित है और चीनी मिल को बंद कराने में सत्ता पक्ष के लोगों की भूमिका रही है। ज्ञापन में गन्ना भुगतान जल्द कराने, आवारा सांडों से फसल बचाने के लिए ठोस कदम उठाने, गैस आपूर्ति सुचारु करने और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कराने आदि मांग उठाई गई। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अनिल गंगवार छेदालाल दिवाकर, प्रहलाद गंगवार, ओमेंद्र गंगवार, हाजी मुख्तियार अहमद अंसारी, डॉ विजय पाल गंगवार, वीरपाल गंगवार,भगवान दास उर्फ मुन्ना गंगवार, आदि रहे।

वाहनों की भिड़ंत में चालक घायल

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: बाईपास हाईवे पर अग्निशमन केन्द्र के पास मंगलवार सुबह गरगइया गांव के पास संकरी पुलिया पर आमने-सामने डीसीएम और केंटर की टक्कर हो गई। इसमें दोनों वाहनों के चालक समेत तीन लोग घायल हो गए, जिनमें डीसीएम चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बिहार के मधुबनी जनपद निवासी सुनील कुमार अपने हेल्पर विनोद कुमार के साथ दिल्ली से सामान लादकर पीलीभीत की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनका वाहन गरगइया गांव के पास संकरी पुलिया पर पहुंचा, सामने से आ रहे कैन्टर से सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम चालक सुनील कुमार के पैर स्टेयरिंग में बुरी तरह फंस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने हाईवे पर काम कर रही जेसीबी की मदद से डीसीएम का दरवाजा तोड़कर चालक को बाहर निकाला। काफी मशक्कत के बाद घायल को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त डीसीएम

कैन्टर चालक उमेश कुमार भी इस हादसे में घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, आंवला, रेवती रेलवे फाटक के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित नीरज कुमार निवासी गुलाबबाड़ी, थाना कटघर (मुरादाबाद) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मनौना धाम जा रहे थे, तभी तेज गति से आए ट्रक ने उनकी कार के बाएं तरफ का शीशा तोड़ दिया।

पीड़ित के अनुसार, ट्रक को रोकने का प्रयास करने पर चालक ने कार में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में परिवार बाल-बाल बच गया, जबकि नीरज कुमार के दाहिने हाथ में चोट आई है। पीड़ित ने चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

महिला घायल आंवला, महाराज पुरम कॉलोनी निवासी सतेन्द्र कुमार ने तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी पुष्पा देवी के साथ अपने पुत्र की दुकान की ओर जा रहे थे। तभीदातागंज निवासी राजेन्द्र ने तेज बाइक से पत्नी के टक्कर मारी।

आग से झुलसे बस हेल्पर की इलाज के दौरान मौत

बहेड़ी अमृत विचार :हाई टेंशन लाइन का तार गिरने से बस में लगी आग से झुलसे बस के हैल्पर की मौत हो गई ।रविवार की रात उसको गंभीर हालत में बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। 15 मार्च की रात रोडवेज बस स्टैंड के पास बिजली की हाईटेंशन लाइन का एक तार गिरने से बहेड़ी से पीलीभीत चलने वाली एक बस में आग लग गई थी। बस का हैल्पर पीलीभीत के माधोटांडा का रहने वाला गया प्रसाद उर्फ विजय बस में ही सो रहा था। बस में आग लगने से वह घबरा गया, और जैसे ही बस से नीचे उतरा, बिजली के करंट से वह बुरी तरह झुलस गया। बरेली में एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गया प्रसाद की पत्नी चिंकी और दो बेटियों का विजय की मौत से बुरा हाल हो गया है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

लोन देने के बहाने महिला से छेड़छाड़

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार :कस्बे की एक मोहल्ला निवासी महिला ने आरोप लगाया है कि समूह लोन देने के बहाने समूह कर्मी ने घर में घुसकर अश्लील हरकत करने और जबरदस्ती गलत काम करने की नियत से उसे पकड़ लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी फरार हो गया

थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी एक महिला वर्तमान में कस्बा के एक मोहल्ले में किराए पर रह रही है और स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई है। महिला ने समूह के माध्यम से लोन लेने की इच्छा जताई थी। इसी सिलसिले में 14 मार्च को एक फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी उसके पति से कागजात लेकर गया था। आरोप है कि 16 मार्च की दोपहर में समूह कर्मी महिला के किराए के मकान पर पहुंचा। उस समय महिला घर में अकेली थी। उसने खुद को सर्वे करने के बहाने घर के अंदर प्रवेश किया। महिला के अनुसार जैसे ही वह पानी लेने अंदर गई, आरोपी पीछे से कमरे में घुस आया और उसे पकड़कर जबरदस्ती करने लगा। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर आरोपी घबरा गया और उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद महिला दहशत में है।

एसएसपी को भ्रामक सूचना देने पर युवक का किया चालान

शीशगढ़, अमृत विचार : एसएसपी को एक युवक द्वारा भ्रामक सूचना देना उस समय मंहगा पड़ गया जब जांच में सूचना झूठी पाईगई। पुलिस ने युवक काचालान कर दिया।

थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव भूला नवीपुर के जंगल मे प्रधान गंभीर राना अपनी जमीन पर पेड़ गांव परेवा निवासी एक ठेकेदार द्वारा कटवा रहे थे। गांव के अली अहमद ने एसएसपी को फोन पर ठेकेदार द्वारा चोरी से शीशम के पेंड कटवाने की सूचना दी। मौके पर जांच की तो जांच में कटवाई जा रही लकड़ी प्रधान की निजी जमीन में खड़ी पाई गई। सूचना भ्रामक पाए जाने पर आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस ने चालान कर दिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 12.03.2026 को घर से चौक बाजार फोटोस्टेट कराने जाते समय रास्ते में मेरी हाईस्कूल, इण्टर व स्नातक (बी.बी.ए.) की मार्कशीट, प्रमाण पत्र व डिग्री गिर गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **मो. काशिफ पुत्र राजू निवासी मोहल्ला अशरफ खां पीलीभीत।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्रवधु निकिता राठौर को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **भानमती देवी पत्नी प्यारे लाल निवासी 32, पीलीभीत बाईपास रोड नवादा शेखान, चन्द्र गुप्ता पुरम जिला बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र अंश भारद्वाज का हाईस्कूल की अंकतालिका अनुक्रमांक 1240760499 वर्ष 2024 फरीदपुर रास्ते में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **खुशबू शर्मा पत्नी विकास शर्मा नि. ग्राम व पोस्ट रजऊपरसपुर तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

किशोरियों को आज से लगेगा टीका

क्योलड़िया , अमृत विचार :सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र क्योलडिया में एचपीवी टीकाकरण शिविर 18 मार्च से लगेगा। यह टीका निशुल्क लगाया जाएगा। डॉ0 मुगीश ने बताया कि यह टीका उन किशोरियों के लगेगा जिनकी आयु 14 वर्ष पूर्ण हो गई हो या 15 वर्ष से अधिक न हो। टीका लगवाने के लिए किशोरी के पास अपना आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। डा . मुगीश ने कहा कि विकासखंड भदपुरा निवासी जो किशोरिया हैं, सीएचसी क्योलडिया में ओपीडी समय में नि :शुल्क टीका लगवा सकते हैं।

मारपीट और जेवरात ले जाने का आरोप

आंवला अमृत विचार : नगर के मौहल्ला महाराज पुरम कॉलोनी यूनियन बैंक के समीप घर में घुसकर मारपीट और जेवर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित देश दीपक भारती के अनुसार, उसके ससुर पप्पू बेटे अनुराग व पुत्री रजनी , ओमवती , राजेन्द्र व अन्य दो तीन व्यक्ति अचानक घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए परिवार के सभी सदस्यों के साथ मारपीट की । जिसमें कई लोग घायल हो गए।

बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण पर विशेष जोर

बहेड़ी । बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोज वर्मा ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से शासन के निर्देशों का अनुपालन करने का आह्वान किया ।आँगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

दुकान में तोड़फोड़ व मारपीट, मुकदमा दर्ज

आंवला, अमृत विचार। मोहल्ला खेड़ा में परचून दुकानदार के साथ मारपीट और दुकान में तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पीड़ित लियाकत हुसैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठा था, तभी मोहल्ले के ही अफजाल, आदिल व आकिब लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और सामान फेंकते हुए तोड़फोड़ करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की।

चौबारी गोली कांड में तीन आरोपियों को भेजा जेल

दो फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश जारी

संवाददाता, कैंट

गोलीकांड के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। ● अमृत विचार

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव चौबारी में सोमवार देर शाम हुए गोलीकांड मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस फरार दो आरोपियों की तलाश में दबिशें दे रही है।

थाना क्षेत्र के गांव चौबारी के ग्राम प्रधान पप्पू सिंह ने घटना के मामले में कैंट थाने में सोमवार देर रात कैंट के लक्ष्मी नगर कांधरपुर निवासी विवेक उर्फ जट्टा तथा उसका भाई कमल, सद्भावना कॉलोनी कांधरपुर निवासी भूपेंद्र उर्फ बंटू यादव, कांधरपुर जानकी की पुलिया निवासी अनुज, थाना कोतवाली के मोहल्ला बिहारीपुर निवासी अंशुल गोस्वामी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम प्रधान पप्पू सिंह द्वारा दी गई तहरीर में उन्होंने बताया है, कि सोमवार देर शाम करीब 7:30 बजे गांव में ही किसी कार्य से गए हुए थे। उपरोक्त आरोपों उनके घर पहुंचे और दरवाजा खटखटाया ग्राम प्रधान की पत्नी सरिता सिंह घर के बाहर आईं।

आरोपियों ने उनसे गाली गलौज करते हुए पूछा कि प्रधान कहां है, उसे जान से मार देंगे। प्रधान की पत्नी ने गाली देने का विरोध कियातो उनके साथ मारपीट पर आमादा हो गए। तभी गांवके लोग एकत्र हो गये इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गये। प्रधान के घर पहुंचने पर उन्हें घटना की जानकारी तो वह चचेरे भाई सौरभ के साथ स्कूटी से थाने जा रहे थे। बुखारा के पास सड़क पर घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन्हें रोक कर ललकारा बंटू यादव ने जान से मार देने को कहा तो विवेक जट्टा ने अवैध तमंचे से गोली चला दी। गोली ग्राम प्रधान को न लगकर उनके भाई सौरभ के दाहिने हाथ में लगी। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। आरोपी धमकी देते हुए दो कार तथा मोटरसाइकिल से फरार हो गए।

महिला के साथ मारपीट, पुलिस से कार्रवाई की मांग

आंवला, अमृत विचार : नगर के मौहल्ला बिलायत गंज निवासी महिला कविता ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। महिला का कहना है कि उसका दहेज का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जिसके चलते पति प्रताप के साथ ससुराल पक्ष के लोग उससे रंजिश रखते हैं।

आरोप है कि 12 मार्च की शाम करीब 4 बजे पति प्रताप सहित ससुराल पक्ष के पति के मौसरे भाई सुरेश व मुकेश जेठानी शारदा निवासी ग्राम वगरैन थाना बिसौली व अन्य दो पुरुष व तीन महिलाए घर में घुस आए और महिला को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला व उसकी मां के साथ मारपीट की और घर से बाहर घसीटकर भी पीटा।

सेमीखेड़ा चीनी मिल के सभी क्रय केन्द्र बंद

संवाददाता, देवरनियां

● मिल यार्ड में गन्ने की कम आपूर्ति पर फ्री पर्ची पर गन्ना खरीद जारी की गई

अमृत विचार : जिले की एक मात्र किसान सहकारी चीनी मिल सेमीखेडा का वर्तमान गन्ना पेराई सत्र समाप्ति ओर है।मिल यार्ड में गन्ने की आपूर्ति को देखते हुए मिल प्रबंधन सत्र समाप्ति के दो नोटिस जारी कर चुका है। अब अंतिम नोटिस जारी किया जाएगा।

सेमीखेड़ा मिल जिले की एकमात्र सहकारी चीनी मिल है। मिल यार्ड के समेत 11 गन्ना क्रयकेन्द्रों पर गन्ना खरीद हुई। अब दस गन्ना क्रय केन्द्रों पर गन्ना खरीद बंद हो चुकी है। मिल यार्ड में ही खरीद चल रही है,मगर पिछले कई दिनों से गन्ने की आपूर्ति कम हो गई है, जिसे देखते हुए मिल प्रबंधन पेराई सत्र बंदी के दो नोटिस जारी कर किसानों से जल्द गन्ना आपूर्ति करने को कहा है। मिल प्रबंधन ने गन्ने की कम आपूर्ति को देखते हुए फ्री गन्ना पर्ची पर भी गन्ना खरीद शुरू कर दी है।

अब अंतिम नोटिस जारी होने के बाद पेराई सत्र बंद कर दिया जाएगा। 18 मार्च तक मिल चलने की उम्मीद है, पिछले वर्ष 22 मार्च तक मिल चली थी।मगर पिछले वर्ष का पेर सत्र 24 नवम्बर 2024 को शुरू हुआ था, इस बार पेराई सत्र 12 नवम्बर 2025 को शुरू हुआ था।

मुकम्मल हुआ कुरान मिलाद-ए-महफ़िल का आयोजन

मीरगंज, अमृत विचार: कस्बे के मोहल्ला सूफीटोला स्थित हरी मस्जिद में सोमवार को नमाज-ए-इशा के बाद तरावीह की नमाज में क़ुरान शरीफ़ मुकम्मल हुआ। यह मुकम्मल 26वें रोज़े और 27वीं शब-ए-क़द्र के मौके पर हुआ। क़ुरान शरीफ़ सुनाने वाले हाफ़िज़ क़ारी व मौलाना मोहम्मद नासिर साबरी ने तरावीह में क़ुरान सुनाकर मुकम्मल किया। इस मौके पर मस्जिद में मिलाद-ए-महफ़िल का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन मुतवल्ली आरिफ अंसारी और वारिस अंसारी ने किया। महफ़िल में नात-ए-पाक पढ़ी गई । इस अवसर पर हरी मस्जिद के इमाम हज़रत सैयद इरफान रसूल साहब ने शब-ए-क़द्र की फ़ज़ीलत बयान की।

मोती मस्जिद में हुआ जश्ने खत्म कुरान पाक

संवाददाता, बहेड़ी

हाफिज अनवार की 50वीं तरावीह की नमाज में कुरान सुनाने के मौके पर मौजूद लोग।

अमृत विचार : शहर की मोती मस्जिद में नमाज़े तरावीह में क़ुरान पाक मुकम्मल हुआ। मशहूर हाफिज कारी अनवार अहमद ने यहाँ क़ुरान पाक की तिलावत(सुनाया)की। हाफिज अनवार अहमद ने इस बार अपनी जिंदगी में 50वीं बार तरावीह की नमाज़ में क़ुरान सुनाया,यानि 50वां मेहराब मुकम्मल किया।

मंगलवार को मोती मस्जिद में रमज़ान की 27 वीं शब में हुए ख़त्म कुरान शरीफ में जब क़ुरान मुकम्मल किया, तो नमाज़ियों ने उनसे मुसाफा किया और उनका फूल माला पहना कर स्वागत किया। हाफ़िज़ अनवार ने सन 1975 में पहली बार तरावीह में क़ुरान सुनाया था। तब से शुरू हुआ यह सिलसिला अब तक जारी है, इस बीच उन्होंने बहेड़ी की इसी मोती मस्जिद में 25 बार और बहेड़ी की बाज़ार वाली मस्जिद में 16 साल कुरान सुनाया। बरेली शहर में एक, शीशगढ़ में दो बार और बंगलौर में 6 बार उन्होंने क़ुरान सुना चुके हैं।दो बार उन्होंने शबीना में भी अकेले क़ुरान सुनाया। मोती मस्जिद में जश्न खत्म कुरान के मौके पर बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए। इस मौके पर हुए प्रोग्राम में मौलाना राशिदुल क़ादरी ने क़ुरान की फज़ीलत के बारे में बताया।

युवती को फुसलाकर ले गए आरोपी

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में दी तहरीर में बताया कि 15 मार्च 2026 की रात लगभग 12 बजे उनकी बेटी को आरोपी बहला-फुसलाकर चार पहिया वाहन से अपने साथ ले गए। परिजनों का कहना है कि घटना के समय गांव के कुछ लोगों ने आरोपियों को युवती को ले जाते हुए देखा था।पीड़ित पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को गलत तरीके से ले जाया गया है, जिससे परिवार उसकी सुरक्षा को लेकर चिंतित है।

उन्होंने पुलिस से बेटी की जल्द बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी आलोक पुत्र देवेंद्र निवासी ग्राम सिर्रा धनेली, थाना मिलक, जनपद रामपुर,सहित रामपुर, सहित गांव के दो लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

ट्रांसफार्मर फुंका

बिशारतगंज : मझगवां सीएचसी परिसर में लगा ट्रांसफार्मर सोमवार सुबह खराब हो जाने के कारण मरीज और डॉक्टर को दिक्कत का सामना करना पड़ा इससे दो दिन से विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी है।

न्यूज डायरी

मांगों को लेकर भाकियू टिकैत ने दिया धरना

मीरगंज अमृत विचार :मंगलवार को तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (टिकैट) के पदाधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। किसानों ने धरने पर बैठकर अपनी मांगें उठाईं। भाकियू के तहसील अध्यक्ष चौधरी सुधीर कुमार बालियान ने बताया कि क्षेत्र के किसानों की प्रमुख समस्या आवारा पशु हैं। ये पशु लगातार किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसानों को रात-रात भर जागकर अपनी फसलों की रखवाली करनी पड़ रही है, फिर भी वे फसलों को पूरी तरह बचाने में असमर्थ हैं। किसानों ने फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में अवैध खनन का मुद्दा भी उठाया। क्षेत्र की नदी से लगातार बालू का अवैध खनन किया जा रहा है। किसानों ने आशंका व्यक्त की कि यदि अवैध खनन जारी रहा, तो भविष्य में बाढ़ के दौरान बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे।

शेरगढ़ पहुंची ज्योति कलश रथ यात्रा, किया स्वागत

शेरगढ़ अमृत विचार : अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से ज्योति कलश रथ यात्रा मंगलवार सायं शेरगढ़ पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने ज्योति कलश रथ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। रथ यात्रा कस्बे में भ्रमण करती हुई डूंगरपुर देहात के रास्ते नगरिया कलां शिव मंदिर पहुची। यहां गायत्री मंत्र का जाप किया। राकेश सिंह, राजीव जौहरी, भूपराम श्रीवास्तव, डॉ कल्याण राय श्रीवास्तव, पूरनलाल मौर्य, डॉ अंगन लाल गंगवार, डिललीधर गंगवार, प्रेमपाल गंगवार, विनोद अग्रवाल, भानु प्रताप मौजूद रहे।

पीस कमेटी की बैठक में यातायात के नियमों के बारे में समझाया

बिशारतगंज अमृत विचार : कैंट मंगलवार को थाना प्रभारी राजेश बाबू मिश्रा ने थाना परिसर में क्षेत्र के आस पास के गांव के ग्राम प्रधान, कस्बा के चेयरमैन, सभासद व प्रतिष्ठित लोगों के साथ एक बैठक की । नवनियुक्त थानाप्रभारी ने सभी से परिचय लेने के बाद कहा कि क्षेत्र में। हेलमेट लगाना अनिवार्य है। यह हेलमेट चलताऊ होगा तो चालक की सुरक्षा नहीं होगी। रहमानपुर गांव के प्रधान अवधेश गुप्ता ने कहा कि पूर्वी फाटक पर ऑटो वाले रेलवे बूम के पास तक ऑटो खड़े करके सवारी भरते हैं ऐसे में फाटक बंद होने पर इनके द्वारा जाम लगाया जाता है इनको वहां से हटाया जाए । सभासद नकुल गोस्वामी ने वार्ड नंबर 7 में स्टेशन रोड पर देशी शराब की दुकान से यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को परेशानी की बात कहते हुए अंकुश लगान को कहा। प्रभारी निरीक्षक ने नवरात्रों में मीट की दुकानों को नहीं खोलने की हिदायत दी है।

कार्यकारिणी में जगह पाने वाले बहेड़ी के नेताओं का हुआ सम्मान

बहेड़ी, अमृत विचार : बीजेपी की ज़िला कार्यकारिणी में शामिल हुए पदाधिकारियों का यहां गर्मजोशी से स्वागत करते हुए सम्मानित किया गया। नगर पालिका के लिए शासन से मनोनीत हुए सभासदों को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया। भाजपा की ज़िला कार्यकारिणी में बहेड़ी से स्वाति कुमार और आलोक गंगवार को ज़िला उपाध्यक्ष, ललित शर्मा और रामआश्रय कश्यप को ज़िला मंत्री मनोनीत किया गया है। ब्लॉक प्रमुख कार्यालय पर सम्मान में हुए एक कार्यक्रम में सभी को माला पहनाकर और पटका डालकर सम्मान किया गया। नामित हुए सभासद सुनील रस्तोगी, महेश शर्मा, दिनेश राठौर, सचिन प्रजापति और प्रेम पाल भास्कर को भी माला पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। ब्लॉक बहेड़ी के प्रमुख अमरिंदर सिंह गोल्डी ने कहा कि ज़िला कार्यकारिणी में बहेड़ी के कार्यकर्ताओं को पर्याप्त सम्मान देते हुए जगह दी गई है। बहेड़ी वालों को मिले दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करना होगा, इस मौके पर शेरगढ़ के प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी, अजय जायसवाल बॉबी, हरीश कश्यप, चौधरी ओमवीर सिंह, दिलीप मौर्य, राहुल शर्मा , मेजर सिंह, अक्षय मंगलम, शांतिपाल, तरुण कालरा और अरुण गंगवार आदि मौजूद रहे।

बेटा छीना, विवाहिता को पीटकर निकाला

शादी के बाद ससुरालियों ने की दहेज की मांग, महिला को पीटा, एसएसपी के आदेश पर रिपोर्ट हुई दर्ज

भमोरा, अमृत विचार

थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक विवाहिता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर अपने पति व ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी चार वर्ष पूर्व देवरनिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से हुई थी। कुछ समय बाद उसका पति शराब के नशे में आए दिन गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। विवाहिता का आरोप है कि पति व ससुराली जन दहेज में सोने की चेन और 50 हजार रुपये की मांग करने लगे। इस दौरान विवाहिता ने एक बेटे को जन्म दिया, लेकिन ससुराल पक्ष के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। पीड़िता ने बताया कि 15 मार्च को ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया और उसके बेटे को भी जबरन अपने पास रख लिया।थाना पुलिस को तहरीर दे कार्रवाई की मांग की। एसओ भमोरा सनी चौधरी ने बताया तहरीर मिली है जांच की जा रही है।

दहेज प्रकरण में महिला के साथ मारपीट : नगर के मौहल्ला बिलायत गंज निवासी कविता ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। महिला का कहना है कि उसका दहेज का मामला न्यायालय में विचाराधीन है, जिसके चलते पति प्रताप के साथ ससुराल पक्ष के लोग उससे रंजिश रखते हैं। आरोप है कि 12 मार्च की शाम करीब 4 बजे पति प्रताप सहित ससुराल पक्ष के पति के मौसरे भाई सुरेश व मुकेश जेठानी शारदा निवासी ग्राम वगरैन थाना बिसौली व अन्य दो पुरुष व तीन महिलाए घर में घुस आए और महिला को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला व उसकी मां के साथ मारपीट की और घर से बाहर घसीटकर भी पीटा। घटना में महिला को चोटें आईं, जिसके बाद उसका इलाज सीएचसी में कराया गया।

नशे में पत्नी को मारपीट कर घर से निकाला, पति समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शराब के नशे में धुत रहने वाले पति ने पत्नी को मारपीट कर घर से दो बार निकाल दिया ।पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ घरेलू हिंसा की रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बा के मोहल्ला भिटौरा रेलवे स्टेशन निवासी सुभाष वर्मा ने अपनी बेटी पूजा की शादी 7 वर्ष पूर्व बदायूं के कस्बा विल्सी निवासी अमित वर्मा से की थी। कुछ दिन ठीक ठाक चलने के बाद शराब का लती पति अमित वर्मा पूजा के साथ मारपीट करने लगा। मारपीट करने से पूजा का गर्भ भी गिर गया। काफी समझाने के बाद भी जब नहीं सुधरे तो पिता पूजा को अपने घर ले आए। रिपोर्ट भी दर्ज कराई। लेकिन कुछ रिश्तेदारों ने दोनो पक्षों के बीच समझौता कर दिया। जिससे पूजा दुबारा अपनी सुसराल में आ गई। करीब 3 साल तक सब ठीक चलने के बाद पति अमित ,देवर सुमित ,ससुर महेंद्र पाल , ननद निशी आदि ने मारपीट करना शुरू कर दी। ।पुलिस ने सुभाष वर्मा की तहरीर पर चारों के खिलाफ घरेलू हिंसा रिपोर्ट दर्ज की है।

एसएसपी के आदेश पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

हाफिजगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दिबनापुर निवासी निशा गंगवार की तहरीर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर हाफिजगंज पुलिस ने दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।

निशा ने बताया कि चार साल पहले उसकी शादी फरीदाबाद निवासी सुमित से हुई थी। शादी में 15 लाख रुपये खर्च किए और दहेज दिया, लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं था और अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगा। आरोप लगाया कि ससुराल वाले उससे 10 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और मारपीट भी की गई। मायके वालों ने कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं सुधरा। एसएसपी के आदेश पर हाफिजगंज पुलिस ने ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- चार साल पहले हुई थी शादी दहेज से ससुराली संतुष्ट नहीं थे

पत्नी को चाकू मारकर किया घायल

भोजीपुरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम कंचनपुर निवासी युवक ने मामूली विवाद में पत्नी को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। ग्राम कंचनपुर निवासी बंटू का अपनी पत्नी मोनिका से आये दिन गाली गलौज करता तथा मारता पीटता था। मंगलवार दोपहर को बंटू ने अपनी पत्नी मोनिका से मारपीट की तथा पेट में चाकू मारकर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। आरोपी की मां रामा देवी ने अपने बेटे के खिलाफ तहरीर दी है। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

सम्मन मुद्दालय
व अदालत उपजिलाधिकारी न्यायिक आंवला जिला बरेली
मुकदमा नं. टी 202512130215374

1. चन्द्रपाल सिंह पुत्र अच्छन सिंह निवासी ग्राम कसूमरा परगना व तहसील आंवला जिला बरेली बनाम 1. रामनिवास पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 2. चन्द्रपाल पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 3. जसवीर पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 4. राकेश पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 5. चरन सिंह पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 6. हरिओम पुत्र लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 7. रामा देवी पत्नी लीलाधर निवासी ग्राम सेंधा तहसील आंवला जिला बरेली 8. ग्राम सभा द्वारा ग्राम प्रधान सेंधा परगना व तहसील आंवला जिला बरेली

चूंकि मुसम्मी चन्द्रपाल सिंह पुत्र अच्छन सिंह आपके नाम एक नालिस वास्ते धारा–116 उ.प्र. राजस्व संहिता–2006 बंटवारा आराजी स्थित ग्राम सेंधा परगना व तहसील आंवला जिला बरेली के गाटा सं. 312 रकवा 0.2280 हे. पर दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 18.03.2026 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतालका के हाजिर हो। वरना आपकी गैर हाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज तारीख 10.03.2026 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

उप जिलाधिकारी (न्यायिक) , आंवला

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा बरेली से संजीव कुमार चौधरी पुत्र श्री राम प्रताप चौधरी नि. नियर दुर्गा मन्दिर पुराना शहर 265 कटरा चांद खां बरेली एक किता मकान नं. 448 का भाग तादादी 65.63 वर्गमी. वाकै परवेज नगर तह. व जिला बरेली को बंधक रखकर आपकी शाखा से ऋण ले रहे है। उक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित एक पूर्व मूल बैनामा जिसकी रजिस्ट्री स.र. बरेली में दिनांक 23.08.2007 ई. को बही सं. 1 जिल्द 2088 के पृष्ठ 29–56 में नं. 6450 पर हुई है जो श्रीमती उर्मिला गंगवार के हक में निष्पादित हुआ है कहीं खो गया है जिसके खोने की सूचना दिनांक 09.07.2024 को ई–थाना पर दर्ज कराई जा चुकी है।

अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि उक्त बैनामे के निष्पादित के सम्बन्ध में या किसी अन्य व्यक्ति/बैंक/संस्था आदि को उक्त बंधक सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 07 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग फाईनेंस लि. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है। उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा।

अमिताभ भंज–एडवाकेट
चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट, बरेली।
सूचीबद्ध अधिवक्ता
पी.एन.बी. हाउसिंग फाईनेंस लि., बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 1542/76सी0(ए0)(बाउण्ड्रीवाल)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 10.03.2026

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार प्रतिषत दरों पर ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 19.03.2026 से दिनांक 28.03.2026 की अपरान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 28.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराषि (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (माह में)	फर्म/ठेकेदारों की आवष्यक पंजीकरण श्रेणी (Building Work)
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद पीलीभीत में विभिन्न स्थानों पर लो0नि0वि0 की भूमि पर बाउण्ड्रीवाल के निर्माण का कार्य	300.00	17.00	2714.00	07 Month	A

2. निविदा दस्तावेज एंव निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु बेवसाईट http;//etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजेष चौधरी)
अधिषासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

UP-248318 दिनांक 16.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 2216(1)/453सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 14.03.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1–महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1 लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 25.03.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्ष अनुरक्षण लागत (रू0 लाख में)	योग 4+5	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी + जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	वित्तीय वर्ष 2025–26 मे जनपद बरेली में ग्राम सोना से ग्राम गुरखा तक नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,बरेली	162.19	12.16	174.35	10.72	6 माह	2725.00	ए, बी मार्ग कार्य)
02	वित्तीय वर्ष 2025–26 मे जनपद बरेली में विकास खण्ड भुता में सिमरा बहोर नगला मार्ग से कुआडाडा अहरौला मार्ग में चौडीकरण एवं नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,बरेली	153.06	11.48	164.54	10.23	6 माह	2725.00	ए, बी मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(राजीव अग्रवाल)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-248379 दिनांक 16.03.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायॅू/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 1725/7निविदा(सी0डी0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांक 14.03.2026

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायॅू/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायॅू के क्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 28.03.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टयॉ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भॉति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 28.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
	निर्माण लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल लागत			
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष 2025–26 में बी0 एम0 मार्ग से बिसौली मार्ग वाया पतरघटा पीरखदना ज्योरा पारवाला मार्ग (अजिमा) के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य	1106.00	27.85	1133.85	22.70	2714.00	12 माह
वित्तीय वर्ष 2025–26 में बी0 के0 के0 मार्ग से साहनपुर सुजानपुर मार्ग (अजिमा) के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य	630.00	15.75	645.75	12.95	2714.00	12 माह
वित्तीय वर्ष 2025–26 में आसफपुर मुड़िया करनपुर गन्दरौली मार्ग (अजिमा) के चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य	1790.00	45.00	1835.00	36.80	2714.00	12 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायॅू

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायॅू–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP-248381 दिनांक 16.03.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय जिलाधिकारी,लखीमपुर–खीरी
(नजारत–अनुभाग)

संख्या:– 394/नौ–सी0एफ0–143/ठेकाविज्ञप्ति–कलेक्ट्रेटपरिसर/2026–27/नाजिरसदर, दिनांक: 12–03–2026

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2026–27 हेतु कलेक्ट्रेट परिसर लखीमपुर–खीरी की ठेका साईकिल स्टैण्ड, ठेका चूरा–चबेना, ठेका फोटो ग्राफी, ठेका कैन्टीन एवं ठेका फोटो स्टेट की नीलामी दिनांक 24–03–2026 को अपरान्ह 04–30 बजे से अटल सभागार कलेक्ट्रेट, लखीमपुर–खीरी में इस हेतु गठित समिति के समक्ष की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि व समय व स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी मे भाग ले सकते हैं। ठेकों का विवरण निम्नवत हैं:–

क्र0	विवरण ठेका	जमानत धनराशि	नीलामी तिथि	समय	स्थान
1	2	3	4	5	6
1	ठेका साईकिल स्टैण्ड	50,000–00	24–03–2026	अपरान्ह 04–30 बजे	अटल सभागार कलेक्ट्रेट लखीमपुर–खीरी।
2	ठेका चूरा–चबेना	25,000–00	24–03–2026		
3	फोटो स्टेट	15,000–00	24–03–2026		
4	ठेका फोटो ग्राफी	15,000–00	24–03–2026		
5	ठेका कैन्टीन	25,000–00	24–03–2026		

नोट:–नीलामी से सम्बन्धित शर्ते कलेक्ट्रेट स्थित नजारत अनुभाग से प्राप्त की जा सकती हैं।

UP-248281 दिनांक 16.03.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)
लखीमपुर–खीरी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ।

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

No. : 566 / Nivida(E-T.)/ 2025-26 Date : 13-03-2026

1.महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार वर्षा काल में कार्यालय निर्माण खण्ड भवन की मरम्मत किये जाने हेतु अल्पकालीन ऑनलाइन ई–निविदा दि0 20–03–2026 से दि0 27–03–2026 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:–

2.वित्तीय वर्ष 2025–26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत कार्य:–

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Category of Contractor (Building Work)
1	Budaun	वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद बदायूँ में निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग बदायूँ के कार्यालय भवन की मरम्मत रंगाई–पुताई एवं विस्तार का कार्य।	23.00	2.30	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D

3-बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 20–03–2026 से दि0 27–03–2026 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 27–03–2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 27–03–2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

UP-248382 दिनांक 16.03.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 2227/142सी0(ई0टेण्डर)–3/25 दिनांक: 14.03.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

द्वितीय आमंत्रण

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा (स्वीकृति की प्रत्याशा में) दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 25.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 25.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	जलालाबाद ढाईघाट मार्ग से आंधीदेई मार्ग (अ0जि0मा0) के किमी0–1,2,4,6 व 7(600) का हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।	निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	60.30	5.02	2725.00	2 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
2	शाहजहांपुर जलालाबाद मार्ग से इकनौरा सम्पर्क मार्ग का हॉट मिक्स प्लान्ट द्वारा नवीनीकरण का कार्य।		59.40	4.97	2725.00	2 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
3	कटरा जलालाबाद मार्ग से जौराभूड़ सम्पर्क मार्ग का सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।		45.40	4.27	2725.00	2 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
4	तिलहर से बरखेड़ा जयपाल वाया बंधिया सम्पर्क मार्ग का सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।		71.70	5.59	2725.00	2 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

UP-248367 दिनांक 16.03.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

नगर पालिका आंवला में 5 व नगर पंचायत में 3 सदस्य नामित

आंबला /विशारतगंज अमृत विचार । प्रत्येक विधानसभा चुनाव होने के उपरान्त उत्तर प्रदेश सरकार पांच नगर पालिका व तीन नामित सदस्य हर नगर पंचायत में घोषित करती है इसी कड़ी में सरकार ने नगर पालिका आंवला में पांच नामित सभासद रजत राज प्रेमी जो पूर्व मे भी वार्ड 2 के सभासद रह चुके है इसके साथ ही सुनील श्रीवास्तव , सुखलाल कश्यप, जयसिंह , मनोज मौर्य को सभासद नियुक्त किया है। व123 विथरी विधानसभा के मण्डल विशारतगंज से तीन नामों की औपचारिक घोषणा से विशारतगंज के ही तीनों निवासी को नामित सभासद नियुक्त किया है ये तीन नामों में नकुल गोस्वामी जो वार्ड 07के मेंबर भी रह चुके हैं को नियुक्त किया दूसरा नाम कुलदीप मौर्य की पत्नी राजरानी मौर्य, तीसरा नाम प्रवेश सिंह का रहा ।

वालीबॉल जूनियर बालक वर्ग में बरेली प्रथम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : युवा कल्याण और खेल मंत्रालय की ओर से दो दिवसीय जोन स्तरीय खेल स्पर्धा का मंगलवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम में समापन हो गया। दूसरे दिन बालक और बालिका सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक वर्ग में बैडमिंटन, फुटबॉल, वालीबॉल की प्रतियोगिताएं हुईं। वालीबॉल जूनियर बालक वर्ग में बरेली प्रथम रहा।

प्रतियोगिता में बरेली और मुरादाबाद मंडल के सांसद खेल स्पर्धा के विजयी खिलाड़ियों एवं टीमों ने प्रतिभाग किया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ी बालक और बालिका वर्ग में 18 से 20 मार्च को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत मेरठ में जूडो, कबड्डी और कुश्ती की प्रतियोगिताएं, 22 से 24 मार्च तक झांसी में वालीबॉल, फुटबॉल और भारोत्तोलन की प्रतियोगिता और 25 से 27 मार्च तक एथलेटिक्स एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता प्रयागराज में होने वाली प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगे। विजेताओं को युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल उप निदेशक और क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने प्रमाण पत्र, ट्रेकसूट, मेडल देकर पुरस्कृत किया। दूसरे दिन हुई फुटबॉल की सब-जूनियर बालक वर्ग में प्रतियोगिता में बरेली प्रथम रहा। जूनियर में शाहजहांपुर प्रथम रहा। सीनियर में मुरादाबाद प्रथम रहा। महिला में सब-जूनियर में शाहजहांपुर प्रथम रही।

मिलेट्स मेले में किसानों को सिखाए गए तरक्की के गुर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बिलवा स्थित सम्भागीय कृषि परीक्षण एवं प्रदर्शन केन्द्र में मंगलवार को 'उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम' के तहत भव्य किसान मेले और वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में जनपद के सभी विकास खंडों से आए लगभग 400 किसानों ने शिरकत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती के प्रति प्रोत्साहित करना और सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना था। उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान किया जाएगा और योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पात्रों तक पहुंचेगा। उन्होंने विशेष रूप से यूपी फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनवाने पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि इसके बिना किसान पीएम-किसान सम्मान निधि और अन्य सरकारी सुविधाओं से वंचित रह सकते हैं।

प्रगतिशील किसान संजय कुमार सक्सेना ने किसानों से कम से कम अपने परिवार के उपभोग के लिए मिलेट्स उगाने की अपील की। मृदा स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने फसल अवशेषों को खाद के रूप में उपयोग करने और कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ रीपर का प्रयोग करने की सलाह दी।

गौशाला में खिलाया गुड़ और हरा चारा

मीरगंज, अमृत विचार: मंगलवार को वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने गौ-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका नेतृत्व व्यापार मंडल अध्यक्ष राम नारायण गुप्ता और अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री जितेंद्र रस्तोगी ने किया। इस दौरान वैश्य समाज के सदस्यों ने गौशाला में मौजूद गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाया।

उन्होंने गायों की सेवा कर जीव-दया और गौ-संरक्षण का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी और समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजीव गुप्ता, हरिओम गुप्ता, दीनानाथ गुप्ता, राजेश गुप्ता, प्रमोद रस्तोगी, कुश गुप्ता, सेपू गुप्ता, संजीव गुप्ता, विपिन और शिवकुमार गुप्ता सहित कई अन्य प्रमुख लोग मौजूद थे। सभी ने गौशाला की व्यवस्था की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग देने का संकल्प लिया।

बहेड़ी के मशहूर समोसे की दुकान हुई बंद

बहेड़ी, अमृत विचार : एलपीजी की किल्लत नज़र आने लगी है। कई रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं।बहेड़ी के मशहूर समोसे वाले की दुकान बंद हो गई है, और 5 रूपये वाला समोसा 10 रूपये का बिकने लगा है। एलपीजी की किल्लत का असर शहर में अब रेस्टोरेंट और चाय -समोसा या फ़ास्ट फ़ूड बेचने वाले छोटे -छोटे कारोबार पर पड़ने लगा है। ज़्यादातर मिठाई की दुकानों पर चलने वाले चाय पकौड़ी के स्टाल बंद होने लगे हैं। रेलवे स्टेशन के सामने की मिठाई की दुकान पर चाय पकौड़ी का काम बंद कर दिया गया। सेंटर पॉइंट के बाहर चलने वाला छोले भठूरे का स्टाल भी बंद हो गया है। बहेड़ी के मशहूर समोसे का ठिकाना राम दुलारे समोसा भंडार गैस की किल्लत के चलते बंद हो गया है। यहाँ सुबह से शाम तक समोसे के शौक़ीनों की भीड़ लगी रहती थी। इस दुकान का बंद होना रोज़ेदारों को भी अखर रहा है। शाम को यहाँ समोसे लेने वालों की लाइन लगती थी।

युवक को मारपीट कर घायल किया रिपोर्ट दर्ज

बरेली, अमृत विचार : शराब लेने गए युवक के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सुभाषनगर थाना क्षेत्र के विश्वनाथपुरम निवासी पिंकी नेगी ने बताया कि उनके पति मुकुल गौतम पटेल विहार में शराब की दुकान पर शराब खरीदने के लिए गए थे। इसी बीच वहां पर मौजूद कुछ लोगों से बहस हो गई। आरोपियों ने हाथापाई शुरू करके लाठी–डंडों से मारपीट शुरू कर दी। इसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
निविदा शुद्धिकरण सूचना

ई–टेण्डरिंग खुली निविदा सूचना सं. 11/2026 दिनांक 10.03.2026 के अंतर्गत कमांक 01 से 04 पर अंकित निविदा जो दिनांक 01.04.2026 को खोली जानी है, जिसमें बयाना राशि (ई.एम.डी.) को जीसीसी–2022 ए.सी.एस–11 द्वारा संशोधित करते हुए रुपया 1,93,900/–, 2,49,700/–, 6,55,000/– एवं 3,71,900/– से बढाकार क्रमश: 1,93,900/–. 3,98,900/–,20,20,000/– एवं 8,87,700/– रुपये कर दिया गया है। एवं जीसीसी–2022 ए.सी.एस–11 के अनुसार सभी शर्ते लागू होंगी। ई–निविदा का विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट पर www.ireps.gov.in पर देखे।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इंजी.)
मुजाधि/डब्लू–511 इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत पकड़िया नौगवां पीलीभीत

पत्राक–मेमो/कर.वि/न.पं.पक.नौ.पी./2025–26 दिनांक 17.03.2026

नाम परिवर्तन सूचना
(नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147(1)B)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं, कार्यालय आदर्श नगर पंचायत पकड़िया नौगवां पीलीभीत में कर निर्वाचन माग वसूली रजिस्टर में विभिन्न सम्पत्तियों में नाम परिवर्तन हेतु आवेदन प्रेषित किया गया हैं, जो निम्नवत् हैं–

क्र. सं.	वर्तमान में रजिस्टर में अंकित नाम	नाम परिवर्तन उपरान्त आने वाले व्यक्ति का नाम व पता	भवन/सम्पत्ति संख्या	मोहल्ला	आधार
1.	स्व. श्री. गयादीन	श्री धर्मेन्द्र कुमार पुत्र स्व. श्री गयादीन	1526/1064	ग्राम दियोराजपुर बीसलपुर, पीलीभीत	गयादीन का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत रजिस्टरी आधार कार्ड, परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र पुत्रियों का अनापत्ति शपथ पत्र
2.		श्री दीपक कुमार मौर्य पुत्र स्व. श्री गयादीन	1526/1064	ग्राम दियोराजपुर बीसलपुर, पीलीभीत	गयादीन का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत रजिस्टरी आधार कार्ड, परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र पुत्रियों का अनापत्ति शपथ पत्र
3.		श्री हरिओम पुत्र स्व. श्री गयादीन	1526/1064	ग्राम दियोराजपुर बीसलपुर, पीलीभीत	गयादीन का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत रजिस्टरी आधार कार्ड, परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र पुत्रियों का अनापत्ति शपथ पत्र

यदि किसी नगरिक को उक्त नाम परिवर्तन पर कोई भी आपत्ति हैं, तो विज्ञप्ति के 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से आपत्ति मय साक्ष्यों सहित कार्यालय नगर पकड़िया नौगवां पीलीभीत में प्रस्तुत कर सकते हैं। वाद गुजरने मियाद प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत पकड़िया नौगवां, पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

रूस ने रातभर में 206 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने पिछली रात 206 यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। मंत्रालय के बयान में कहा गया, पिछली रात वायु रक्षा प्रणालियों ने 206 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहनों को रोककर नष्ट कर दिया।" बयान के अनुसार, 62 ड्रोन ब्रायांस्क क्षेत्र में, 43 मॉस्को क्षेत्र में, 28 क्रास्नोडार क्षेत्र में, 18 क्रीमिया में, 12 स्मोलेंस्क क्षेत्र में, 9 कलुगा क्षेत्र में, 8 बेलगोरोड क्षेत्र में, 6 रोस्तोव क्षेत्र में, 4 लेनिनग्राद क्षेत्र में, 3 अस्त्रखान क्षेत्र में और 1 अदिगेया गणराज्य में मार गिराए गए। इसके अलावा, आज़ोव सागर के ऊपर 12 ड्रोनों को भी नष्ट किया गया है।

विरोध प्रदर्शन के बाद रेलवे परीक्षा स्थगित

बेंगलुरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने रेलवे की परीक्षाएं केवल अंग्रेजी और हिंदी में कराने के खिलाफ कन्नड़ समर्थक संगठनों के प्रदर्शन के बाद मंगलवार को अचानक भर्ती परीक्षाएं रद्द कर दीं। कर्नाटक रक्षणा वेदिके के सदस्य बेंगलुरु और हुबली में परीक्षा केंद्रों के बाहर एकत्र हुए और कन्नड़ में भी परीक्षा कराने की मांग की। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के एक अधिकारी ने कहा, विरोध प्रदर्शनों के कारण भर्ती परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं और अगली तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि एसडब्ल्यूआर ने मालगाड़ी प्रबंधक के 194 पद समेत 295 पदों को भरने के लिए मंगलवार को परीक्षा निर्धारित की थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कन्नड़ भाषी उम्मीदवारों के साथ इस तरह का अन्याय न हो।

एलआईसी एजेंट से एक लाख रुपये लूटे

सासाराम। बिहार में रोहतास जिले के नगर थाना क्षेत्र के काजीपुरा मोहल्ले में देर रात घर लौट रहे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) एजेंट को बदमाशों ने हथियार के बल पर लूट लिया। एलआईसी एजेंट रोहित पोद्दार रात्रि में जब अपने घर वापस आ रहे थे, तभी तीन लूटेरों ने हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया। लुटेरों ने उनसे एक लाख नकद, एक मोबाइल तथा बैग भी लूट लिया।

हरियाणा रास चुनाव : भाजपा के भाटिया, कांग्रेस के बौद्ध निर्वाचित

क्रॉस-वोटिंग होने के चलते बहुत मुश्किल से जीते कांग्रेस प्रत्याशी करमवीर बौद्ध

चंडीगढ़, एजेंसी

भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर सिंह बौद्ध को हरियाणा से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रतिष्ठा का सवाल बनी इन दोनों सीटों के लिए मतगणना, गोपनीयता के उल्लंघन के आरोपों के चलते दोनों दलों के बीच विवाद के कारण सोमवार आधी रात के बाद तक हुई। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल (63) के खिलाफ बौद्ध की जीत आसान नहीं रही क्योंकि क्रॉस-वोटिंग ने कांग्रेस की विजय की आरामदायक स्थिति को झटका दिया।

भाजपा के भाटिया (58) करनाल से पूर्व लोकसभा सदस्य हैं, वहीं बौद्ध (61) हरियाणा सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी और एक प्रमुख दलित कार्यकर्ता हैं जो वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति विभाग के समन्वयक के रूप में सेवा दे रहे हैं। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) के दो विधायकों ने मतदान नहीं किया जिससे 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में वैध मतों की संख्या घटकर 88 रह गई। अधिकारियों ने बताया कि पांच वोट अमान्य घोषित किए गए जिनमें चार कांग्रेस के और एक भाजपा का है। इनेलो के नेता अभय सिंह चौटाला और आदित्य देवी लाल ने कहा कि पार्टी ने जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मतदान से दूर रहने का फैसला किया। कांग्रेस और भाजपा द्वारा मतदान की गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क करने के बाद, आयोग ने कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह के वोट को अमान्य घोषित कर दिया। भाटिया ने पहली सीट पर आसानी से जीत हासिल की, उन्हें 39 प्रथम वरीयता वोट मिले। दूसरी सीट के लिए हुए मुकाबले में बौद्ध को 28 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार नांदल को 16 वोट मिले। राज्यसभा चुनाव की एक सीट जीतने के लिए आवश्यक कोटा 2,767 (वोट मूल्य) था तथा भाटिया और बौद्ध दोनों ने इस सीमा को पार कर लिया। कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग की और अगर एक और कांग्रेस विधायक निर्दलीय उम्मीदवार के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग करता तो नांदल भाटिया के 11 द्वितीय वरीयता वोट हासिल कर 28 तक पहुंच सकते थे।

कांग्रेस ने तीन विधायकों को निलंबित किया

भुवनेश्वर। ओडिशा में विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में मतदान करने और उन्हें राज्यसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए अपने तीन विधायकों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। इन विधायकों में सनाखेमुंडी के रमेश चंद्र जेना, मोहना के दशरथी गोमांगो और बाराबती-कटक की सोफिया फिरदौस शामिल हैं। पार्टी के अनुसार, इन विधायकों ने सोमवार को राज्यसभा चुनाव के दौरान राय के पक्ष में वोट दिया था। उनके निलंबन की घोषणा करते हुए कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जो लोग कांग्रेस के साथ विश्वासघात करते हैं, वे राष्ट्र के साथ विश्वासघात करते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरबिंद दास ने कहा कि उनके कृत्यों की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया और इन कृत्यों को पार्टी के हितों के लिए हानिकारक माना गया। उन्होंने बताया कि पार्टी की इस कार्रवाई की सूचना अध्यक्ष को दी जाएगी।

उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में यूसीसी को लागू करने की तैयारी

गांधीनगर, एजेंसी

- समिति ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को सौंपी मसौदा रिपोर्ट
- चालू बजट सत्र के दौरान विस में पेश हो सकता है बिल

गुजरात में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित पांच सदस्यीय समिति ने मंगलवार को अपनी विस्तृत व अंतिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को सौंप दी। राज्य सरकार फिलहाल चल रहे बजट सत्र के दौरान विधानसभा में यूसीसी का मसौदा विधेयक प्रस्तुत कर सकती है।

उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपते समय एक प्रस्तुति दी। सरकार ने फरवरी पिछले साल यह समिति गठित की थी, जिसका उद्देश्य राज्य में यूसीसी के लागू करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गौर करना और इसके लिए मसौदा विधेयक तैयार करना था। प्रस्तुति के दौरान, समिति की अध्यक्ष ने कहा कि रिपोर्ट में विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में सभी धर्मों और समुदायों के लिए एक सामान्य कानूनी तंत्र बनाने का सुझाव दिया गया है। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि विशेष रूप से महिलाओं के समान अधिकारों और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। समिति के अन्य सदस्य में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सी. एल. मीणा, वरिष्ठ वकील आर. सी. कोडकर, वीर नर्मद साउथ गुजरात विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. दक्षेश ठाकुर और समाजसेवी गीता श्रॉफ शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि राज्य सरकार 25 मार्च को बजट सत्र के अंतिम दिन यूसीसी का मसौदा विधेयक विधानसभा में पेश कर सकती है। समिति के गठन के समय, मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य सरकार देशभर में यूसीसी लागू करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री पटेल ने यह भी कहा था कि पांच सदस्यीय समिति यूसीसी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गौर करके अपनी रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखेगी। आधिकारिक तौर पर समिति से उम्मीद की गई थी कि वह 45 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, लेकिन बाद में समिति को समय-समय पर मोहलत दी गई।

समिति को प्राप्त हुए कुल 19 लाख सुझाव

प्रतिक्रिया के लिए एक वेबसाइट भी बनाई गई थी, जहां लोगों ने यूसीसी पर अपनी राय व्यक्त की थी। समिति को लगभग 19 लाख सुझाव प्राप्त हुए थे। सरकार के आश्वासन के बावजूद, मुस्लिम समुदाय ने प्रस्तावित यूसीसी के खिलाफ आपत्ति दर्ज की थी, और अप्रैल 2025 में अहमदाबाद और वडोदरा में मानव श्रृंखलाएं बनाई थीं। पिछले साल दिसंबर में, गुजरात उच्च न्यायालय ने समिति गठित करने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। सूरत के निवासी याचिकाकर्ता अब्दुल वहाब सोपरिवाला की याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि वह इस मामले में दखल नहीं दे सकती।

अलगाववादी नेता शब्बीर शाह को सुप्रीम कोर्ट से बेल

नई दिल्ली, एजेंसी

- जल्दी सुनवाई की संभावना क्षीण होने पर लिया निर्णय

उच्चतम न्यायालय ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को आतंकवाद के वित्त-पोषण के मामले में यह कहते हुए जमानत दी है कि यदि मुकदमा समय पर समाप्त होने की संभावना नहीं हो तो निरंतर हिरासत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन का कारण बन सकती है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 12 मार्च के अपने आदेश में कहा कि मुकदमे के जल्दी निपटने की संभावना कम है और 74-वर्षीय शाह लंबी अवधि से हिरासत में हैं।

हालांकि पीठ ने शाह पर कड़ी जमानत शर्तें भी लागू की हैं, जिनमें मामले के बारे में मीडिया के समक्ष कोई टिप्पणी न करने का आदेश भी शामिल है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शाह को चार जून 2019 को गिरफ्तार किया था। पीठ ने कहा कि शाह आठ साल से अधिक समय तक कारावास में रहे हैं। किसी आरोपी की लंबी हिरासत, विशेषकर ऐसी परिस्थितियों में जहां मुकदमे में बहुत कम या कोई वास्तविक प्रगति नहीं हुई हो, जमानत के मामले में निर्णय लेने में एक महत्वपूर्ण कारक है। आदेश में यह रेखांकित किया गया कि यदि मुकदमा समय पर समाप्त होने की संभावना नहीं है, तो निरंतर हिरासत संविधान में प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हनन का कारण बन सकती है। शीर्ष अदालत ने कहा, यह देखते हुए कि मुकदमे के जल्दी निपटने की संभावना कम है तथा अपीलकर्ता की लंबी हिरासत अवधि और उनकी वृद्धावस्था को ध्यान में रखते हुए, हम अपीलकर्ता को मुकदमे के लंबित रहने के दौरान जमानत देने के इच्छुक हैं।

केसी त्यागी ने जनता दल यूनाइटेड से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ दी है और अपने भविष्य के कदम को लेकर जल्द फैसला करेंगे। त्यागी समता पार्टी और जनता दल के विलय से अक्टूबर 2003 में अस्तित्व में आई पार्टी जदयू से जुड़े हुए थे। उन्होंने जदयू में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया था। त्यागी (75) ने कहा कि मैंने पार्टी छोड़ दी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान समाप्त हो गया है। इस बार मैंने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है।उन्होंने हालांकि रेखांकित किया कि समाज के वंचित वर्गों सहित दलितों, किसानों और कृषि श्रमिकों के हितों से संबंधित व्यापक वैचारिक मुद्दों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पहले की तरह ही दृढ़ है।

विपक्ष ने ट्रेनों में जनरल डिब्बों को लेकर झूठा विमर्श गढ़ा : वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा में रेलमंत्री वैष्णव बोले-विपक्ष के लिए गरीब सिर्फ वोट बैंक
- कहा-हर ट्रेन में कुल डिब्बों की 70 प्रतिशत हैं जनरल-स्लीपर बोगियां

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष पर रेलवे के जनरल और स्लीपर डिब्बों को लेकर फर्जी विमर्श गढ़ने और विकास विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसके लिए गरीब सिर्फ वोट बैंक रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार गरीबों के लिए समर्पित होकर काम करती है। वैष्णव ने वर्ष 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि सभी ट्रेनों में जनरल और स्लीपर डिब्बों की संख्या कुल डिब्बों का 70 प्रतिशत है।

उन्होंने तीन चुनावी राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के सत्तारूढ़ दलों को मंगलवार को विकास विरोधी करार देते हुए कहा कि इन्होंने इन प्रदेशों में रेलवे परियोजनाओं को अवरुद्ध कर रखा है। इन तीनों प्रदेशों तथा असम और पुडुचेरी में अगले महीने विधानसभा चुनाव होना है। मंत्री के जवाब के बाद, सदन ने रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों को कई विपक्षी सदस्यों के कटौती प्रस्तावों को खारिज करते हुए ध्वनिमत से स्वीकृति प्रदान कर दी। चर्चा में, 210 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। वैष्णव ने अपने जवाब में कहा कि कई सांसदों ने फर्जी विमर्श गढ़ने की कोशिश की। आज भी जनरल और स्लीपर डिब्बों की संख्या कुल डिब्बों का 70 प्रतिशत है। हमारी प्रतिबद्धता गरीबों के प्रति है। यह हर कार्यक्रम में दिखाई देता है। वैष्णव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग नहीं समझ सकते हैं, क्योंकि उन्होंने सिर्फ गरीबी हटाओ के नारे दिए और इनके लिए गरीब सिर्फ वोट बैंक रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का रवैया यही बना रहेगा तो वह अपनी जगह (विपक्ष) पर ही रह जाएगा। मंत्री ने कहा कि बजट में रेलवे को किये गए रिकॉर्ड आवंटन का लाभ देश के प्रत्येक राज्य को मिलेगा। रेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल पहले रेलवे बजट को आम बजट के साथ मिलाने का जो निर्णय लिया था, उसका फायदा रेलवे को अब भी मिल रहा है और आगे भी मिलता रहेगा।

पुरी की बेटी को एप्स्टीन से जोड़ने वाली सामग्री हटाएं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया मंचों पर ऐसी सामग्री प्रसारित करने से भी रोका। हिमायनी पुरी द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई कर रहीं न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो मंच ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस (सामग्री) तक पहुंच को अवरुद्ध कर देंगे। अदालत ने कहा कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि परिणामस्वरूप, अगली सुनवाई की तारीख तक निम्नलिखित निर्देश जारी किए जाते हैं।

दलितों को कोड़े मारने में पांच साल की कैद

गिर सोमनाथ, एजेंसी

- पांचों दोषियों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया
- 10 साल पहले के मामले में कोर्ट ने 35 अन्य को किया बरी

गिर-सोमनाथ जिले के ऊना कस्बे की है घटना

यह घटना 11 जुलाई, 2016 को गिर-सोमनाथ जिले के ऊना कस्बे के पास मोटा समाधियाला गांव में हुई थी, जब चार दलित युवक अपने पारंपरिक पेशे के तहत किसी अन्य गांव में पहले मर चुकी एक गाय की खाल उतार रहे थे। खुद को गौ रक्षक बताने वाले दोषियों ने युवकों को बुरी तरह पीटा, जिन्हें बाद में अवैध रूप से हवालात में बंद कर दिया गया और पुलिसकर्मियों ने भी उनकी पिटाई की। आरोप है कि चारों दलित व्यक्तियों को लगभग 4-5 घंटे तक पीटा गया।

गुजरात के ऊना में 2016 में मृत गाय की खाल उतारने की कोशिश करने वाले चार दलित व्यक्तियों को कोड़े मारने के मामले में एक विशेष अदालत ने मंगलवार को पांच लोगों को पांच साल कैद की सजा सुनाई और उनपर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। इससे एक दिन पहले वेरावल की विशेष अदालत ने इस मामले में पांच व्यक्तियों को दोषी पाया था, जबकि 35 अन्य को बरी कर दिया था।

इसके अलावा मामले में आरोपी एक पुलिसकर्मी की मौत होने के बाद उसके खिलाफ मामला खत्म कर दिया गया था। एक नाबालिग के खिलाफ सुनवाई जारी है। मोटा समधियाला गांव में हुई हमले की इस घटना के वीडियो वायरल होने पर देशभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। एससी/एसटी मामलों के विशेष न्यायाधीश जे जे पांड्या की अदालत ने मंगलवार को पांच दोषियों को एससी/एसटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत पांच वर्ष की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने पांच वर्ष के अधिकतम कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 323 और 324 के तहत तीन वर्ष के कारावास, धारा 342 के तहत एक वर्ष के कारावास और धारा 504 के तहत दो वर्ष के कारावास की सजा भी सुनाई। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी।

बचाव पक्ष के वकील विजय कुमार ने बताया कि इन पांच दोषियों में से चार पहले ही छह साल से अधिक की सजा काट चुके हैं, जबकि एक अन्य पिछले चार साल और दो महीने से जेल में है और उसे शेष सजा काटनी होगी। अदालत ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान 260 गवाहों का परीक्षण किया। आईपीसी की जिन धाराओं के तहत आरोपियों को दोषी ठहराया गया है, वे साधारण चोट पहुंचाना, खतरनाक हथियारों से जानबूझकर चोट पहुंचाना, बंधक बनाना और जानबूझकर अपमान करने से संबंधित हैं।

भारत और ईयू ने ऊर्जा सुरक्षा पर किया विमर्श

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में विकराल होते संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर इसके दूरगामी प्रभावों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ (ईयू) के 27 सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता की। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता को रेखांकित किया। ईरान द्वारा फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक संकरे समुद्री परिवहन मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद वैश्विक तेल गैस की कीमतों में उछाल आया है।

बुद्धं शरणं गच्छामि...

बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक पाठ समारोह में मंगलवार को थाईलैंड के बौद्ध भिक्षुओं ने भाग लिया।

महाराष्ट्र विप : धर्मांतरण पर रोक का बिल पारित

मुंबई, एजेंसी

- राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद कानून बन जाएगा विधेयक
- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने किया विधेयक का कड़ा विरोध

महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 मंगलवार को विधान परिषद में पारित होने के साथ ही कानून बनने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गया। इसमें जबरदस्ती, धोखाधड़ी, प्रलोभन या विवाह के जरिए कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के कड़े प्रावधान हैं। राज्य विधानमंडल द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के बाद अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। विधानसभा ने एक दिन पहले ध्वनि मत से विधेयक को पारित किया था।

गृह राज्य मंत्री पंकज भोयर ने इस विधेयक को परिषद में पेश किया। विपक्षी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने इस विधेयक का समर्थन किया है, जबकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने इसका विरोध किया है। इस विधेयक के अनुसार, विवाह के बहाने गैरकानूनी रूप से धर्मांतरण कराने वालों को सात साल की जेल की सजा होगी और उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा। यह विधेयक प्रलोभन, गलतबयानी, बल प्रयोग, अनुचित प्रभाव, दबाव या किसी अन्य कपटपूर्ण तरीके से कराए गए धर्मांतरण को प्रतिबंधित करता है।

सेमिनार संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतानेनी ने किया दुनिया के देशों का आह्वान

धर्म के राजनीतिकरण के खिलाफ एकजुट हो वैश्विक समुदाय

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- इस्लामोफोबिया नैरेटिव के उपयोग के लिए पाकिस्तान पर साधा निशाना

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतानेनी ने मंगलवार को धर्म के राजनीतिकरण और आस्था को हथियार बनाने के बढ़ते खतरों के खिलाफ वैश्विक सतर्कता का आह्वान किया। पर्वतानेनी इस्लामिक सहयोग संगठन और यूनाइटेड नेशंस अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटरनेशनल डे टू कॉम्बैट इस्लामोफोबिया को संबोधित कर रहे थे।

राजदूत ने इस्लामोफोबिया के नैरेटिव का उपयोग करने के लिए पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और कहा कि संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए आस्था का उपयोग करना चिंताजनक है। पर्वतानेनी ने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धार्मिक पहचान के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, संयुक्त राष्ट्र के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह धार्मिक पहचान को हथियार बनाने और इसे संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस्तेमाल करने की बढ़ती प्रवृत्ति और खतरों पर ध्यान दे, चाहे वह सरकारी पक्ष की तरफ से हो या गैर-सरकारी पक्ष की ओर से।

भारत का पश्चिमी पड़ोसी अपने पड़ोस में इस्लामोफोबिया की काल्पनिक कहानियाँ गढ़ने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। राजदूत ने सभा से पड़ोसी देश के मानवाधिकार रिकॉर्ड का मूल्यांकन करने का आग्रह किया और सवाल उठाया कि अहमदिया समुदाय के व्यवस्थित दमन और अफगान शरणार्थियों की जबरन वापसी को कैसे उचित ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा, कोई आश्चर्य कर सकता है कि इस देश में अहमदिया समुदाय के क्रूर दमन, या असहाय अफगानों की बड़े पैमाने पर वापसी या रमजान के इस पवित्र महीने में हवाई बमबारी अभियानों को क्या कहा जाएगा?

राजदूत ने कहा, इतिहास इस बात का गवाह है कि धर्म का राजनीतिकरण शिकायतों का समाधान नहीं करता है। हम ऐसे ढांचे के खिलाफ सावधानी बरतने का आग्रह करते हैं जो केवल एक ही आस्था पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हरीश पर्वतानेनी ने धर्म या विश्वास के आधार पर असहिष्णुता और भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन पर 1981 के संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र को एक संतुलित और स्थायी साधन बताया।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता

राजदूत ने भारत की बहुलवादी विरासत और धर्मनिरपेक्षता के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए जोर दिया कि धार्मिक भेदभाव के चुनिंदा नैरेटिव सह-अस्तित्व और शांति के सिद्धांतों को कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा प्रतिनिधिमंडल धर्म के नाम पर हिंसा और नफरत की कड़ी निंदा करता है, चाहे वह कोई भी धर्म हो। पर्वतानेनी ने कहा, एक ऐसे राष्ट्र के रूप में जिसने हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म जैसे दुनिया के चार प्रमुख धर्मों को जन्म दिया है, भारत धार्मिक भेदभाव से मुक्त दुनिया की आवश्यकता से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने भारतीय दर्शन ''सर्व धर्म समभाव'' का उल्लेख किया और देश के सभ्यतागत लोकाचार और संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता पर प्रकाश डाला।

मानवीय गरिमा बढ़ाने में संरा का योगदान

संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर राजदूत ने जोर देते हुए कहा, शांति और मानवीय गरिमा के लिए संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा योगदान अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रयासों में और सार्वभौमिक मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में है। पर्वतानेनी ने धार्मिक स्वतंत्रता पर भारत के रिकॉर्ड का बचाव करते हुए कहा, जम्मू-कश्मीर सहित भारत में मुस्लिम अपने लिए बोलने के लिए अपने प्रतिनिधि स्वयं चुनते हैं। यहाँ एकमात्र ''फोबिया'' (डर) उस बहुसांस्कृतिक और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के खिलाफ दिखाई देता है जिसका भारत में सभी समुदाय आनंद लेते हैं। राजदूत ने सभी रूपों में धार्मिक घृणा और हिंसा से मुक्त दुनिया के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमृत विचार

बुधवार, 18 मार्च 2026

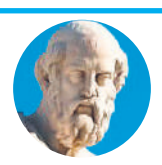

मैं वास्तव में केवल अपनी अज्ञानता की सीमा को ही जानता हूं।
–प्लेटो, दार्शनिक

विपक्ष का बिखराव

बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुए हालिया राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि विपक्षी एकजुटता अभी भी कागज़ी ज्यादा और ज़मीनी कम है। महागठबंधन और व्यापक विपक्षी मोर्चे की जो छवि प्रस्तुत की जाती रही है, उसमें दरारें खुलकर सामने आ गईं। विपक्ष अगर एकजुट रहता तो उसे एक-दो अतिरिक्त सीटें अवश्य मिल सकती थीं। क्रॉस वोटिंग और रणनीतिक चूक ने विपक्ष को नुकसान पहुंचाया। विशेषकर ओडिशा में कांग्रेस के विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग और बीजद के भीतर भी अनुशासनहीनता यह दिखाती है कि विपक्षी दलों के भीतर संगठनात्मक कमजोरी गहरी है।

कांग्रेस की रणनीति में शिथिलता के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं- स्थानीय नेतृत्व की कमजोरी, विधायकों पर नियंत्रण की कमी और चुनावी गणित का सही आकलन न कर पाना। इसके विपरीत भाजपा ने महीनों पहले से तैयारी कर, अपने उम्मीदवारों की संख्या, समर्थन और संभावित क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं का सूक्ष्म आकलन किया। यही कारण है कि सीमित संख्या में विधायकों के बावजूद उसने अपेक्षा से अधिक सफलता प्राप्त की। ओडिशा में इस चुनाव ने संकेत दिया कि बीजद के भीतर दरारें उभर रही हैं, हालांकि पटनायक का हार्स ट्रेडिंग का आरोप राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा है, परंतु क्रॉस वोटिंग की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि दलों के भीतर अनुशासन पूर्ववत नहीं रहा। एनडीए के खाते में 22 सीटों का जाना और विपक्ष के हिस्से में सात सीटों की कमी राज्यसभा की गणित को स्पष्ट रूप से सत्ता पक्ष के पक्ष में झुका देता है। इससे सरकार को विधायी कार्यों में अपेक्षाकृत कम बाधा का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में अब विपक्ष की भूमिका सीमित होती दिखेगी। भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी प्रबंधन का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। इन परिणामों को आगामी चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से जोड़ा कर भी देखा जाना उचित होगा। राज्यसभा के चुनावों ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष की अंदरूनी कमजोरी अभी भी बनी हुई है, जबकि सत्तापक्ष अपनी रणनीतियों में पर्याप्त सफलता पा रहा है। इससे चुनावों में सत्ता पक्ष का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन विधानसभा चुनावों में अंतिम निर्णय मतदाता स्थानीय मुद्दों के आधार पर ही करेंगे। साढ़े सत्रह करोड़ मतदाताओं के इस चुनावी महासमर में जो दल बेहतर संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और ठोस मुद्दों के साथ मैदान में उतरेंगे, वही सफलता प्राप्त करेंगे। इन राज्यों से लोकसभा और राज्यसभा के पर्याप्त सदस्य आते हैं, इसलिए यहां की जीत भविष्य के राष्ट्रीय समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है। जहां तक उपचुनावों का प्रश्न है, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की आठ सीटों के परिणाम सीमित प्रभाव वाले होंगे, परंतु वे राजनीतिक रुझानों का संकेत अवश्य देंगे।

कुल मिलाकर राज्यसभा चुनावों ने विपक्ष के लिए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि सिर्फ गठबंधन बना लेना पर्याप्त नहीं, उसे जमीन पर प्रभावी भी बनाना होगा। वहीं सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर है, लेकिन उसे भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में अंतिम और कारसाज निर्णय हमेशा जनता के हाथ में होता है।

प्रसंगवश

कृषि देश में बीज का इंतजार करती महिला किसान

भारत को कृषि प्रधान देश के रूप में ही देखा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सबसे अधिक कठिनाई किसानों को ही होती है। कभी सूखा तो कभी बाढ़ और कभी बीज तो कभी मार्केट की समस्या उनके साथ लगी ही रहती है। बात जब महिला किसानों की आती है, तो यह समस्या और भी अधिक बढ़ जाती है। देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां महिला किसानों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गांव की लगभग हर महिला किसान की कहानी ऐसी ही है। खेत तैयार होने के बाद अगर बीज समय पर न मिले, तो पूरा खेती का चक्र बिगड़ जाता है।

बिहार में कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य की लगभग 76 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में खेती पर निर्भर है। राज्य में करीब 56 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती होती है और धान, गेहूं और मक्का प्रमुख फसलें हैं। बिहार में धान का उत्पादन लगभग 99.34 लाख टन, गेहूं 78.27 लाख टन और मक्का 66.03 लाख टन के आसपास है। खेती का यह मजबूत ढांचा छोटे किसानों विशेषकर महिला किसानों की परेशानियों को हमेशा हल नहीं कर पाता। उत्तर बिहार के इलाके हर साल बाढ़ से भी प्रभावित होते हैं। मौसम की अनिश्चितता भी खेती के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है, जिससे खरीफ फसलों पर असर पड़ता है।

साक्षी कुमारी
एक्टिविस्ट

बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश के औसत से काफी कम रही है, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले किसानों की आय सीमित बनी रहती है। जब खेती पर निर्भर परिवारों की आय कम होती है और खेती से जुड़े संसाधन समय पर नहीं मिलते, तब सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। वे खेत में काम करती हैं, घर संभालती हैं और परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती हैं, लेकिन खेती से जुड़ी योजनाओं और संसाधनों तक उनकी पहुंच अभी भी सीमित है। ऐसे में अगर इन महिला किसानों की स्थिति को बेहतर बनाना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सबसे पहले गांव स्तर पर बीज वितरण की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे किसानों को समय पर और उचित कीमत पर बीज मिल सके। पंचायत स्तर पर बीज बैंक बनाए जा सकते हैं, जहां किसान जरूरत के समय बीज प्राप्त कर सकें। दूसरा, महिला किसानों के लिए स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि वे सामूहिक रूप से बीज और अन्य कृषि संसाधन खरीद सकें। इससे लागत कम होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। तीसरा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऐसी फसल किस्मों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो कम समय में तैयार हो जाएं और मौसम की अनिश्चितता को सहन कर सकें। इसके साथ ही कृषि विभाग को गांवों में नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि महिला किसान आधुनिक खेती के तरीकों से जुड़ सकें।

महिलाएं हर साल अपने खेतों में उम्मीद बोती हैं, लेकिन यह उम्मीद तभी हकीकत बन सकती है जब उन्हें सही समय पर सही संसाधन मिलें। समय पर बीज मिलना सिर्फ खेती की जरूरत नहीं है, बल्कि उन परिवारों के जीवन को स्थिर करने का रास्ता भी है जिनकी दुनिया खेत की मेड़ों से शुरू होकर वहीं खत्म होती है। अगर नीति और व्यवस्था इन महिलाओं की मेहनत के साथ खड़ी हो जाए, तो मुजफ्फरपुर की मिट्टी सिर्फ फसल ही नहीं बल्कि हजारों परिवारों की बेहतर जिंदगी भी उगा सकती है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

पश्चिम एशिया की तबाही का जिम्मेदार कौन!

अरविंद जयतिलक
लेखक

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध ने एक बार फिर पश्चिम एशिया को संकट में डाल दिया है। सच कहें तो पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि आज पूरी दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर आ गई है। इस युद्ध में हजारों लोग काल-कवलित हो चुके हैं और खरबों की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। हर दिन युद्ध की आग बढ़ती जा रही है। खाड़ी के सभी 17 देश युद्ध की आग की ताप से हलकान हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया भर में तेल का संकट गहरा गया है। सवाल यह है कि पश्चिम एशिया को आग में झोंकने वाला खलनायक कौन है?

समझ से परे है कि जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरुरत क्यों आन पड़ी? किसी से छिपा नहीं है कि ईरान और बाइडन सरकार ने 2015 के समझौते को नए सिरे से आकार देने की कोशिश की थी। क्या डोनाल्ड ट्रंप उस समझौते को आगे नहीं बढ़ा सकते थे? लेकिन उन्होंने ऐसा न कर वार्ता को बर्फखाने में डाल दिया। आज की तारीख में ऐसा कोई कारण नहीं था कि ईरान पर हमला बोलकर युद्ध को निमंत्रण दिया जाए। जिस तरह डोनाल्ड ट्रप ने इजरायल का साथ देते हुए ईरान पर हमला बोलकर वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खोमनेई समेत शीर्ष नेताओं को खत्म किया है, उससे फिर जंग की आग को रोक पाना कहां तक संभव था।

गौर करें तो इजरायल कतई नहीं चाहता था कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर कोई सहमति बने। याद होगा 2015 से पहले जब ईरान का अमेरिका समेत अन्य शक्तिशाली देशों के साथ परमाणु समझौता हुआ था, तब भी इजरायल ने इसे ऐतिहासिक गलती करार दिया था। दरअसल इजरायल इस नतीजे पर था कि ईरान के साथ पुराने समझौते को अमलीजामा पहनाना एक किस्म से तेहरान को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने जैसा होगा। इजरायल वार्ता के विरोध में नहीं था, लेकिन वह चाहता था कि मौजूदा समझौता 2015 के समझौते से बेहतर हो। 2015 के समझौते के मुताबिक अगले डेढ़ दशक में ईरान की परमाणु गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध समाप्त हो जाने का प्रावधान था, जिसे लेकर इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने नाखुशी जाहिर की थी, लेकिन अब वार्ता ठंडे बस्ते में है और उसकी जगह गोले और बम बरस रहे हैं। एक-दूसरे को खत्म करने के इरादे बुलंद किए जा रहे हैं। जिस तरह ईरान द्वारा अमेरिका-इजरायल के अलावा खाड़ी के अमेरिकी समर्थन वाले देशों को निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि हालात और बदतर होंगे।

ऐसा नहीं है कि इस युद्ध को रोका नहीं जा सकता था। अगर ईरान और अमेरिका वार्ता जारी रखते तो इस युद्ध को आसानी से टाला जा सकता था। थोड़ा अतीत में जाएं, तो पहले भी कई बार जंग की स्थिति बन चुकी थी, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के आखिरी कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील होने के बाद स्थिति संभल गई। तब परमाणु डील के बाद अमेरिका ने ईरान को खाद्य और फर्मास्युटिकल क्षेत्र में व्यापार की अनुमति दे दी थी। प्रतिबंध हटते ही ईरान को वैश्विक क्षितिज पर उड़ान भरने का मौका मिल गया था। अपने पुनर्निर्माण के लिए खुलकर कच्चा तेल बेचने के साथ विदेशी बैंकों में जमा 100 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों का भी उपभोग करने लगा, हालांकि एक नए घटनाक्रम में अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर उसके विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए इस कार्यक्रम से जुड़ी 11 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के साथ लगातार आंख-मिचौली करता रहा है। 1950 में आइजन हावर प्रशासन के 'एटम फॉर पीस' कार्यक्रम के तहत पहली बार ईरान को सहायता मिली, लेकिन 1979 में अयातुल्ला खुमैनी द्वारा शाह शासन द्वारा प्रारंभ किए गए सभी नाभिकीय उर्जा संयंत्रों एवं परियाजनाओं को निरस्त कर दिया गया। यह वह समय था जब ईरान की इस्लामिक क्रांति उफान पर थी और शहरों में तेल के पैसों से समृद्धि थी, लेकिन गांवों में गरीबी दहाड़ मार रही थी।

आधुनिकीकरण के हिमायती शाह को ईरान की जनता पश्चिमी देशों की पिठ्ठू के रूप में देखने लगी। 1979 में अभूतपूर्व हिंसक प्रदर्शन हुए और अमेरिकी दूतावास को घेर लिया गया। शाह के समर्थकों और जनता के बीच संघर्ष चलता रहा और अंततः ईरान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया। इराक युद्ध एवं सद्दाम हुसैन के दृष्टिकोण के कारण ईरान अपने नाभिकीय कार्यक्रम पर विचार के लिए बाध्य हुआ और वे 4500 नाभिकीय वैज्ञानिक जो इस्लामिक क्रांति के दौरान देश छोड़कर जा चुके थे, में से 80 फीसद को वापस बुला लिया गया।

1986 में तेहरान द्वारा नाभिकीय सुविधाएं स्थापित करने में सहायता के अनुरोध पर पाकिस्तान के अणु बम के जनक और बदनाम वैज्ञानिक एक्यू खान का ईरान दौरा हुआ और 1991 में इराक की पराजय ने ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के संकल्प को और मजबूती दे दी। अमेरिका की ईरान पर भौंहे तब तनीं जब 1995 में ईरान ने रूस के साथ क्रांति के उपरांत रद्द हुए बुशेर नाभिकीय रिएक्टर को स्थापित करने के लिए 800 मिलियन डॉलर का समझौता किया।

यह समझौता अमेरिका को बेहद नागवार गुजरा। ईरान के लिए संकट तब खड़ा हुआ जब ईरान विरोधी मुजाहिदीन खल्क संगठन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि ईरान नातांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र एवं अराक में भारी जल उत्पाद संयंत्र बिना अंतर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की जानकारी के स्थापित कर चुका है। 2003 में 'ऑपरेशन इराक फ्रीडम' से ठीक पहले आईएईए द्वारा उसके नाभिकीय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दबाव स्वरूप ईरान ने यूरोपीय यूनियन के साथ परमाणु ईंधन चक्र गतिविधियों को निलंबित करने का समझौता किया फिर भी बात नहीं बनी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरूरत क्यों आन पड़ी?

आमने

यह कांग्रेस के लिए आसान चुनाव नहीं था, लेकिन पार्टी ने बड़ी चुनौती को पार कर लिया है। बीजेपी ने चुनाव में 'वोट चोरी' की कोशिश की, लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार को हराने में सफल नहीं हो पाई। क्रॉस वोटिंग वाले विधायक अब जनता के सामने उजागर हो चुके हैं।

–भूपेंद्र सिंह हुड्डा
नेता विपक्ष, हरियाणा

सामने

कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्हें एक तरह से 'बंधक' बनाकर रखा गया। कांग्रेस के बड़े नेता खुद पोलिंग एजेंट बने, जो यह दिखाता है कि पार्टी के अंदर विश्वास की कमी है। इस चुनाव में INLD ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया।

–नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

कैसा होगा भविष्य का ऊर्जा परिदृश्य

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व परमाणु उद्योग स्थिति रिपोर्ट के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते पच्चीस वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है, वहीं नवीकरणीय ऊर्जा उसी अवधि में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में पूरी दुनिया में, जहां केवल 4.4 गीगावॉट नई परमाणु क्षमता का विस्तार हुआ है, वहीं सौर और पवन ऊर्जा में लगभग 793 गीगावॉट की वृद्धि हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक ऊर्जा नीति और निवेश की दिशा अब किस ओर मुड़ चुकी है। परमाणु ऊर्जा, जिसे कभी आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक माना गया था, अब धीरे-धीरे हाशिये पर जा रही है। इसके उलट अक्षय ऊर्जा न केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख स्रोत बनती जा रही है, बल्कि वह एक नई सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दिशा का प्रतिनिधित्व कर रही है।

रिपोर्ट यह भी इंगित करती है कि परमाणु रिएक्टर बनाने वाले देशों की संख्या तेज़ी से घट रही है। पिछले दो वर्षों में यह संख्या 16 से घटकर 11 रह गई है। कई देशों ने या तो अपने अंतिम निर्माण परियोजना पूरी कर ली हैं या फिर नई परियोजनाओं को स्थगित कर दिया है। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों ने अपने आख़िरी निर्माण प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं। वहीं अर्जेंटीना, ब्राज़ील और जापान ने निर्माण कार्यों को या तो रोक दिया है, या पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इन सबके बीच केवल पाकिस्तान ऐसा देश है, जो हाल के वर्षों में इस सूची में नया नाम बनकर उभरा है।

आज दुनिया में 31 देश ऐसे हैं, जहां व्यावसायिक रूप से परमाणु बिजलीघर संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से भी केवल आठ देश ही नए रिएक्टर बना रहे हैं। इसके अलावा तीन देश बांग्लादेश, मिस्र और तुर्किये पहली बार अपने यहां परमाणु रिएक्टर बना रहे हैं। गौरतलब है कि इन तीनों देशों में यह काम रूसी परमाणु उद्योग की सहायता से हो रहा है।

शोधकर्ताओं का विश्लेषण बताता है कि वर्ष 2025 परमाणु उद्योग के लिए एक और निराशाजनक वर्ष रहा। जिस समय दुनिया जलवायु संकट से जूझ रही है और स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है, उस समय परमाणु ऊर्जा अपेक्षित भूमिका निभाने में असफल रही है। वर्ष में दुनिया भर में केवल चार नए रिएक्टर चालू हुए, जबकि सात रिएक्टर स्थायी रूप से बंद कर दिए गए।

आज वैश्विक स्तर पर केवल 404 परमाणु रिएक्टर ही संचालित हैं, जो 2002 के 438 से काफी कम हैं। परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी वैश्विक बिजली उत्पादन में घटकर नौ फीसद रह गई है, जबकि 1996 में यह 17.5 प्रतिशत थी। यह गिरावट बताती है कि परमाणु ऊर्जा न केवल विस्तार में पीछे छूट रही है, बल्कि अपने ऐतिहासिक प्रभुत्व को भी खोती जा रही है। आमतौर पर परमाणु संयंत्र को बनने में दस से पंद्रह साल लगते हैं और लागत अक्सर शुरुआती अनुमान से दोगुनी-तिगुनी हो जाती है।

परमाणु ऊर्जा केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रश्न नहीं है, वह हमेशा से वैश्विक राजनीति, सैन्य शक्ति और सुरक्षा चिंताओं से भी जुड़ी रही है। यही कारण है कि जब भी किसी क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है, तो परमाणु संयंत्र सबसे अधिक जोखिम वाले ठिकानों में गिने जाते हैं। वे स्थिर लक्ष्य होते हैं, जिन पर हमला केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।

चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी आपदाएँ बताती हैं कि एक दुर्घटना पूरे देश और कई पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन आज यह खतरा केवल तकनीकी या प्राकृतिक आपदा तक सीमित नहीं रह गया है। इतिहास गवाह है कि परमाणु संयंत्रों पर सैन्य हमले कोई नई बात नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को अभूतपूर्व रूप से उजागर कर दिया है। इज़राइल द्वारा इराक और सीरिया के परमाणु ठिकानों पर हमले, ईरान-इराक युद्ध में परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना और अमेरिका द्वारा इराक के शोध रिएक्टर को नष्ट करना, वहीं यूक्रेन का ज़ापोरिज़्झिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है, आज भीषण सैन्य तनाव के बीच खड़ा है। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि शांतिपूर्ण परमाणु हमेशा सैन्य राजनीति की छाया में रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस स्थिति को अत्यंत नाजुक और अस्थिर बताया है। वर्ष 2025 में चेर्नोबिल के क्षतिग्रस्त चौथे रिएक्टर के ऊपर बने सुरक्षा गुंबद पर एक ड्रोन हमले ने गंभीर नुकसान पहुंचाया था। यह घटना बताती है कि दशकों पुरानी परमाणु आपदाएं भी आज के युद्धों में दोबारा खतरे में पड़ सकती हैं। इसके अलावा यूक्रेन में कम से कम 10 बार ऐसे सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जो परमाणु संयंत्रों को बिजली आपूर्ति करते हैं। उर्जा एंजेसी के अनुसार ये सब-स्टेशन परमाणु सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से रिएक्टरों को ठंडा रखने और अन्य सुरक्षा प्रणालियां चलाने के लिए बिजली मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते 25 वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है।

सोशल फोरम

खुश होने में भी लगे डर

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि किसी बहुत अच्छी खबर के मिलते ही मन में एक अजीब सा डर बैठ गया हो? जैसे ही आप खुलकर हंसते हैं, वैसे ही अचानक ख्याल आता है कि कहीं अब कुछ बुरा न हो जाए। विज्ञान की दुनिया में इस स्थिति को 'चेरोफोबिया' कहा जाता है। यह कोई साधारण वहम नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक डर है।

ब्रह्मांड ज्ञान
ब्लॉगर

इसके पीछे का असली विज्ञान हमारे दिमाग के 'कंडीशनिंग' पैटर्न में छिपा है। जब किसी व्यक्ति के अतीत में खुशी के ठीक बाद कोई दुखद घटना घटी होती है, तो उसका मस्तिष्क खुशी और दर्द के बीच एक गलत संबंध बना लेता है। दिमाग को लगने लगता है कि खुशी दरअसल आने वाली किसी मुसीबत का संकेत है। मनोवैज्ञानिक इसे एक सुरक्षा तंत्र की तरह देखते हैं, जहां इंसान खुद को आने वाले संभावित दुख से बचाने के लिए खुश होने से ही कतराने लगता है।

यह डर अक्सर उन लोगों में ज्यादा देखा जाता है, जो स्वभाव से बहुत पूर्णतावादी होते हैं या जिन्हें लगता है कि वे खुशी के हकदार नहीं हैं, हालांकि विज्ञान कहता है कि ब्रह्मांड की घटनाओं का आपके हंसने या खुश होने से कोई सीधा संबंध नहीं है। खुश रहना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए ऑक्सीजन। इस डर को सही थेरेपी और सकारात्मक सोच के जरिए बदला जा सकता है, ताकि आप बिना किसी अपराधबोध के अपने खूबसूरत पलों का आनंद ले सकें।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जंग खुद ही एक मसला है वो क्या मसलों का हल देगी

साहिर लुधियानवी का शेर है-

जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी,
इस लिए ऐ शरीफ़ इंसानो
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आंगन में
शमअ जलती रहे तो बेहतर है

इन पंक्तियों में छिपा संदेश आज की दुनिया के लिए बेहद प्रासंगिक है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन पाया। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष की स्थिति बनती दिखाई देती है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या युद्ध सचमुच समस्याओं का हल है?

निज़ाम जिलानी
लेखक

सच्चाई यह है कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः हार ही जाता है, क्योंकि उसमें इंसानियत हारती है। युद्ध केवल विनाश, पीड़ा और अस्थिरता को जन्म देता है। मानव सभ्यता ने जितनी तरक्की विज्ञान, शिक्षा और संवाद के माध्यम से हासिल की है, उससे कहीं अधिक नुकसान युद्धों ने पहुंचाया है। उल्टा, वह अपने साथ नई समस्याओं का ऐसा सिलसिला छोड़ जाती है, जो पीढ़ियों तक समाज को ज़ख्म देता रहता है।

इंसानों ने जो कुछ भी बनाया है शहर, संस्कृतियां, ज्ञान और मानवीय रिश्ते उन्हें नष्ट करने के लिए युद्ध का एक दौर ही काफी होता है। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि हर युद्ध के बाद लोगों के टूटे हुए घर, बिखरे हुए परिवार और अधूरे सपने ही पीछे रह जाते हैं। जीत और हार के आंकड़े भले ही कागजों में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन असली हार इंसानियत की होती है। विडंबना यह है कि हर युद्ध किसी न किसी बड़े आदर्श, सुरक्षा या सम्मान के नाम पर शुरू होता है। राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा या राजनीतिक वर्चस्व के नाम पर युद्ध की आग भड़काई जाती है, लेकिन जब धूल बैठती है, तब सामने आता है- विनाश का वह भयावह सच, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो चुके होते हैं, अनगिनत परिवार अपने परिवारों को खो चुके होते हैं और समाज में नफरत और अविश्वास की गहरी दरारें बन चुकी होती हैं।

आज का समय पहले से कहीं अधिक संवेदनशील है। तकनीक और हथियारों की शक्ति इतनी बढ़ चुकी है कि एक बड़े युद्ध की कल्पना ही मानव सभ्यता के लिए खतरा बन सकती है। परमाणु हथियारों और अत्याधुनिक सैन्य तकनीकों के इस दौर में कोई भी बड़ा संघर्ष, सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दुनिया पहले ही अनेकों गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। गरीबी, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, महामारी और सामाजिक असमानता जैसी तमाम समस्याएं बहुत से देशों के सामने खड़ी हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग और संसाधनों की जरूरत है, लेकिन जब राष्ट्र युद्ध और टकराव की राह पकड़ लेते हैं, तब वही संसाधन हथियारों और सैन्य तैयारियों में खर्च होने लगते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि असली समस्याएं पीछे छूट जाती हैं और दुनिया एक नए संकट की ओर बढ़ने लगती है।

इतिहास यह भी सिखाता है कि जिन समाजों ने संवाद और कूटनीति को अपनाया, उन्होंने स्थायी शांति और विकास हासिल किया। युद्ध की तुलना में बातचीत और समझौता हमेशा अधिक कठिन रास्ता लगता है, क्योंकि उसमें धैर्य, संयम और दूरदर्शिता की जरूरत होती है, लेकिन यही रास्ता अंततः टिकाऊ समाधान देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

डिजिटल और ग्लोबल हुआ लोक गीत-संगीत

भले ही आज की युवा पीढ़ी के बड़े हिस्से को लोक गीत और संगीत उबाऊ, बेमानी और उसके प्रशंसक दिखावटी लगते हों, लेकिन यह भी सच है कि युवाओं की ही तमाम टोलियां लोक गीत-संगीत को सांस्कृतिक धरोहर मानकर आधुनिकता का नया आयाम देने में जुटी हैं। उनके इन प्रयास से पारंपरिक धुनें, डिजिटल तकनीक और फ्यूजन के साथ मिलकर नए-नए रूप में सामने आ रही हैं। गिटार, ड्रम तथा सिंथेसाइजर जैसे वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल करके युवाओं की यह कोशिश देशज गीत-संगीत को क्षेत्रीय संस्कृति से आगे बढ़ाकर वैश्विक मंच प्रदान कर रही है। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

नवाचार के मिलन की प्रक्रिया

लोक गीत-संगीत किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान में विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। वास्तव में यह उस इलाके में रहने वाले आम लोगों के रीति-रिवाजों, परंपराओं और दैनिक जीवन की कहानियों को भावनाओं और संवेदनाओं के सुरों में पिरोकर अप्रतिम झांकी प्रस्तुत करते हैं। इस तरह समय के साथ अधिकतर लोकगीत युद्ध, समुदाय, रीति-रिवाज, परंपरा, संस्कार और अनुष्ठान की पिछली घटनाओं के न सिर्फ साक्ष्य जैसे हैं, बल्कि उस क्षेत्र की जलवायु, भौगोलिक स्वरूप, लोगों के मिजाज, बोली और रहन-सहन जैसे पहलुओं को समझने का दस्तावेज भी हैं। वर्तमान में भारत का लोक संगीत समय के बदलाव के साथ लोक गीत और नवाचार के मिलन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें पारंपरिक लोक संगीत को आधुनिकता, तकनीक और नए वाद्ययंत्रों जैसे गिटार, सिंथेसाइजर के साथ जोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयोग देखे जा रहे हैं। इस मिश्रण ने लोक परंपराओं को युवा पीढ़ी से जोड़ने के साथ सुफियाना लोक रॉक जैसे नए रूपों को विकसित किया है।

पारंपरिक लोक धुनों की नई विधा रॉक या इलेक्ट्रो

पारंपरिक लोक धुनों को आधुनिक वाद्ययंत्रों और रॉक, पॉप या जैज जैसी पश्चिमी शैलियों के साथ मिलाकर 'फोल्क-रॉक' या 'इलेक्ट्रो-फोल्क' जैसी नई विधाएं तैयार की जा रही हैं। उदाहरण के लिए सूफी फोल्क रॉक भारत और पाकिस्तान में काफी लोकप्रिय हुआ है। बॉलीवुड ने भी तमाम पारंपरिक लोक गीतों को आधुनिक संगीत व्यवस्था के साथ पेश करके लोकप्रियता का नए शिखर पर पहुंचाया है। 'घूमर' या 'नगाड़ा के साथ ढोल' जैसे प्रयोग इसी का उदाहरण हैं। यही नहीं, तकनीक के माध्यम से लोक गीतों को रिकॉर्ड कर आर्काइव किया जा रहा है और सोशल मीडिया एवं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए तेजी से युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है।

राजस्थानी लोक संगीत में बढ़ी फ्यूजन और बॉलीवुड की धमक

लोक गीत और नवाचार के माध्यम से परंपरा की जड़ों को आधुनिकता के साथ जोड़कर किस तरह नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, इसकी एक झलक राजस्थान के संगीत में देखी जा सकती है, जो अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर तो है, लेकिन उसने आधुनिकता के लिए दरवाजे भी खोल रखे हैं। संगीतकारों के डिजिटल प्लेटफॉर्म, पारंपरिक संगीत के फ्यूजन और बॉलीवुड में हुए प्रयोग इसी बात की पुष्टि करते नजर आते हैं। वहां तमाम लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक संगीत को फ्यूजन और बॉलीवुड की शैली में ढालकर नए दर्शकों तक पहुंचाया है। इससे न केवल संगीत की लोकप्रियता बढ़ी है, बल्कि युवा वर्ग में इसे लेकर रुचि भी जगी है। इस तरह वैश्विक संस्कृति से संपर्क, उन्नत तकनीक और लोगों की पसंद में आ रहे बदलाव से राजस्थान का संगीत धीरे-धीरे परिवर्तन की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

गांवों की चौपालों तक सीमित नहीं रहे लोक गीत

देशज गीत-संगीत की एक झलक इस बार फागुन में नजर आई, जिसमें होली के मौके पर गाए जाने वाले फाग गीतों को नए अंदाज में पेश करके युवा टोलियों ने लोक संस्कृति को बड़े शहरों में जीवंत कर दिया। पारंपरिक ढोल-मंजीरे की जगह उन्होंने फास्ट बीट और फ्यूजन म्यूजिक का इस्तेमाल किया। उनकी इस कोशिश ने यह साबित कर दिखाया कि लोक गीत-संगीत सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ ही गंगा की उस धारा की तरह है, जो समय, समाज और सभ्यता के हर परिवर्तन को अपने भीतर समेटते हुए निरंतर गतिशील है। ऐसे प्रयासों से लोक गीत अब गांवों की चौखट या चौपाल तक सीमित नहीं रहे हैं। गायन मंडलियां और आधुनिक बैंड नई शैलियों का निर्माण करके इन्हें डिजिटल और ग्लोबल मंचों तक पहुंचाने में जुटी हैं, जो नई पीढ़ी को खासा पसंद आ रहा है।

विरासत की लहरियों को नए आयाम दे रहे बैंड

पद्म अनूप रंजन पांडे का लोकप्रिय बस्तर बैंड आदिवासी कलाकारों का ऐसा समूह है, जिसने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य को विदेशों तक पहुंचाया है। अपनी अनूठी स्वर लहरियों के साथ यह बैंड अलग छाप छोड़ता है। हालांकि बस्तर बैंड का कहना है कि वह अपनी मिट्टी से जुड़ा है और उसने लोक कलाओं में न तो कोई संशोधन किया है और न ही आधुनिकता का तड़का लगाया है। इसी तरह सादिक, असिन और जाकिर का साज बैंड रजस्थानी गीत-संगीत की परंपरा को नए आयाम देने के साथ अपनी विरासत को संरक्षित कर रहा है। ऐसे ही लुप्त होती पारंपरिक संगीत संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ओडिशा ने पहला लोक संगीत बैंड 'आदि धुन' बनाया है।

पंजाब में 'फोक टर्बेनेटर्स' मेलों में जमा रहे नया रंग

पंजाब की लोक गायकी को भी वहां के युवाओं ने नए रंग भरकर फिर से जिंदा कर दिया है। पारंपरिक परिधानों में युवाओं की टोलियां आज वहां मेलों और पर्वों के मौके पर लोक गीतों को नए स्वर देती नजर आती हैं, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। ऐसे युवाओं के म्यूजिक ग्रुप 'फोक टर्बेनेटर्स' के नाम से जाने जाते हैं। लाइव शो करने के साथ मेलों और प्रदर्शनियों में गाना-बजाना अब लोक संस्कृति की पहचान बन चुका है।

अनोखी परंपरा

दापा प्रथा: बिना शादी के दांपत्य जीवन की शुरुआत

दुनियाभर में अनेक ऐसी परंपराएं देखने को मिलती हैं, जिनके बारे में जानकर आश्चर्य होता है। भारत अपनी विविध संस्कृति और परंपराओं के कारण विशेष पहचान रखता है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों में जीवन के अपने-अपने नियम और सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित हुई हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा राजस्थान के उदयपुर, सिरोही और पाली जिलों में रहने वाली गरासिया जनजाति में देखने को मिलती है।

गरासिया समाज अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस समुदाय में दांपत्य जीवन की शुरुआत एक अनोखे तरीके से होती है, जो आधुनिक समय में प्रचलित 'लिव-इन रिलेशन' की तरह दिखाई देती है। सामान्य भारतीय समाज में जहां विवाह को दांपत्य जीवन की अनिवार्य शर्त माना जाता है, वहीं गरासिया समाज में युवक और युवती पहले साथ रहने लगते हैं और बाद में आवश्यकता या इच्छा के अनुसार विवाह करते हैं।

इस परंपरा की शुरुआत 'दापा प्रथा' से होती है। जब किसी युवक और युवती के बीच आपसी सहमति बन जाती है, तो लड़के पक्ष की ओर से लड़की के परिवार को सामाजिक मान्यता के रूप में कुछ धनराशि दी जाती है। यह राशि पंचायत और समाज की सहमति से तय होती है। इसके बाद दोनों बिना औपचारिक विवाह के ही पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगते हैं। समाज भी इस संबंध को स्वीकार करता है और उन्हें परिवार के रूप में मान्यता देता है।

इस व्यवस्था में एक और विशेष बात यह है कि दंपति पर तुरंत विवाह करने का कोई दबाव नहीं होता। कई बार ऐसा भी होता है कि युवक-युवती वर्षों तक साथ रहते हैं और जब उनके बच्चे हो जाते हैं या उन्हें उचित लगता है, तब वे पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर लेते हैं।

गरासिया समाज में इस परंपरा के पीछे एक पुरानी लोककथा भी सुनाई जाती है। कहा जाता है कि बहुत समय पहले इस समाज के चार भाई अलग-अलग स्थानों पर जाकर बस गए थे। उनमें से तीन भाइयों ने विवाह किया, जबकि चौथा भाई बिना विवाह के ही अपनी साथी के साथ रहने लगा। संयोग से विवाह करने वाले तीनों भाइयों की कोई संतान नहीं हुई, जबकि चौथे भाई के वंश से ही परिवार और समाज आगे बढ़ा। इस घटना के बाद से यह मान्यता बन गई कि साथ रहकर संबंधों की सच्चाई और सामंजस्य को समझना भी जरूरी है। हालांकि इस परंपरा में कुछ सामाजिक नियम भी हैं। यदि युवक और युवती लंबे समय तक साथ रहने के बावजूद संतान प्राप्त नहीं कर पाते, तो वे आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। इसके बाद दोनों किसी अन्य साथी के साथ नया संबंध बना सकते हैं और परिवार बसाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार गरासिया समाज की यह परंपरा भारतीय समाज की विविधता को दर्शाती है, जहां हर समुदाय ने अपनी परिस्थितियों और अनुभवों के आधार पर अलग-अलग सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित की हैं।

आर्ट गैलरी

पियरे-अगस्त रेनॉयर की पेंटिंग 'वोमेन वेयरिंग ए रोज एंड्री'

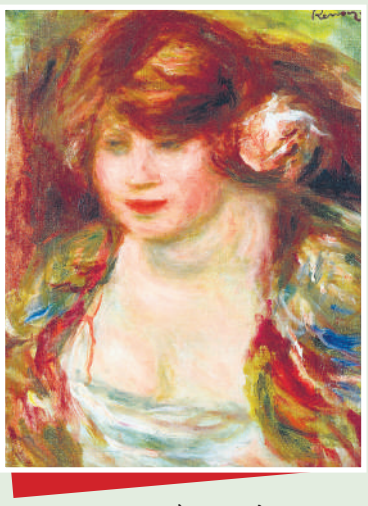

यह कलाकृति, प्रसिद्ध इंप्रेशनिस्ट चित्रकार पियरे-अगस्त रेनॉयर ने 1919 में बनाई थी। यह कैनवस पर तैल रंगों से बना एक चित्र है, जो इंप्रेशनिस्ट आंदोलन की विशिष्ट तकनीकों और सौंदर्यशास्त्र को दर्शाता है। वर्तमान में, यह पेंटिंग एक निजी संग्रह में रखी हुई है। यह कलाकृति एक महिला का जीवंत और अंतरंग चित्रण है, उसके रंग-रूप को गर्म और चमकदार रंगों के मिश्रण से उकेरा गया है, जो इंप्रेशनिज़्म की खासियत- प्रकाश और छाया के मिश्रण को बखूबी पकड़ता है। उसकी नजर थोड़ी हटकर है, जो आत्म-चिंतन के एक गहन क्षण को दर्शाती है। उसके बालों में एक गुलाब सजा है, जिसे बड़ी कलात्मकता से लगाया गया है। ब्रश स्ट्रोक ढीला और अभिव्यंजक है, जिससे रंग सीधे कैनवस पर ही आपस में घुल-मिल जाते हैं।

पियरे के बारे में

पियरे-अगस्त रेनॉयर एक फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका जन्म 25 फरवरी, 1841 को लिमोजेस, फ्रांस में हुआ था। तीन दिसंबर, 1919 को 78 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। पियरे का बचपन गरीबी में बीता, लेकिन उनमें चित्रकला की प्रतिभा बचपन से ही दिखाई देने लगी थी। पेरिस के एक कला विद्यालय में दाखिला लेने से पहले, उन्होंने चीनी-मिट्टी (porcelain) पर चित्रकारी करने वाले आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरू किया। वहीं उनकी मुलाकात अन्य कलाकारों से हुई, जो आगे चलकर इंप्रेशनिस्ट आंदोलन का हिस्सा बने। जैसे- क्लाउड मोनेट और एडगर डेगास।

लोकायन

साल के फूलों संग खिलता सरहुल का उल्लास

झारखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व आदिवासी समाज के सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहारों में से एक है। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सरहुल के माध्यम से आदिवासी समुदाय प्रकृति, पृथ्वी और सूर्य के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर साल वृक्ष की पूजा, पारंपरिक गीत-नृत्य और सामूहिक भोज का विशेष महत्व होता है।

झारखंड के उरांव, मुंडा तथा अन्य आदिवासी समुदाय इस पर्व को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, जिससे गांवों में आनंद और उत्सव का वातावरण बन जाता है। 'सरहुल' शब्द की उत्पत्ति भी प्रकृति से ही जुड़ी है। यह दो शब्दों- 'सर' या 'सराय' और 'हुल' से मिलकर बना है। 'सर' या 'सराय' का अर्थ साल का पेड़ (शोरिया रोबस्टा) होता है, जबकि 'हुल' का मतलब होता है सामूहिक उत्सव या आनंद का अवसर। इस प्रकार सरहुल का अर्थ है साल वृक्ष के माध्यम से प्रकृति का सामूहिक उत्सव मनाना।

लोकमान्यताओं के अनुसार यह पर्व पृथ्वी और सूर्य के प्रतीकात्मक विवाह का भी संकेत देता है। इसी कारण इस दिन लोग सरना स्थल या पवित्र वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना करते हुए प्रकृति से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। सरहुल पर्व अलग-अलग जनजातीय समुदायों में अलग नामों से भी जाना जाता है। उरांव सरना समाज में इसे 'खद्दी' या 'खेखेल बेंजा' कहा जाता है। हालांकि विभिन्न समुदायों में

इसकी परंपराओं और अनुष्ठानों में थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है, लेकिन प्रकृति की पूजा और सामूहिक उत्सव इसकी मूल भावना बनी रहती है।

इस पर्व की तैयारियां लगभग एक सप्ताह पहले से ही शुरू हो जाती हैं। गांव के पाहन यानी पुजारी इस अवसर से पहले उपवास रखते हैं। पर्व के दिन सुबह सूर्योदय से पहले दो नए घड़ों में पवित्र जल भरकर सरना स्थल पर अर्पित किया जाता है। इसके बाद साल के वृक्ष की पूजा की जाती है और गांव की खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है। इस पूजा में मां सरना, सूर्य देवता, ग्राम देवताओं और पूर्वजों को स्मरण किया जाता है।

पूजा के बाद उत्सव का रंग और भी गहरा हो जाता है। आदिवासी समुदाय के लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र पहनते हैं और गांव के अखड़ा में सामूहिक नृत्य करते हैं। महिलाएं और पुरुष साल के फूलों से स्वयं को सजाते हैं और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य-गीत का आनंद लेते हैं। इस दौरान चावल से बने पारंपरिक पेय 'हांडिया' का सेवन भी किया जाता है। दरअसल, सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता की भावना और आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का प्रतीक है। यही कारण है कि झारखंड में यह त्योहार पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

केवल देखने तक सीमित नहीं कला का अनुभव

एक प्रचलित कहावत है 'सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है'। स्पष्ट है यह कहावत दृष्टिबाधितों द्वारा रंगों की समझ और अनुभूति पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। दूसरी तरफ विज्ञान उन चुनौतियों को भी स्वीकारता चला आ रहा है, जिसे सामान्य व्यक्ति लगभग असंभव मान लेते हैं। ऐसे में खबर है कि एम्स्टर्डम स्थित वान गॉग म्यूजियम ने कला को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत यह संग्रहालय अब दृष्टिहीन और कम दृष्टि वाले दर्शक को भी महान डच चित्रकार विन्सेंट वान गॉग की कलाकृतियों की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आमतौर पर चित्रकला को देखने की कला माना जाता है, इसलिए दृष्टिबाधित लोगों के लिए इसे समझना या अनुभूत करना कठिन माना जाता है। ऐसे में एम्स्टर्डम स्थित इस संग्रहालय ने कई अभिनव उपायों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

संग्रहालय ने विशेष रूप से तैयार की गई स्पर्शनीय (टैक्टाइल) प्रतिकृतियां विकसित की हैं, जिनकी सहायता से दृष्टिहीन आगंतुक चित्रों की संरचना और आकृतियों को हाथों से महसूस कर सकते हैं। इन प्रतिकृतियों में चित्र की मुख्य रेखाओं, बनावट और रूपों को उभरे हुए रूप में तैयार किया गया है, जिससे दर्शक स्पर्श के माध्यम से यह समझ सकें कि चित्र में कौन-कौन से तत्व मौजूद हैं और उनका आपसी संबंध क्या है। इसके साथ ही संग्रहालय में ऑडियो गाइड और विशेष वर्णनात्मक व्याख्याएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इन विवरणों में चित्रों के रंगों, प्रकाश, भावनाओं और संरचना का विस्तार से वर्णन किया जाता है, ताकि दृष्टिबाधित दर्शक भी कल्पना के माध्यम से चित्र की दुनिया में प्रवेश कर सकें। उदाहरण के लिए, वान गॉग की प्रसिद्ध कृतियों में दिखाई देने वाले तीव्र रंगों, गतिशील ब्रश स्ट्रोक और प्रकृति के जीवंत दृश्यों को शब्दों के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि श्रोता उनके भावात्मक प्रभाव को महसूस कर सके।

इसके अतिरिक्त संग्रहालय समय-समय पर विशेष समावेशी कार्यशालाएं और मार्गदर्शित भ्रमण भी आयोजित करता है, जिनमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ आगंतुकों को कला के अनुभव से जोड़ते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यह दिखाना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं है, बल्कि उसे स्पर्श, ध्वनि और कल्पना के माध्यम से भी महसूस किया जा सकता है।

इस पहल के पीछे एक व्यापक विचार यह है कि संग्रहालय केवल वस्तुओं को प्रदर्शित करने का स्थान न होकर समाज के सभी वर्गों के लिए खुला सांस्कृतिक मंच बने। वान गॉग म्यूज़ियम की यह पहल दुनियाभर के

संग्रहालयों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह दिखाती है कि यदि रचनात्मक सोच और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो कला का अनुभव हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है- चाहे वह देख सकता हो या नहीं। इस प्रकार यह संग्रहालय न केवल महान कलाकार वान गॉग की कला को संरक्षित कर रहा है, बल्कि यह भी साबित कर रहा है कि कला की दुनिया वास्तव में सबके लिए है यानी उनके लिए भी जो देखने में सक्षम नहीं हैं। वैसे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए चित्रकला को सुलभ बनाने का प्रयास केवल हाल के वर्षों की पहल नहीं है। दुनिया के कई संग्रहालयों और कला संस्थानों ने लंबे समय से ऐसे प्रयोग किए हैं, जिनके माध्यम से दृष्टिबाधित दर्शक भी कला का अनुभव कर सकें। आज वान गॉग म्यूजियम द्वारा किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

दरअसल 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में यूरोप और अमेरिका के कई संग्रहालयों ने 'टैक्टाइल आर्ट' यानी स्पर्श आधारित कला अनुभव की अवधारणा पर काम करना शुरू किया। लंदन के टेट गैलरी में 1980 के दशक में ऐसी प्रदर्शनियां आयोजित की गईं, जिनमें दर्शकों को मूर्तियों को छूकर समझने की अनुमति दी गई। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य यह बताना था कि कला का अनुभव केवल देखने तक सीमित नहीं है, उसे स्पर्श और कल्पना के माध्यम से भी समझा जा सकता है। इसी प्रकार भारत में भी संग्रहालयों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में 'अनुभवः ए टैक्टाइल एक्सपीरियंस' नामक विशेष गैलरी बनाई गई है, जहां प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की स्पर्शनीय प्रतिकृतियां रखी गई हैं। इन प्रतिकृतियों के साथ ब्रेल लिपि में जानकारी और ऑडियो विवरण भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे दृष्टिबाधित दर्शक कला को बेहतर ढंग से समझ सकें।

आजकल नई तकनीकों के माध्यम से चित्रों और मूर्तियों को 3-डी टैक्टाइल मॉडल में बदलने के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। इन मॉडलों में चित्र की रेखाओं और आकृतियों को उभरे हुए रूप में बनाया जाता है, ताकि दर्शक उन्हें हाथों के स्पर्श से महसूस कर सकें। वास्तव में इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य यह है कि संग्रहालय और कला संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित हों। जाहिर है कि इस प्रकार की पहल का मुख्य उद्देश्य यह साबित करना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संवेदनाओं और अनुभवों की एक व्यापक दुनिया है, जिसे हर व्यक्ति अपने तरीके से महसूस कर सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	76,070.84	23,581.15
बढ़त	567.99	172.35
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,62,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 18 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2490, राजश्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2510, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2210, जय जवान 2110, सचिन 2220, सूरज 2110, अवसर 2015, उजाला 2080, गृहणी 13 किग्रा 2055, क्लासिक (किग्रा) 2365, मोर 2315, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2445

किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 12000-13000, अजवाइन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330-380, मखाना 900-1050

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4360

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 158500, सोना गिन्नी 154500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 2620 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3300, मसूरी 1000 बासमती 7200-7800, परमल 1000-3400

दाल दलहन : काला चना 2200-3000, साबुत चना दाल 1200, मूंग साबुत 5400, राजमा 7200-12000, दाल उड़द 5600, साबुत मसूर दाल 2600, मसूर दाल 1000, उड़द साबुत 10400, काबुली चना 5800-10200, अरहर दाल 10400 -12000, लोबिया/करमानी 1200-3200

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट

पिछले साल मार्च में 13.87 लाख टन थी खपत, इस साल 15 दिन में ही घटकर 11.47 लाख टन

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत मार्च के पहले पखवाड़े में 17.7 प्रतिशत घट गई। प्रारंभिक उद्योग आंकड़ों के अनुसार मार्च के पहले पंद्रह दिन में एलपीजी खपत घटकर 11.47 लाख टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13.87 लाख टन के मुकाबले 17.3 प्रतिशत कम है। यह फरवरी के पहले पखवाड़े की 15.57 लाख टन मांग से 26.3 प्रतिशत कम है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है जिसमें से अधिकतर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग बाधित हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति में कटौती की है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों के प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों के अनुसार एक से 15 मार्च के दौरान एलपीजी खपत 2024 की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत और 2023 की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत कम रही।

तीन वितरण पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बाजार में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलपीजी खपत में पिछले कुछ वर्ष में सालाना आधार पर तीन से चार प्रतिशत की स्थिर वृद्धि देखी गई थी, जिसका कारण सरकार की ओर से लकड़ी एवं अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया जाना है।

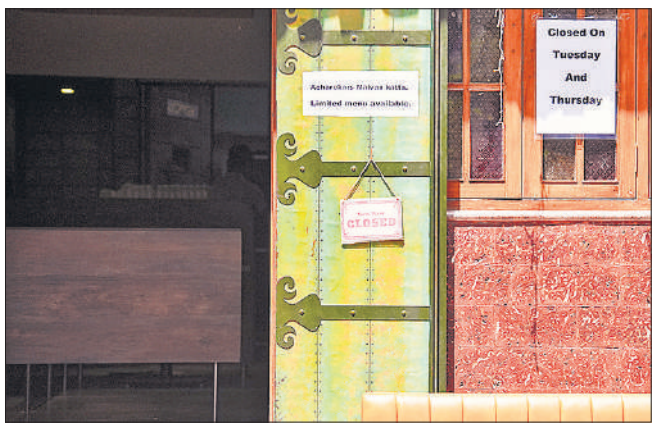

एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण मुंबई में मंगलवार को बंद पड़ा एक रेस्टोरेंट।

विमान ईंधन की खपत भी 12 प्रतिशत कम हुई

युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के निलंबन से विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत भी प्रभावित हुई है। मार्च के पहले पखवाड़े में यह चार प्रतिशत घटकर 3,27,900 टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है। वहीं मासिक आधार पर इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन दो युद्धप्रभावित ईंधनों के अलावा पेट्रोल और डीजल की मांग में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल की बिक्री 13.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15 लाख टन हो गई जबकि डीजल की खपत 8.2 प्रतिशत बढ़कर 33.84 लाख टन रही।

पंजाब में एलपीजी वितरकों ने खारिज किया केंद्र का पर्याप्त उपलब्धता का दावा

चंडीगढ़। केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की ओर से पर्याप्त उपलब्धता का दावा खारिज करते हुए पंजाब के एलपीजी वितरकों ने मंगलवार को कहा कि एलपीजी की आपूर्ति 'अपर्याप्त' है। उन्होंने बकाया आपूर्ति को पूरा करने के लिए रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की। मीडियाकर्मियों के बीच फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स ऑफ पंजाब के अध्यक्ष गुरपाल सिंह मान ने दावा किया कि एलपीजी की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं में घबराहट पैदा कर दी है, जिन्हें आपूर्ति में संभावित कमी की आशंका है। स्थिति को स्थिर करने के बजाय बाद में उठाए गए कदमों ने भ्रम और चिंता को और बढ़ा दिया। इसके साथ शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन का भेदभावपूर्ण और प्रतिबंधात्मक बुकिंग अंतराल लागू करने से गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मान ने कहा कि यदि कोई कमी नहीं है, जैसा कि आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है, तो ऐसे उपायों को सही ठहराना मुश्किल है। 3-4 दिन के लिए एलपीजी बुकिंग चैनल को अस्थायी रूप से निलंबित करने से स्थिति और बिगड़ गई है, जिससे वितरकों को बिना किसी स्पष्टता या समर्थन के जनता के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

- **कहा- कोई कमी नहीं तो क्यों लागू किए जा रहे हैं प्रतिबंधात्मक उपाय**

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

राहत... सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा और निफ्टी ने भी ली 172 अंकों की बढ़त

मुंबई। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और धातु एवं वाहन शेयरों में खरीदारी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन मजबूती रही। सेंसेक्स 568 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 172 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.99 अंक यानी 0.75 प्रतिशत चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 801.41 अंक बढ़कर 76,304.26 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,581.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेजी में रहे। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

रुपया 12 पैसे टूटकर 92.40 डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.40 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान भी रुपये को कमजोर स्तर पर सहारा देने में मदद कर रहा है। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर नजर रखे हुए हैं।

चांदी 6,000 रुपये चढ़ी, सोना भी हुआ 1,050 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को कीमती धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक का उछाल आया। चांदी 6,000 रुपये बढ़कर 2.62 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि सोना बढ़कर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी की कीमत 6,000 रुपये या 2.34 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,62,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 1,050 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। विश्लेषकों ने कहा कि सर्राफा की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली आस्तियों की मांग से प्रेरित था, भले ही वैश्विक संकेतक कमजोर बने रहे।

डाक विभाग ने शुरू कीं 24-48 घंटे में डिलीवरी वाली प्रीमियम सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद में शुरुआत**
- **मार्च, 2027 तक इन सेवाओं को देश भर में शुरू करने का लक्ष्य**

डाक विभाग ने को त्वरित एवं समयबद्ध पार्सल के लिए 24 घंटे और 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी वाली तीन प्रीमियम सेवाओं की मंगलवार को शुरुआत की। विभाग उन कूरियर सेवाओं के बढ़ते बाजार के मुकाबले खुद को नए सिरे से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है जो कुछ ही घंटों में डिलीवरी का वादा करती हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में ये सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की गई हैं। मार्च, 2027 तक इसे देशभर में शुरू करने का लक्ष्य है। निर्धारित समयसीमा का पालन करने के लिए विभाग प्राथमिकता आधारित हवाई परिवहन का उपयोग करेगा। सिंधिया ने कहा कि यह पहल इंडिया पोस्ट के लिए नए दौर की शुरुआत है और इसमें व्यापक संभावनाएं निहित हैं।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नई सेवाओं में ओटीपी आधारित सत्यापन के साथ डिलीवरी, शुरू से अंत तक 'ट्रैकिंग' सुविधा और वास्तविक समय में 'एसएमएस अलर्ट' शामिल होंगे। व्यवसायों के लिए 'अभी बुक करें, बाद में भुगतान करें' सुविधा, केंद्रीकृत बिलिंग तथा एपीआई एकीकरण के विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, थोक खेप के लिए मुफ्त पिकअप और निर्धारित समय में डिलीवरी न होने पर धनवापसी की गारंटी भी दी जाएगी।

सम्मानजनक हो ईपीएफ पेंशन, 1,000 रुपये पर्याप्त नहीं

संसदीय समिति ने की सिफारिश, 7,500 रुपये मासिक पेंशन की मांग कर रहे हैं पेंशनधारक

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन की तत्काल और व्यापक समीक्षा की सिफारिश की। समिति ने कहा कि इसे सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने की जरूरत है। यह सिफारिश ऐसे समय की गई है जब पेंशनधारक यह कहते हुए पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं कि 1,000 रुपये से गुजर-बसर करना मुश्किल है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से संचालित

कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनधारकों ने न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग को लेकर नौ मार्च से जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन भी किया था। श्रम, वस्त्र एवं कौशल विकास से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की 'अनुदान मांगों (2026-27)' पर अपनी 15वीं रिपोर्ट में कहा कि महंगाई बढ़ने के बावजूद कर्मचारी पेंशन योजना के तहत न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये प्रति माह काफी समय से अपरिवर्तित है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अनुबंध पर काम करने वाले कई श्रमिक नियमित श्रमिकों के समान कार्य करते हैं, लेकिन कार्यस्थल दुर्घटनाओं के बाद राहत और मुआवजा देने में अक्सर देरी होती है। समिति ने सिफारिश की है कि ऐसे श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत समय पर कवरेज सुनिश्चित किया जाए।

तेल संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बने रणनीति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आर्थिक मामलों के विभाग को कच्चे तेल के संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक ऊर्जा रूपरेखा विकसित करनी चाहिए। वित्त संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधन के विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए तेजी से विकसित हो रही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की आवश्यकता है।

आरबीआई ने वीआरआर नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की नकदी डाली

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकिंग प्रणाली में सात दिन की वैरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कटऑफ और भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई। हालांकि, यह राशि 1.50 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही, जबकि अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। वीआरआर नीलामी के तहत केंद्रीय बैंक अल्पावधि के लिए परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बैंकों को धन उपलब्ध कराता है जिसमें बैंक तय राशि के लिए बोली लगाते हैं। इस सप्ताह जीएसटी भुगतान के चलते बैंकिंग प्रणाली से और धन निकलने की संभावना है, जिससे तरलता पर दबाव बढ़ सकता है। फिलहाल 16 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता करीब 75,483.63 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो 15 मार्च को अग्रिम कर भुगतान से पहले के 2.08 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है।

ईस्टमैन ऑटो के खिलाफ दिवाला अपील खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ईस्टमैन ऑटो एंड पावर के खिलाफ दायर दिवाला अपील को खारिज करते हुए एनसीएलटी का आदेश बरकरार रखा।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परिचालन लेनदार वेव इंडिया एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ ईस्टमैन ऑटो का विवाद दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा आठ के तहत नोटिस जारी होने से पहले ही मौजूद था। यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को विवाद के गुण-दोष में जाने या किसी पक्ष की सफलता की संभावना का आकलन करने की आवश्यकता नहीं होती है।

मृतकों के बैंक खातों का ब्योरा उनके वारिसों को क्यों न मुहैया कराया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और रिजर्व बैंक से किया सवाल, नीति बनाने का निर्देश**

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से यह जानना चाहा कि मृत खाताधारकों के बैंक खातों की जानकारी उनके वैध उत्तराधिकारियों को उपलब्ध कराने में क्या बाधा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट नीति तैयार करने की भी जरूरत बताई।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पत्रकार सुचेता दलाल की तरफ से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस याचिका में मृत खाताधारकों के निष्क्रिय पड़े हुए जमा की जानकारी उनके उत्तराधिकारियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यवस्था बनाने का निर्देश देने की अपील की गई है।

पीठ ने कहा, यदि कोई व्यक्ति अपने कई बैंक खातों का विवरण छोड़े बगैर मर जाता है तो उसके वारिस उनमें जमा राशि के बारे में जानकारी कैसे जुटाएंगे। कानूनी वारिसों को जानकारी देने में क्या समस्या है। सरकार को इस पर नीति बनानी होगी। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि ऐसे खातों का विवरण सार्वजनिक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने भी केंद्रीकृत और तलाश-योग्य डेटाबेस बनाने की सिफारिश की है, जिससे लोग अपने दिवंगत परिजनों के खातों का पता लगा सकें।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वी वेंकटरमण ने कहा कि यदि कोई वास्तविक वारिस सामने आता है तो उसे 'जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष' से राशि वापस कर दी जाती है। आरबीआई ने यह कोष 2014 में बनाया था जिसमें बैंकों की निष्क्रिय जमाओं को रखा जाता है। शीर्ष अदालत ने केंद्र और आरबीआई को इस मामले में नए हलफनामे दाखिल करने को कहा और अगली सुनवाई के लिए पांच मई की तारीख तय की।

77% म्यूचुअल फंड और डीमैट खाते बिना नॉमिनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नॉमिनेशन से जुड़े नियम और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मंगलवार को जारी सेबी के पत्र से खुलासा हुआ है कि वर्ष 2025 में खुले खातों में औसतन 77 फीसदी निवेशकों ने नॉमिनेशन नहीं चुना है। सेबी के पत्र का उद्देश्य निवेशकों के ऑनबोर्डिंग को आसान और नॉमिनेशन प्रक्रिया को बैंकिंग मानकों के अनुरूप बनाना है।

पूंजी बाजार और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी तमाम संस्थाओं ने अनक्लेम्ड एसेट्स को क्लेम करने के लिए मुहिम चला रखी है। इसके बावजूद अनक्लेम्ड एसेट्स का दायरा बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए ही सेबी के अनुसार नॉमिनेशन के लिए अब सिर्फ नॉमिनी का नाम और उसका निवेशक से रिश्ता बताना ही काफी होगा। बाकी सारी जानकारी वैकल्पिक कर दी जाएगी। इससे न केवल प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि नए निवेशकों के लिए खाता खोलना सरल हो जाएगा। यही नहीं, भविष्य में उनके निवेश को उनके परिवार तक पहुंचाने में कम परेशानी आएगी। लंबे समय तक बिना दावे वाले निवेश यानी 'अनक्लेम्ड एसेट्स' की समस्या भी कम होगी।

- **सेबी की पहल, नॉमिनी का नाम और उससे रिश्ता बताना काफी होगा**

चुन सकेंगे 'ऑप्ट आउट'

नॉमिनेशन को 'डिफॉल्ट' विकल्प बनाने की तैयारी है। अगर कोई निवेशक नॉमिनेशन नहीं करना चाहता तो 'ऑप्ट आउट' करना होगा, जिसके लिए उसे सहमति देनी पड़ेगी।

पावर ऑफ अटॉर्नी

एक महत्वपूर्ण बदलाव यह भी प्रस्तावित है कि यदि निवेशक किसी कारण से खुद अपने खाते का संचालन नहीं कर पाता तो पावर ऑफ अटॉर्नी को ही बेहतर विकल्प माना जाएगा। इससे संभावित धोखाधड़ी और कानूनी विवादों से बचा जा सकेगा।

अन्य अहम प्रावधान

- ऑनलाइनऔर ऑफलाइन दोनों माध्यम से नॉमिनेशन संभव
- नॉमिनेशन में बदलाव/रद्द करने की सुविधा किसी भी समय
- बिना नॉमिनेशन वाले खातों को ईमेल व एसएमएस से जागरूक किया जाएगा
- नॉमिनी केवल ट्रस्टी होगा, अंतिम अधिकार कानूनी वारिसों का रहेगा

फिलहाल सेबी ने इन प्रस्तावों पर 7 अप्रैल तक आम लोगों और बाजार से जुड़े पक्षों से सुझाव मांगे हैं। इसके बाद अंतिम नियम तय किए जाएंगे।

प्रस्तावित बदलावों से निवेशकों के लिए खाता खोलना पहले से आसान हो जाएगा। नए निवेशकों की संख्या बढ़ेगी और वित्तीय बाजार का दायरा और मजबूत होगा। अनक्लेम्ड एसेट्स की समस्या कम होगी। ये बदलाव निवेश को सुविधाजनक और निवेशकों तथा उनके परिवारों के लिए सुरक्षित भी करेंगे। - **राजीव सिंह,** शेयर बाजार विशेषज्ञ

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने मंगलवार को यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की जरूरत नहीं होगी। बैंक के अनुसार, नई सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक यूपीआई एप के जरिए लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे।

कामकाज के हालात | स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर, 2023 तक 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ थे बेरोजगार

देश में 40 प्रतिशत स्नातकों को नहीं मिल पा रही है नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही तय वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' के अनुसार बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के अंदर सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। देश में 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। कहा गया है, स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं। हालांकि अब भी काफी काम बाकी है। इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर लगातार ऊंची बनी हुई है। शिक्षा तक पहुंच असमान है। स्कूल से कार्यस्थल तक का सफर अनिश्चित है और कई लोगों के लिए यह स्थायी, लाभकारी रोजगार में तब्दील नहीं हो पाता।

उच्च शिक्षा संस्थान बढ़े लेकिन गुणवत्ता घटी, इनमें शिक्षकों की भी भारी कमी

उच्च शिक्षा संस्थानों का दायरा भी बढ़ा है। प्रति लाख युवाओं पर कॉलेज की संख्या 2010 के 29 से बढ़कर 2021 में 45 हो गई, जिसमें निजी संस्थानों की बड़ी भूमिका रही है। इसके बावजूद क्षेत्रीय असमानताएं बनी हुई हैं और शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई है। निर्धारित मानकों के मुकाबले निजी और सरकारी कॉलेजों में शिक्षक-छात्र अनुपात काफी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2010 के बाद औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की संख्या में करीब 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ खासकर निजी संस्थानों में गुणवत्ता को लेकर चिंताएं भी सामने आई हैं। उच्च शिक्षा में गरीब परिवारों की भागीदारी बढ़ी है, जो 2007 के आठ प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 15 प्रतिशत हो गई है लेकिन आर्थिक बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। महंगे पेशेवर पाठ्यक्रमों मसलन इंजीनियरिंग व मेडिकल में अपेक्षाकृत संपन्न वर्ग के छात्र-छात्राओं की भागीदारी अधिक रहती है।

मारुति सुजुकी को 5,786 करोड़ के आयकर का नोटिस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ी है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है। इस प्रकार विभाग ने अतिरिक्त आयकर की मांग की है। कंपनी ने कहा है कि वह इसके खिलाफ विवाद समाधान पैनल के समक्ष आपत्ति दर्ज करेगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान, लेबनान को मानवीय मदद देगा चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान, लेबनान और क्षेत्र में जारी संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित दो अन्य पश्चिम एशियाई देशों को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि बीजिंग ने स्थानीय लोगों द्वारा सामना की जा रही दिक्कतों को कम करने की उम्मीद में ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। लिन ने कहा, जारी पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के लोगों को संकट का सामना करना पड़ा है।

जर्मनी के रेस्टोरेंट में गोलीबारी, दो की मौत

बर्लिन। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे के पास एक रेस्टोरेंट में मंगलवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर वारदात के बाद से फरार है। शुरुआती जांच के अनुसार, एक सशस्त्र व्यक्ति स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) रेस्टोरेंट के भीतर दाखिल हुआ और वहां मौजूद लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमले में घायल दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की हालत इतनी गंभीर थीं कि उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यूएई तट से पूर्व में पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला

लंदन। ब्रिटिश नौसेना ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पूर्वी तट पर फुजैराह से 23 समुद्री मील पूर्व में एक पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है। रॉयल नेवी के ब्रिटेन समुद्री व्यापार कार्यालय (यूकेएमटीओ) ने बताया कि यूकेएमटीओ को फुजैराह (ओमान की खाड़ी) से 23 समुद्री मील पूर्व में एक घटना की सूचना मिली है। लंगर डाले हुए एक टैंकर ने अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला होने की सूचना दी है। हमले में उसे मामूली क्षति हुई है।

उत्तर पश्चिमी नेपाल में भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में मंगलवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता चार मापी गयी। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, दारचुला जिले के सितौला में यह भूकंप सुबह 10:12 बजे महसूस किया गया। भूकंप से जान-माल क्षति की सूचना नहीं है।

नाइजीरिया में बम फटने से 23 की मौत, 100 घायल

मैदुगुरी (नाइजीरिया), एजेंसी

- मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती विस्फोट
- बोको हराम जिहादी समूह पर हमले करने का लग रहा आरोप

उत्तर पूर्वी नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर सोमवार रात किए गए संदिग्ध आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष ग्रस्त मैदुगुरी में हाल के वर्षों में सबसे भीषण हमलों में से एक है।

इससे पूर्व स्थानीय निवासियों एवं आपात सेवाओं ने बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर और एक प्रमुख बाजार सहित भीड़ भाड़ वाले तीन स्थानों पर विस्फोट की सूचना मिली। बोर्नो पुलिस ने एक बयान में कहा इनके आत्मघाती विस्फोट होने का संदेह है। कहा कि दुर्भाग्य से 23 लोगों की जान चली गई जबकि 108 अन्य घायल हो गए। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन संदेह है कि बोको हराम जिहादी समूह ने इन हमलों को अंजाम दिया है जिसने 2009 में शरिया लागू करने के लिए उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में विद्रोह शुरू किया था।

न्यूरो मरीजों के लिए उम्मीद

चीन ने हाल ही में न्यूरेकल टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित एक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस के व्यावसायिक उपयोग को मंजूरी देकर चिकित्सा जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह दुनिया का पहला ऐसा मामला है जहां इस तरह के जटिल उपकरण को प्रयोगशाला से बाहर आम मरीजों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति मिली है। चिकित्सा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के संगम ने आज एक ऐसी वास्तविकता को जन्म दिया है जो कभी विज्ञान-कथाओं का हिस्सा थी। मस्तिष्क में एक छोटी सी चिप लगाकर शारीरिक अक्षमताओं को दूर करना अब हकीकत बन रहा है। चीन की यह उपलब्धि उन लाखों लोगों के लिए आशा की एक नई किरण है जो रीढ़ की हड्डी की चोट या अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों के कारण लकवे का शिकार हैं।

ब्रेन इम्प्लांट तकनीक

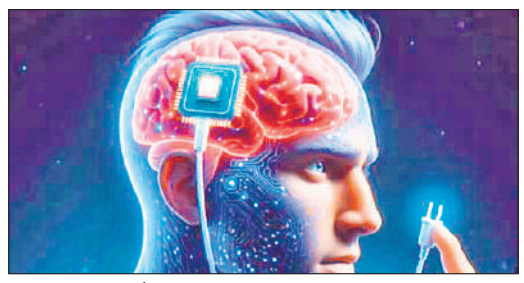

मस्तिष्क और मशीन का मिलन

- ब्रेन इंप्लांट या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस एक ऐसी प्रणाली है जो सीधे मानव मस्तिष्क और बाहरी उपकरणों के बीच संचार का मार्ग प्रशस्त करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह हमारे विचारों को डिजिटल संकेतों में बदलकर मशीनों को निर्देश देने की क्षमता प्रदान करती है। चीन की यह पहल विशेष रूप से उन वयस्क मरीजों के लिए है जो ऊपरी अंगों की गतिविधियों को खो चुके हैं, लेकिन जिनके पास अभी भी बांहों की कुछ कार्यक्षमता शेष है। यह तकनीक उन्हें कृत्रिम अंगों या रोबोटिक दस्तानों को केवल 'सोचकर' नियंत्रित करने की अनुमति देती है। इस विकास का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर तकनीकी वर्चस्व की दौड़ को तेज करता है। यह स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने का प्रयास है, बल्कि भविष्य के सुपर ह्यूमन्स या एआई-संचालित समाज की दिशा में एक बड़ा कदम भी।

कैसे करता है कार्य

- संकेतों को पकड़ना : जब हम चलने या हाथ हिलाने के बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क के 'मोटर कॉर्टेक्स' हिस्से में विद्युत संकेतउत्पन्न होते हैं। इंप्लांट इन संकेतों को रिकॉर्ड करता है।
- डिकोडिंग : रिकॉर्ड किए गए इन 'शोर-भरे' संकेतों को एक एआई-पावर्ड प्रोसेसर या एल्गोरिदम के पास भेजा जाता है। यह एल्गोरिदम पहचानता है कि मरीज वास्तव में क्या करने की कोशिश कर रहा है।
- निर्देश : डिकोड किए गए संकेतों को बाहरी उपकरण, जैसे कंप्यूटर कर्सर, रोबोटिक आर्म या सीधे मरीज की मांसपेशियों को उत्तेजित करने वाले पैच को भेज दिया जाता है।
- रोबोटिक दस्ताना : चीन द्वारा मंजूर डिवाइस में एक रोबोटिक दस्ताना शामिल है। जब मरीज हाथ हिलाने का विचार करता है, तो चिप उस विचार को पढ़कर दस्ताने को निर्देश देती है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ने में सक्षम हो पाता है।

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए फायदे

- स्वतंत्रता : मरीज दूसरों पर निर्भर रहे बिना अपने कंप्यूटर को नियंत्रित कर सकते हैं, ईमेल भेज सकते हैं या इंटरनेट ब्राउज कर सकते हैं।
- गतिशीलता की वापसी : रोबोटिक अंगों या रीढ़ की हड्डी के उद्दीपन के माध्यम से कुछ मरीज फिर से खड़े होने या चलने में सक्षम हो सकते हैं।
- संवाद : जो लोग बोलने की क्षमता खो चुके हैं, उनके विचारों को सीधे टेक्स्ट या सिंथेटिक आवाज में बदला जा सकता है।
- दैनिक कार्य : पानी का गिलास उठाना या खुद से खाना खाने जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण काम संभव हो जाते हैं।

पाकिस्तानी विमानों ने तालिबानी ठिकानों पर रात भर बरसाए बम

अफगान सरकार का पुनर्वास अस्पताल पर हमले का आरोप, 400 मौतों का दावा

- पाकिस्तान ने कहा-आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों पर हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत और जले हुए वाहन। रात भर चले हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

पाकिस्तान ने रात भर सटीक हवाई हमले कर अफगानिस्तान भर में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि अफगान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, ये ताजा हमले 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन गजब-लिल-हक के जारी रहने के दौरान हुए हैं।

पाकिस्तान ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर अफ़गान तालिबान बलों द्वारा कथित हमलों के जवाब में यह ऑपरेशन शुरू किया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत 16 मार्च की रात काबुल और नंगरहार में अफ़गान तालिबान शासन के आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक हवाई हमले किए। उन्होंने दावा किया कि काबुल में दो स्थानों पर स्थित तकनीकी सहायता ढांचे और गोला-बारूद भंडारण अड्डे पूरी तरह से नष्ट हो गए।

उन्होंने दावा किया कि नंगरहार में अफगान तालिबान शासन द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने वाले चार सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया गया, जिससे संबंधित रसद, गोला-बारूद और तकनीकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, अफ़ग़ान तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई बमबारी में राजधानी काबुल स्थित एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसमें करीब 400 लोग मारे गए और 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। फितरत ने एक्स पर कहा कि हमले में अस्पताल के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। टोलोन्यूज ने अस्पताल के हवाले से मंगलवार को बताया कि बचाव अभियान जारी रहने के दौरान मलबे के नीचे अब भी 50 से अधिक शव फंसे होने की आशंका है।

हालांकि, तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान ने काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान तथा फ़ितना अल-ख्वारिज के अड्डों और आतंकवदियों के ठिकानों को सटीक रूप से निशाना बनाया। इन ठिकानों में तकनीकी उपकरण भंडारण और गोला-बारूद भंडारण शामिल थे जिनका उपयोग पाकिस्तान के निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।

73 आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार तरार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक 684 अफगान तालिबान कार्यकर्ता मारे गए हैं और 912 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि तालिबान की 252 चौकियां नष्ट कर दी गईं, जबकि 44 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया और फिर उन्हें नष्ट कर दिया गया। तालिबान के 229 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोपें नष्ट कर दी गई हैं। पूरे अफगानिस्तान में लगभग 73 आतंकी ठिकानों और आतंकी ढांचे को हवाई हमले से प्रभावी ढंग से निशाना बनाया गया।

भाजपा ने आरआरएस व रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग ठुकराई

- कहा-अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मंगलवार को अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की उस रिपोर्ट को निराधार बताया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस रिपोर्ट का समर्थन करके भारत के खिलाफ रुख अपनाया है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि केंद्र ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और बताया कि इसमें वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं तथा यह विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित नहीं है।

भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, इसमें यह भी कहा गया है कि रिपोर्ट में कोई वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं। वास्तव में, सरकार ने अमेरिकी आयोग की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।उन्होंने यह भी कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस पार्टी आज खुद भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है। पात्रा ने कहा कि कोई भी विदेशी आयोग भारत को आदेश नहीं दे सकता या उसके संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कोई आयोग भारत से नहीं कह सकता कि रॉ पर प्रतिबंध लगाए। सरकार ने इसका कड़ा जवाब दिया है, लेकिन कांग्रेस रॉ के खिलाफ बोल रही है और इस आयोग के साथ खड़ी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट का समर्थन किया है। उन्होंने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर भारत को बदनाम करने के प्रयास का दोषी ठहराया।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक हैंडल से आयोग की रिपोर्ट का समर्थन किया गया है। उन्होंने (कांग्रेस ने) कहा है कि अमेरिका और इस एजेंसी ने जो (कुछ) कहा है, वह सही है। पार्टी राहुल गांधी के आदेश पर भारत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। पात्रा ने आयोग की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया तथा इसके उपाध्यक्ष और कमिश्नर को डॉ. आसिफ महमूद नामक पाकिस्तानी-अमेरिकी कहते हुए आरोप लगाया कि इसके (आयोग के) निष्कर्ष उस व्यक्ति (महमूद) के भारत-विरोधी दृष्टिकोण से प्रभावित हैं।

देश की छवि धूमिल करने वालों से मिलते हैं राहुल

पात्रा ने गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ऐसे ही व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी राहुल गांधी विदेश यात्रा करते हैं, वह ऐसे व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि खराब करने और उसकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लंदन में उन्होंने कहा था कि भारत की स्थिति ऐसी है कि सिख पगड़ी और कड़ा नहीं पहन सकते और गुरुद्वारों में नहीं जा सकते। पात्रा ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत में सत्ता में बैठी पार्टी मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह तक दावा किया कि आदिवासी और दलित अपने साथ होने वाले अन्याय के कारण आईएसआईएस जैसी कोई संस्था बना सकते हैं।

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कोलकाता, एजेंसी

- भवानीपुर सीट से उम्मीदवार होंगी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। तृणमूल प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि पार्टी राज्य की 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेगी। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में बनर्जी ने कहा कि दार्जिलिंग पहाड़ियों की शेष तीन सीट पर अनित थापा के नेतृत्व वाला भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा चुनाव लड़ेगा।

ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। बनर्जी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के साथ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए कहा हम 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शेष तीन सीट पर हमारे सहयोगी, अनित थापा के नेतृत्व वाला बीजीपीएम दार्जिलिंग पहाड़ियों में चुनाव लड़ेगा। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि टीएमसी 2026 के विधानसभा चुनावों में आसानी से बहुमत हासिल करने के साथ सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने दावा किया, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में 226 से अधिक सीट जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी आश्वस्त करने की कोशिश की, जिन्हें सूची में जगह नहीं मिली है।

41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड, राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। बंभानिया ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए।

कांग्रेस ने केरल के लिए 55 उम्मीदवार घोषित किए

नई दिल्ली, एजेंसी

- सतीशन, जोसेफ और मुरलीधरन को भी टिकट

कांग्रेस ने नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें वी डी सतीशन, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की यह पहली सूची है।

पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन को पारावूर से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। वह वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन को वट्टियूरकाउ से उम्मीदवार बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर से टिकट दिया गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के विधानसभा क्षेत्र धर्मादम से अब्दुल रशीद को प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के पुत्र चांडी ओमन को पुथुपल्ली से टिकट दिया गया है। वह वर्तमान में यहां से विधायक हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को ही केरल के लिए इन उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। केरल विधानसभा की सभी 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।

विमान की मरम्मत करने के बाद बेड़े में किया शामिल

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का छह साल से सेवा से बाहर रहा (ग्राउंडेड) एक विमान वीटी-एएलएल मरम्मत और कई प्रणालियों को अद्यतन बनाने के बाद एयरलाइंस के सक्रिय बेड़े में शामिल हो गया है।

एयर इंडिया ने बताया कि साल 2022 में जब टाटा समूह ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दोबारा अधिग्रहण किया था उस समय एयरलाइंस के बेड़े में शामिल 133 विमानों में से 30 विभिन्न कारणों से ग्राउंडेड थे। वीटी-एएलएल के नाम से पंजीकृत इस बोइंग 777-300ईआर के साथ ही सभी 30 विमान मरम्मत और जरूरी अपडेट के बाद बेड़े में शामिल हो चुके हैं। यह विमान जुलाई 2007 में एयर इंडिया के बेड़े में शामिल हुआ था और कई सिस्टमों में खामियों के कारण फरवरी 2020 से ग्राउंडेड था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको अधिक काम करना पड़ेगा। शेयर मार्केट के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। अधिकारी आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

वृष – आज अपनी नौकरी से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। फाइनेन्स से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। आपके उलझे काम सुलझ सकते हैं।

मिथुन – आज जीवनसाथी की बातें आपको कड़वी लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा को लेकर अत्यधिक सजग रहेंगे।

कर्क – आज अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। आपके काम अपेक्षानुसार पूरे नहीं होंगे। गूढ़ विद्याओं का अध्ययन करने के योग बन रहे हैं।

सिंह – आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नए रिश्तों की शुरुआत कर सकते हैं। बड़े व्यावसायिक अनुबंध होने के योग बन रहे हैं।

कन्या – आज आपके स्वभाव में नरमी और सहजता रहेगी। सामाजिक मामलों पर मुखर होकर अपनी राय रखेंगे। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

तुला – आज नया वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। अपनी पुरानी गलतियों को ठीक करने का प्रयास कर सकते हैं।

वृश्चिक – आज आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा स्वार्थीपन लाने से बचें।

धनु – आज आपके विचार अत्यधिक सुलझे और रचनात्मक रहेंगे। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद मिल सकता है। आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ – आज नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। कलात्मक विषयों के प्रति आकर्षित रहेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

मीन – आज राजनेताओं को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का फोकस कमजोर हो सकता है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

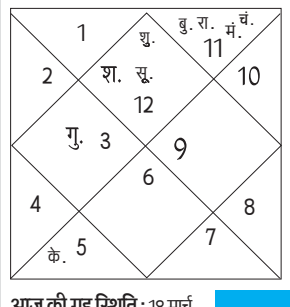

आज की ग्रह स्थिति : 18 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 08.25 तक तत्पश्चात अमावस्या।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 19 मार्च 05.21 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

सुडोकू -92

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

पटकथा लेखक सलीम खान को अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान (90) को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्हें घर ले जाया गया है। मस्तिष्काघात के बाद पिछले महीने 17 फरवरी को खान को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के एक दिन बाद चिकित्सकों ने बताया था कि खान को ब्रेन हैमरेज हुआ और उपचार के बाद उन्हें एहतियात के तौर पर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। एक सूत्र ने मंगलवार को बताया, उनका सफल इलाज किया गया है।

गंभीर संकट

संयुक्त राष्ट्र ने कहा-4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग हो सकते हैं प्रभावित

पश्चिम एशिया के संकट से दुनिया भर में भुखमरी का खतरा

रोम, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के संगठन विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएईपी) ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक बढ़ता है, तो साल 2026 में वैश्विक खाद्य असुरक्षा अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच सकती है।

डब्ल्यूएफपी की यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संगठन के नए विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने से करोड़ों लोग 'गंभीर भुखमरी' की चपेट में आ सकते हैं।

चेतावनी में कहा गया है कि अगर यह संघर्ष साल के मध्य तक समाप्त नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो लगभग 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। वर्तमान में दुनिया भर में 31.8 करोड़ लोग पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। नया संकट इस संख्या को यूक्रेन युद्ध के समय देखे गए 34.9 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर के करीब ले जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम एशिया हालांकि मध्य पूर्व मुख्य रूप से 'एनर्जी हब' है न कि अनाज भंडार, लेकिन ऊर्जा की कीमतों में उछाल का सीधा असर परिवहन, खाद और खेती की लागत पर पड़ता है, जिससे खाद्य सामग्री महंगी हो जाती है। डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, आयात पर निर्भर रहने वाले अफ्रीका और एशिया के देशों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। अकेले एशिया में खाद्य असुरक्षित लोगों की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जबकि पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 21 प्रतिशत और पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में 17 फीसदी की वृद्धि का पूर्वानुमान है।

पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली तो करोड़ों लोगों की तबाही का कारण बनेगी जंग

डब्ल्यूएफपी के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा, यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करेगा और उन परिवारों को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाएगा जो पहले से ही अपने अगले भोजन का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मानवीय सहायता के लिए पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली, तो यह करोड़ों लोगों के लिए तबाही का कारण बन सकता है। उल्लेखनीय है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में जहाजों की आवाजाही के लगभग रुक जाने और लाल सागर में बढ़ते जोखिमों ने पहले ही ईंधन और उर्वरक की कीमतों को बढ़ा दिया है। सूडान और सोमालिया जैसे देशों में महंगाई बढ़ गई है।

रोहित शर्मा आईपीएल 2026 से पहले काफी फिट और पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं तथा उन्होंने अपने कौशल पर जमकर काम किया है। मैं उनसे आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद कर रहा हूं।

- महेला जयवर्धने

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, बुधवार, 18 मार्च 2026

हाईलाइट

आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी ''रिहैबिलिटेशन'' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे।

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।

पत्नी के सीधे-सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार का करियर

साल 2018 में देविशा ने पूछा था- अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं तो क्या योजना है

पत्नी देविशा के साथ सूर्यकुमार यादव।

नई दिल्ली, एजेंसी

उनकी पत्नी के सीधे सरल सवाल ने ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया और अब जबकि सूर्यकुमार यादव विश्व कप विजेता कप्तान बन चुके हैं, तो वे अपनी 'बेहद निश्छल' पत्नी देविशा की जितनी भी प्रशंसा करें वह कम है क्योंकि उन्होंने ही उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सरल सवाल पूछा, 'अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है? उस 'बेहद सादगीपूर्ण बातचीत' के आठ साल बाद सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

सूर्यकुमार ने पीटीआई वीडियो के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान उस बातचीत को याद करते हुए कहा हमारी शादी 2016 में हुई थी जब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से करना शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा उसने मुझसे कहा कि आपके साथ आयु वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारत के लिए खेल रहे हैं। आपके मन में क्या है? मैंने कहा मुझे भी भारत के लिए खेलना है। उसने पूछा, कैसे खेलोगे?। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पत्नी के साथ उनके करियर को बदलने वाली बातचीत के बारे में कहा वह संक्षिप्त सी बातचीत थी। वह किसी तरह की बहस नहीं बल्कि संक्षिप्त चर्चा थी। लेकिन निश्चित तौर पर यह इस बारे में चर्चा थी कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं?

एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई लेकिन सूर्यकुमार और देविशा ने एक जोड़े के रूप में उस रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा हमें कई चीजों में कटौती करनी पड़ी। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा तथा मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा उस साल मुझे मुंबई इंडियंस की तरफ से पारी की शुरुआत करने का भी मौका मिला और मैंने रन भी बनाए। हमने 2019 और 2020 में भी यही सिलसिला जारी रखा और मैं एक अलग ही मूड में था। कप्तान ने कहा कि देविशा पर्दे के पीछे रहकर उनकी ताकत बनी रहीं।

टी-20 विश्व कप 2024 में 'अनुभवी जोश' कारगर साबित हुआ, तो 2026 में 'गरम खून' ने किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप की दो चैंपियन टीमों की तुलना करते हुए कहा कि 2024 की टीम के खिलाड़ियों में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को खत्म करने के लिए 'अनुभवी जोश' था, जबकि इस साल साल खिताब का बचाव करने वाली टीम के पास 'युवाओं का जोशीला जुनून' था। सूर्यकुमार ने पीटीआई के साथ एक विस्तृत पॉडकास्ट साक्षात्कार में ट्रॉफी जीतने वाली दोनों टीमों के बीच मामूली अंतर पर बात की। वह 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे। उस टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल थे। बारबाडोस में मिली जीत के बाद इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टीम की कमान निर्भीक सूर्यकुमार ने संभाली, जिन्होंने टी20 में भारत के खेल को अगले स्तर पर पहुंचाया। सूर्यकुमार ने दोनों टीमों की तुलना करते हुए कहा, दोनों टीमों में बस उन्नीस बीस का फर्क था। वो एक्सपीरियंस (अनुभव) वाला जोश था, इधर एकदम खून गरम था लड़कों का। भारत 2026 में अपने घरेलू मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट में खिताब का प्रबल दावेदार था, लेकिन 2024 की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता, जिसे आईसीसी खिताब हासिल करने की राह में मानसिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि 2026 की टीम 2024 की टीम से थोड़ा बेहतर थी, उन्होंने कहा, 2024 में हमारे पास काफी अनुभव था। उस समय टीम के पास अनुभव था और कई अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा अब भी हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उस समय हमारी टीम के पास काफी अनुभव था और प्रत्येक खिलाड़ी अपनी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार था।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है।

मीनाक्षी ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली। मीनाक्षी गोयत ने आत्म-संदेह पर काबू पाकर बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम पंघाल को हराकर अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम में जगह बना ली। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को घरेलू मैदान पर यह दुर्लभ हार झेलनी पड़ी। ट्रायल में इससे पहले तीन बार अंतिम से हार चुकी मीनाक्षी ने इस बार मजबूत रक्षात्मक खेल का शानदार प्रदर्शन किया और 6-2 की बढ़त लेने के बाद 'विन बाय फॉल' से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम, दिग्गज विनेश फोगाट के 53 किग्रा वर्ग छोड़ने के बाद इस वर्ग में दबदबा बनाए हुए थीं। मुकाबले के दौरान मीनाक्षी ने कई बार अंतिम के सिर पर मजबूत पकड़ बनाई और उन्हें आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं करने दिया।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर शृंखला बराबर की

हैमिल्टन। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई।

स्क्वाश खिलाड़ियों की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर : अनाहत

मुंबई, एजेंसी

स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह। एजेंसी

भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते। अनाहत ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा, यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।टंडन ने कहा ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है। टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है। टंडन ने कहा तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके।

कुलदीप का ग्रैंड रिसेप्शन

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार व चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव का मंगलवार को राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में रिसेप्शन कार्यक्रम हुआ। देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव भी शुभकामनाएं देने के लिए रिसेप्शन में पहुंचे। सीएम योगी ने बुके देकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। कुलदीप ने मसूरी में बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी की है। ● अमृत विचार

धोनी शीर्ष छह में बल्लेबाजी करें : डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने मंगलवार को बेबाक राय देते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी आईपीएल में शीर्ष छह में बल्लेबाजी करनी चाहिए क्योंकि चुके हैं और 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे और डिविलियर्स ने इस करिश्माई खिलाड़ी से पिछले कुछ आठवें या नौवें नंबर पर आने से उनकी मौजूदगी के साथ न्याय नहीं होता। धोनी 44 साल के हो वर्षों में बल्लेबाजी क्रम में बहुत नीचे खेलने की रणनीति को बदलने की अपील की। आगामी आईपीएल सत्र में सीएसके में धोनी की भूमिका पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा यह बहुत मुश्किल है और सीधा-सीधा मामला नहीं है। ब्रांड बनने में वर्षों लगते हैं और सीएसके ने धोनी की शख्सियत के साथ कई वर्षों में यह साम्राज्य खड़ा किया है जो हमेशा से वहां मौजूद रहे हैं।

मन की बात

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली बल्लेबाज ने किया था शानदार प्रदर्शन

महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच होने चाहिए : प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है।

प्रतिका ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में 63 रन बनाकर भारत को पारी की हार से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित भारतीय खेल पत्रकार संघ (एसजेएफआई) के सम्मेलन से इतर प्रतिका ने कहा टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारूप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारूप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारूप के लिए तैयार किया है।

प्रतिका ने कहा मैंने इन महान बल्लेबाजों के कई वीडियो देखे हैं। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह वे खेलते थे, वह हमेशा प्रेरित करता रहा है। महिला टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी उसे परिपक्व करता है।

एसजेएफआई के इस चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने प्रतिका को 51 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

बीसीसीआई के पुरस्कार से मिली प्रेरणा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन पुरस्कार 2026' को भी खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा यह बीसीसीआई के साथ मेरा पहला पुरस्कार था और पूरी शाम बेहद शानदार रही। इस तरह की पहचान खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। बीसीसीआई जिस तरह चैंपियनों को सम्मानित कर रहा है, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा कदम है। पिछले सत्र में भारत की विभिन्न टीमों ने पांच वैश्विक ट्रॉफियां जीती हैं और देश में क्रिकेट लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे यादगार पल बताते हुए कहा कि उसकी खुमारी अब तक बरकरार है।